www.dainik jayant news.com
देहरादून (गैरसैंण),
सोमवार : 11 मई 2026
वर्ष: 17
अंक: 20 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00

# जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

## अब विजय के हाथ में तमिलनाडु की कमान

- राज्य के 9वें मुख्यमंत्री बने, शपथ लेते वक्त देने लगे थे स्पीच
- राज्यपाल ने टोका; पहला ऑर्डर 200 यूनिट फ्री बिजली का

**चेन्नई (एजेंसी)।** तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) चीफ और एक्टर से नेता बने सी जोसेफ विजय तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने रविवार सुबह 10.15 बजे तमिल में शपथ ली। इस दौरान राहुल गांधी भी मौजूद रहे। थलापति विजय शपथ लेते समय निर्धारित लाइनों के अलावा और बातें बोलने लगे। इस पर राज्यपाल अर्लेकर ने उन्हें टोक दिया और कहा कि

वही पढ़ें जो लिखकर दिया है। सीएम विजय के साथ 9 और मंत्रियों ने भी शपथ ली। इनमें एन आनंद, आधव अर्जुन, डॉ. केजी अरुणराज, केए सेंगोट्टैयन, पी वेंकटरमणन, आर निर्मल कुमार, राजमोहन, डॉ. टीके प्रभु, सेल्वी एस कीर्तना शामिल हैं। ये सभी विजय की पार्टी टीवीके के विधायक हैं। सहयोगी दलों के किसी विधायक को मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया है। सीएम बनते ही विजय एक्शन में आए और दस्तावेजों का पहला सेट साइन किया। इनमें 200 यूनिट फ्री बिजली देने, महिला सुरक्षा दल और एंटी ड्रग्स स्क्वॉड बनाने के आदेश शामिल हैं।

### मेरे अलावा कोई दूसरा पावर सेंटर नहीं होगा

शपथ लेने के बाद मुख्यमंत्री विजय ने तमिलनाडु के लोगों को संबोधित किया है। उन्होंने कहा कि यह एक नई शुरुआत है। हमने धर्मनिरपेक्ष और सामाजिक न्याय आधारित शासन का वादा किया है। साथ ही कहा कि सरकार में उनके अलावा कोई दूसरा पावर सेंटर नहीं होगा। सीएम विजय ने कहा कि हमारी राजनीतिक यात्रा में समर्थन के लिए आप लोगों का आभार व्यक्त करता हूं। आप सभी ने मुझसे यह कहकर राजनीति में आने को कहा था कि हम आपके साथ हैं।

## पाकिस्तान के कई शहरों तक होगी अग्नि-5 की पहुंच

- परमाणु हमला करने में भी सक्षम, बढ़ाई सेना की ताकत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत ने रक्षा के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक मील का पत्थर पार कर लिया है। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को घोषणा की कि भारत ने स्वदेशी रूप से विकसित अग्नि-5 मिसाइल का सफल परीक्षण किया है, जो MIRV तकनीक से लैस है। यह परीक्षण शुक्रवार को ओडिशा के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया। मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल तकनीक का सबसे बड़ा लाभ यह है कि एक ही मिसाइल के जरिए कई परमाणु हथियारों को ले जाया जा

सकता है। ये हथियार सैकड़ों किलोमीटर के दायरे में फैले दुश्मन के अलग-अलग लक्ष्यों को निशाना बना सकते हैं। इस मिसाइल की मारक क्षमता 5,000 किलोमीटर से अधिक है। इससे पाकिस्तान के कई शहरों को सटीक निशाना बनाया जा सकता है। हालांकि आधिकारिक तौर पर जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन सैन्य वैज्ञानिकों के अनुसार यह 4 से 5 वारहेड ले जाने में सक्षम है। भारत ने इस तकनीक का पहला सफल परीक्षण मार्च 2024 में किया था, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिशन दिव्यास्त्र का नाम दिया था। इस परीक्षण के साथ ही भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों के क्लब में शामिल हो गया है जिनके पास MIRV तकनीक है। इनमें अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और चीन शामिल हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे भारत की रक्षा तैयारियों में एक अविश्वसनीय क्षमता बताया। भारत का 2003 का परमाणु सिद्धांत नो फर्स्ट यूज (पहले प्रयोग नहीं) की प्रतिबद्धता पर आधारित है। इसका अर्थ है कि भारत केवल परमाणु हमले के जवाब में ही इन हथियारों का उपयोग करेगा, लेकिन यह जवाबी कार्रवाई इतनी भीषण होगी कि दुश्मन को अकल्पनीय क्षति पहुंचाएगी। परमाणु हमले की अनुमति केवल न्यूक्लियर कमांड अथॉरिटी द्वारा दी जा सकती है, जिसके प्रमुख प्रधानमंत्री होते हैं।

# अचानक जान गंवा रहे भारतीय युवा, हर घंटे 120 की मौत

### एनसीआरबी ने जारी किए डराने वाले आंकड़े, भय का माहौल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में भारतीय युवाओं को लेकर एक चिंताजनक बात साझा की है। डाटा के मुताबिक, भारत में काम काजी युवाओं की अचानक होती मृत्यु में लगातार तेजी देखी जा रही है। 30 से 60 वर्ष की आयु वर्ग के पुरुषों के बीच में ऐसी स्थिति ज्यादा बढ़ रही है। पिछले दशक से तुलना करें, तो 2017 में 23,396 युवा अचानक मौत के मुंह में समा गए थे, जबकि 2024 में यह आंकड़ा 42,688 रहा। एनसीआरबी ने अपने डाटा में अचानक मौतों में उन स्थितियों को शामिल किया है, जिसमें हिंसा को छोड़कर बाकी अन्य में तुरंत ही या कुछ ही मिनटों में मौत हो जाती है। इसमें हार्ट अटैक, सड़क

दुर्घटना और अन्य स्थितियां शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय युवाओं में हार्ट अटैक को लेकर होने वाली मौतों की संख्या में भी पिछले दशक की तुलना में वृद्धि हुई है। 2017 में 30 से 60 वर्ष के करीब 14,011 पुरुषों की हार्ट अटैक से मृत्यु हुई थी, 2024 में यही आंकड़ा बढ़कर 23,600 हो गया है। हार्ट अटैक से संबंधित इन मौतों का आंकड़ा इसलिए भी चौंकाता है, क्योंकि 2020 में कोविड-19 वैक्सीन के बाद लोगों के दिमाग में यह बैठा हुआ है कि इसी की वजह से युवा लोगों को ज्यादा हार्ट अटैक आ रहा है। हालांकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि एजेंसियों ने अपनी रिसर्च में इसे केवल एक अफवाह करार देते हुए कहा कि कोविड-19 वैक्सीन का हार्ट अटैक से कोई सीधा संबंध नहीं मिला है। मंत्रालय के मुताबिक हार्ट अटैक के बढ़ते मामलों के लिए अन्य कारक जिम्मेदार हैं।

### सड़क हादसों में अभी भी जान गंवा रहे भारतीय

एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक हार्ट अटैक के अलावा सड़क दुर्घटना आज भी युवा भारतीयों की जान लेने के मामले में सबसे आगे है। 2017 में भारत में हुई सभी अचानक मौतों में 45.1 फीसदी सड़क दुर्घटना की वजह से हुई थीं। वहीं 2024 में भी यह अचानक हुई मौतों में 43 फीसदी हिस्सा रोड़ एक्सीडेंट्स का ही है।

# कांग्रेस धोखेबाज, डीएमके की पीठ में घोंप दिया छुरा

### कर्नाटक में 'आर्ट ऑफ लिविंग' के प्रोग्राम में बोले मोदी

### पीएम ने कहा-सत्ता बदलते ही कांग्रेस ने भी बदल लिया रंग

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** बेंगलुरु में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- कांग्रेस और डीएमके के बीच पिछले 25-30 साल से करीबी संबंध रहे हैं। डीएमके ने कई बार कांग्रेस को संकट से बाहर निकाला। 2014 से पहले केंद्र में 10 साल तक चली कांग्रेस सरकार भी डीएमके के समर्थन की वजह से ही टिकी रही। डीएमके ने हर समय कांग्रेस के हित में काम किया, लेकिन जैसे ही सत्ता का समीकरण बदला, कांग्रेस ने पहले ही मौके पर डीएमके की पीठ में छुरा घोंप दिया। उन्होंने यह बात आर्ट ऑफ लिविंग के 45वें स्थापना दिवस समारोह में कही। पीएम रविवार से तीन राज्यों के दौरे पर हैं। कांग्रेस पार्टी सिर्फधोखा देना जानती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस खुद झूठ बोलती है और उसकी गारंटियां भी झूठी होती हैं।

### पीएम के कार्यक्रम स्थल से 3 किमी दूर मिलीं जिलेटिन छड़ें

कर्नाटक के बेंगलुरु में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से पहले सुरक्षा जांच के दौरान दो जिलेटिन छड़ें बरामद हुई हैं। अधिकारियों के मुताबिक, ये मुख्य कार्यक्रम स्थल से करीब तीन किलोमीटर दूर फुटपाथ के किनारे मिलीं। शुक्रवार सुबह पीएम मोदी के पहुंचने से पहले इलाके में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था इसी दौरान दो जिलेटिन छड़ें बरामद की गईं।

### 400 से ज्यादा सीटें जीतने वाली पार्टी 100 सीटें भी नहीं जीत पा रही

पीएम ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि 40 साल पहले 400 से ज्यादा सीटें जीतने वाली पार्टी पिछले तीन चुनावों में मिलकर भी 100 सीटों का आंकड़ा पार नहीं कर पाई। इसके बावजूद कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों का अहंकार इतना ज्यादा है कि वे अपनी हार के लिए पूरी दुनिया को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। पीएम ने बीजेपी और एनडीए की जीत का जिक्र करते हुए कहा कि देशभर में पार्टी को बड़ा समर्थन मिला है। उन्होंने कहा कि पुडुचेरी में लगातार दूसरी बार और असम में लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार बनी है। पश्चिम बंगाल में भी बीजेपी को पहली बार इतना बड़ा जनादेश मिला है। उन्होंने इसे पार्टी के लिए अहम राजनीतिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा यह भी कहा कि दो हफ्ते पहले गुजरात में हुए पंचायत और स्थानीय निकाय चुनावों में बीजेपी ने रिकॉर्ड जीत हासिल की।

# अब दक्षिण के राज्यों पर बीजेपी की है नजर

### तमिलनाडु में अपनाएगी बंगाल वाला फॉर्मूला

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अरब सागर के तट से वर्ष 1980 में शुरू हुई भाजपा की राजनीतिक यात्रा 46 साल बाद गंगासागर तक पहुंच गई है। हालांकि, हिंद महासागर की सीमाई राज्यों तक पहुंचना अभी बाकी है। पार्टी का अगले एक दशक का लक्ष्य सारी समुद्री सीमाओं वाले प्रदेशों में भाजपा को सत्ता तक पहुंचाना है। इसके लिए अब पार्टी अपने मिशन दक्षिण के लिए बदली हुई रणनीति पर काम करेगी। भाजपा की पहुंच से दूर रहा तेलंगाना उसका पहला लक्ष्य है। उसके बाद केरल और तमिलनाडु की व्यूह रचना पर काम होगा। कर्नाटक में उसे अगले ही चुनाव में वापसी की उम्मीद है। साल 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के कुछ समय बाद ही अमित शाह ने भाजपा की कमान संभाली थी। उन्होंने अपने पहले ही भाषण में भाजपा के पूर्वोत्तर विस्तार और कोरोमंडल में पहुंच का विशाल रोड मैप पेश किया था।

# असम में फिर हिमंत बिस्वा सरमा सरकार

- एनडीए के विधायक दल ने सर्वसम्मति से दिया समर्थन

**दिसपुर (एजेंसी)।** असम में एक बार फिर से हिमंत बिस्वा सरमा के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया है। रविवार को गुवाहाटी में असम विधानसभा की विधायक दल की बैठक के दौरान भाजपा और एनडीए सहयोगियों के विधायकों ने हिमंत को सर्वसम्मति के साथ अपना नेता चुना। इस बैठक में एनडीए के असम में मौजूद सभी 82 विधायक उपस्थित रहे। इसके अलावा पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की तरफ से पर्यवेक्षक के

रूप में नियुक्त किए गए केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी भी मौजूद रहे। भाजपा और एनडीए विधायक दल द्वारा हिमंत को नेता चुने जाने के बाद केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा ने इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा, असम में नए विधायक दल के नेता के चुनाव की प्रक्रिया अब पूरी हो चुकी है। हमें भाजपा की तरफ से 8 और सहयोगी पार्टियों एजीपी और बीपीएफ की ओर से हिमंत सरमा के नाम से ही प्रस्ताव मिले हैं। इन प्रस्तावों का अन्य सदस्यों ने समर्थन किया है। इसके आधार पर मैं आधिकारिक रूप से उन्हें भाजपा और एनडीए नेता के तौर पर घोषित करता हूं।

### 12 वर्षों के अच्छे कामों का मिला नतीजा: हिमंता

इसके बाद सभी ने मिलकर हिमंत बिस्वा सरमा का सम्मान किया और उन्हें एक बड़ी फूलों की माला पहनाई। वहां पर मौजूद विधायक दल को संबोधित करते हुए हिमंत ने पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और असम की जनता का धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, यह भाजपा और हमारे सहयोगियों के लिए गर्व का क्षण है। हम असम में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने में सफल हुए हैं। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करता हूं, जिनके नेतृत्व में हमने यह दिन देखा है। चुनाव प्रचार के समय उनकी भागीदारी और केंद्र और राज्य सरकार द्वारा पिछले 12 वर्षों में किए गए काम की वजह से हमें जनता का आशीर्वाद मिला है। मैं प्रधानमंत्री और जनता को आश्वस्त करता हूं कि अगले पांच वर्षों तक हम असम के विकास के लिए निरंतर मेहनत करेंगे।

### 12 मई को गुवाहाटी में शपथ ग्रहण

बता दें, भाजपा और उसके सहयोगियों ने राज्य में कुल 126 सीटों पर जीत दर्ज की है। इसमें से 82 सीटों पर भाजपा ने विजयी पताका फहराई तो वहीं दस-दस सीटों पर सहयोगी पार्टियां जीतकर आई हैं। इस प्रकार असम में एनडीए गठबंधन के विधायकों की संख्या कुल मिलाकर 102 पर पहुंच गई है। इस कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री अपने सहयोगियों के साथ लोकभवन जाकर राज्यपाल से मुलाकात करके सरकार बनाने का औपचारिक दावा पेश करेंगे। आपको बता दें, भाजपा की नई सरकार का शपथ ग्रहण कार्यक्रम 12 मई को गुवाहाटी में आयोजित होगा।

# केरल में नहीं सुलझ पा रहा सीएम का मुद्दा

- आपसी कलह से जूझ रही कांग्रेस, थरूर-खरगे की बैठक

**तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)।** केरल में एलडीएफ के 10 साल के शासन को खत्म करने के बाद कांग्रेस के भीतर जश्न के बजाय गुटबाजी का दौर शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री पद के लिए तीन मुख्य दावेदार वीडी सतीसन, रमेश चेन्निथला और केसी वेणुगोपाल मैदान में हैं। शनिवार को ये सभी नेता दिल्ली में मौजूद रहे और माना जा रहा है कि अगले 24 घंटों के भीतर अंतिम नाम की घोषणा हो जाएगी। मुख्यमंत्री पद की यह जंग अब सार्वजनिक हो गई है। तिरुवनंतपुरम से लेकर इडुक्की तक समर्थकों ने अपने-अपने नेताओं के पोस्टर और होर्डिंग्स लगा दिए हैं। सबसे विवादित घटना तब हुई जब दिवंगत नेता ओमान चांडी और केसी वेणुगोपाल की तस्वीर वाले एक फ्लेक्स बोर्ड को फाड़ दिया गया और उस पर काला तेल डाल दिया गया। कांग्रेस सांसद राजमोहन उन्नीथन और पीजे कुरियन ने इस व्यवहार की कड़ी निंदा की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दबाव की राजनीति से मुख्यमंत्री तय नहीं किया जा सकता।

### बीजेपी को रोकने के लिए वाम के साथ भी जाने को तैयार

# बंगाल की करारी हार से बदले ममता के तेवर

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल में कभी वामपंथ की सबसे बड़ी विरोधी मानी जाने वाली मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सुर अब विधानसभा चुनाव में मिली करारी शिकस्त के बाद बदलते नजर आ रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने भाजपा को रोकने के इराने से विपक्षी दलों से साथ आने की अपील की है। ममता ने संकेत दिए हैं कि भाजपा के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए उन्हें वामदलों और यहां तक कि धुर-वामपंथियों से भी परहेज नहीं है। उनका यह बयान न केवल बंगाल बल्कि देश की राजनीति में एक बड़ी हलचल पैदा कर रहा है। जिस ममता बनर्जी ने तीन दशक पुराने वामपंथी किले को ढहाया था, आज वही उनके साथ मंच साझा करने की बात कह रही हैं। ममता बनर्जी की राजनीति की नींव ही वामपंथ के विरोध पर

टिकी थी। 1970 और 80 के दशक में जब पश्चिम बंगाल में वाम मोर्चा अभेद्य माना जाता था, तब ममता आक्रामक नेता थीं।

### सिंगूर और नंदीग्राम आंदोलन से बनाई पहचान

साल 2006-2008 के दौरान सिंगूर में टाटा नैनो प्लांट के खिलाफ भूमि अधिग्रहण आंदोलन और नंदीग्राम में पुलिस फायरिंग की घटनाओं ने ममता बनर्जी को बंगाल की जनमानस का मसीहा बना दिया। उन्होंने 'मां, माटी, मानुष' का नारा दिया, जिसने वामपंथ के उस सर्वहारा वर्ग को अपनी ओर खींच लिया जो कभी माकपा का आधार था। साल 2011 के विधानसभा चुनावों में ममता बनर्जी ने वह कर दिखाया जो असंभव माना जाता था। उन्होंने 34 साल पुराने वामपंथी शासन को उखाड़ फेंका। बुद्धदेव भट्टाचार्य की हार और राइटर्स बिल्डिंग से लाल झंडे का हटना भारतीय राजनीतिक इतिहास की सबसे बड़ी घटनाओं में से एक थी। उस समय ममता ने कसम खाई थी कि वह बंगाल से वामपंथ का नामोनिशान मिटा देंगी।

### आज की मजबूरी या आगे की रणनीति

पिछले एक दशक में बंगाल की राजनीतिक जमीन पूरी तरह बदल चुकी है। वामदल हाशिए पर चले गए हैं और भाजपा मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी है। ममता बनर्जी अब महसूस कर रही हैं कि मतों का बिखराव अंतत: भाजपा को फायदा पहुंचाता है। हालिया बयानों में ममता ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय स्तर पर और विशेष रूप से बंगाल में भाजपा के विजय रथ को रोकने के लिए विपक्ष की एकता अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि यदि देश को बचाना है और धर्मनिरपेक्षता को कायम रखना है तो सभी गैर-भाजपाई ताकतों को एक साथ आना होगा। इसमें उन्होंने विशेष रूप से वाम और घोर वामपंथी विचारधारा वाले समूहों का नाम लेकर सबको चौंका दिया है।

### जमीनी कार्यकर्ताओं का टकराव

बंगाल के गांवों में आज भी टीएमसी और वामपंथी कार्यकर्ताओं के बीच खूनी संघर्ष का इतिहास रहा है। क्या शीर्ष नेतृत्व के हाथ मिलाने से जमीनी स्तर पर कार्यकर्ता एक-दूसरे को स्वीकार करेंगे। वामदलों के लिए ममता बनर्जी आज भी उनकी सत्ता छीनने वाली नेता हैं। माकपा के कई नेता ममता पर ही भाजपा को बंगाल में जगह देने का आरोप लगाते रहे हैं। धुर-वामपंथी समूह अक्सर संसदीय राजनीति से दूरी बनाकर रखते हैं या बेहद कट्टर रुख अपनाते हैं। ममता का उन्हें साथ आने का न्योता देना यह दर्शाता है कि वह भाजपा के खिलाफ एक संयुक्त मोर्चा बनाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। अब हृदय परिवर्तन हो गया है।

# कार खाई में गिरी, महिला की मौत

श्रीनगर गढ़वाल। शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे लोगों की कार बिलकेदार–देहलचौरी मार्ग पर अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 50 से 60 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में देहरादून निवासी महिला की मौत हो गई जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस और स्थानीय लोगों ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव अभियान चलाकर सभी घायलों को बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार रविवार को देहलचौरी चौकी में सूचना मिली कि अरकणी बैंड से करीब 800 मीटर आगे एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। सूचना मिलते ही कोतवाली श्रीनगर से पुलिस टीम आपदा राहत उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि वाहन चालक रोहित थपलियाल रुद्रप्रयाग से शादी समारोह में शामिल होकर विकास खंड कोट के ग्राम भेंटा गांव से रुद्रप्रयाग लौट रहे थे। वाहन में चालक समेत पांच लोग सवार थे। मौके पर तैनात कांस्टेबल बद्रीलाल ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को खाई से बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल महिला अनीता भट्ट (49) पत्नी शशिराम भट्ट निवासी जाखन, अंसल ग्रीन वैली, राजपुर रोड देहरादून को कांस्टेबल बद्रीलाल ने अपने निजी वाहन से तत्काल बेस अस्पताल श्रीकोट पहुंचाया जहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे में घायल लोगों में चालक रोहित थपलियाल (24) पुत्र प्रेमचंद थपलियाल, रश्मि देवी (45) पत्नी प्रेमचंद थपलियाल, सुधा देवी (54) पत्नी जगदीश प्रसाद निवासी रतूड़ा रुद्रप्रयाग तथा सुमन बिष्ट (26) पुत्री गजपाल सिंह बिष्ट निवासी ग्राम भेंटा, देहलचौरी पौड़ी जनपद शामिल हैं। सभी घायलों का बेस अस्पताल में उपचार चल रहा है।

## युवती से छेड़छाड़, बीच–बचाव में युवक पर खुकरी से हमला

देहरादून। रायपुर थाना क्षेत्र के तपोवन रोड पर एक युवती के साथ छेड़छाड़ और सरेराह मारपीट का आरोप लगा है। मनचलों ने बीच–बचाव करने आए एक युवक के सिर पर खुकरी से जानलेवा हमला कर उसे लहूलुहान कर दिया। पीड़िता की तहरीर पर रायपुर थाना पुलिस ने शनिवार को मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसओ संजीत कुमार ने बताया कि जैन प्लॉट निवासी महिला ने दी शिकायत में बताया कि वह आठ मई की रात करीब नौ बजे अपनी एक दोस्त के साथ तपोवन रोड पर टहल रही थी। आरोप है कि वहां पहले से मौजूद मोहित थापा, हिमांशु राय और उनके अन्य साथियों ने उसे घेर लिया और गाली–गलौज करते हुए मारपीट व छेड़छाड़ शुरू कर दी। इसी बीच वहां से गुजर रहे गौतम राणा ने जब युवती को बचाने का प्रयास किया तो आरोपियों ने खुखरी से गौतम के सिर पर हमला कर दिया। हमले में गौतम लहूलुहान होकर बेहोश हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया।

# उद्योग विभाग कर्मचारी प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री भरत सिंह चौधरी से की शिष्टाचार भेंट

देहरादून। उद्योग विभाग राज्य कर्मचारियों के पदाधिकारियों ने आज ग्राम्य विकास, लघु एवं सूक्ष्म मध्यम उद्यम (टरटए), खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री भरत सिंह चौधरी से यमुना कॉलोनी स्थित कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान कर्मचारी प्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न विभागीय समस्याओं एवं मांगों को लेकर मंत्री जी को मांग पत्र सौंपा गया। कर्मचारियों ने स्थानांतरण, डीपीसी (पदोन्नति), मृतक आश्रित नियुक्ति, विभागीय संविदा कर्मचारियों से संबंधित विषयों सहित अन्य मुद्दों पर अपना पक्ष विस्तार से रखा। मंत्री भरत सिंह चौधरी ने कर्मचारियों की समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वस्त किया कि सभी विषयों का नीतिगत एवं न्यायोचित तरीके से समाधान किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कर्मचारियों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हेतु आवश्यक निर्देश भी दिए। मा.मंत्री ने कहा कि कर्मचारी किसी भी विभाग की कार्यप्रणाली की महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं तथा उनकी समस्याओं का

समयबद्ध समाधान सरकार की प्राथमिकता है। इस अवसर पर उद्योग विभाग राज्य कर्मचारी संघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी,सचिव पंकज चौहान,प्रचार मंत्री प्रदीप नेगी, कोषाध्यक्ष सचिन, सदस्य नवीन मलाशी एवं प्रवीन मल्ल उपस्थित रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### साइबर ठगों ने व्यक्ति के खाते से उड़ाए लाखों रुपये

हरिद्वार। ज्वालापुर निवासी एक व्यक्ति के बैंक खाते से ठगों ने करीब 4.90 लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शास्त्री नगर निवासी कमल कुमार ने पुलिस को बताया कि उनके बैंक खाते से अलग–अलग ट्रांजेक्शन के जरिए कुल 4 लाख 89 हजार 999 रुपये निकाल लिए गए। मामले की जानकारी होने पर उन्होंने राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल और हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद पुलिस और बैंक की मदद से 36 हजार 602 रुपये 46 पैसे की रकम पर लियन लगाया गया है, ताकि रकम को होल्ड किया जा सके और आगे निकासी रोकी जा सके। प्रभारी निरीक्षक चंद्रभान सिंह अधिकारी ने बताया कि साइबर सेल की मदद से बैंक खातों और ट्रांजेक्शन की डिटेल खंगाली जा रही है।

### मोलधार–चापड़ा सड़क निर्माण करवाने की मांग

उत्तरकाशी। जौनपुर ब्लॉक के मोलधार गांव से थौलधार के चापड़ा तक स्थानीय लोगों ने सड़क स्वीकृत करने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क बनने से जौनपुर, थोलधार ब्लॉक के अलावा उत्तरकाशी जिले के कई गांव आपस में जुड़ने से आवाजाही सुगम होगी। जौनपुर ब्लॉक के सेवानिवृत्त कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष खेमराज भट्ट, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सोमवारी लाल नौटियाल, मोलधार ग्राम प्रधान गजेंद्र दत्त रतूड़ी, पूर्व प्रधान कमल नौटियाल, प्रियंका देवी ने कहा कि मोलधार–चापड़ा सड़क बनने से टिहरी जिले के जौनपुर क्षेत्र, थौलधार ब्लॉक की बिष्ट और उत्तरकाशी के हाथड़ पट्टी जौनपुर ब्लॉक थत्यूड़ से जुड़ जाएगी। उत्तरकाशी जिले की वनचौरा सड़क जुडने से उत्तरकाशी और बड़कोट से मसूरी और देहरादून जाने लोगों के लिए 40 से 45 किलोमीटर का सफर कम हो जाएगा। बताया पर्यटन की दृष्टि से इस सड़क निर्माण जरूरी है। मोलधार से तीन किलोमीटर की दूरी पर जौनपुर क्षेत्र का गुड़ियापा पर्यटन स्थल है, जहां पर नाग देवता का प्राचीन मंदिर है। यह स्थान बेहद रमणीक होने के साथ यहां से हिमालय पर्वत और टिहरी झील का सुंदर दृश्य भी दिखाई देते हैं। सड़क बनने से पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार की संभावना भी बढ़ेगी। उन्होंने शासन–प्रशासन से मोलधार–चापड़ा सड़क की स्वीकृति दिलाने की मांग उठाई है।

### घरेलू विवाद में दामाद ने ससुर पर किया चाकू से हमला

हरिद्वार। ज्वालापुर क्षेत्र के अहबाबनगर में घरेलू विवाद के दौरान दामाद ने अपने ससुर पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में घायल व्यक्ति को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। रविवार को पुलिस ने आरोपी और उसके भाई के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक अहबाबनगर निवासी नसीम ने शिकायत में बताया कि शुक्रवार को उसका दामाद सावेज किसी बात को लेकर उससे भिड़ गया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और मारपीट शुरू हो गई। आरोप है कि इसी दौरान सावेज ने चाकू निकालकर उसके पेट पर वार कर दिया। नसीम ने आरोप लगाया कि घटना के दौरान आरोपी का बड़ा भाई जहीर भी मौके पर मौजूद था, जिसने धमकी दी कि अगर वह बच भी गया तो बाद में उसे और उसकी बेटी को खत्म कर दिया जाएगा। कोतवाली प्रभारी चंद्रभान सिंह अधिकारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

### जमालपुर कलां की अनदेखी पर स्थानीय लोगों ने सीवर कार्य रुकवाया

हरिद्वार। जमालपुर कलां ग्राम पंचायत क्षेत्र में सीवर लाइन की अनदेखी को लेकर रविवार को स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। सैकड़ों ग्रामीणों और कॉलोनीवासियों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए मित्र विहार कॉलोनी के मुख्य मार्ग पर चल रहे सीवर लाइन निर्माण कार्य को रुकवा दिया। आक्रोशित लोगों ने मौके पर पहुंचे निर्माण एवं अनुरक्षण शाखा के एई अनूप भंडारी का घेराव कर जमकर नाराजगी जताई। प्रदर्शन कर रहे लोगों का आरोप था कि प्रशासन केवल मित्र विहार कॉलोनी तक ही सीवर लाइन डाल रहा है, जबकि इसके आगे स्थित लक्की विहार, संगम विहार, उमा विहार, दुर्गा एंक्लेव, कस्तूरी एंक्लेव, बृजकिशोर एंक्लेव और कुसुम एंक्लेव जैसी कई बड़ी कॉलोनियों को योजना से बाहर रखा गया है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी कॉलोनियों में भी सीवर लाइन डालने का कार्य शुरू नहीं किया जाता, तब तक मुख्य मार्ग पर चल रहा निर्माण कार्य नहीं होने दिया जाएगा। उनका कहना था कि प्रशासन मुख्य सड़क पर सीवर लाइन तो डाल रहा है, लेकिन उसे कॉलोनियों से जोड़ने की कोई योजना नहीं है।

### वित्त विहीन मान्यता प्राप्त विद्यालयों की समस्याओं पर चर्चा

उत्तरकाशी। वित्त विहीन मान्यता प्राप्त विद्यालय की एक आवश्यक बैठक बड़कोट स्थित हिलग्रीन इंटर कॉलेज में हुई। बैठक में जनपद भर से पहुंचे विद्यालय संचालकों एवं प्रधानाचार्यों ने विद्यालयों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर गंभीरता से चर्चा की। इस दौरान आरटीई के तहत बीते एक वर्ष से विद्यालयों को धनराशि न मिलने पर नाराजगी व्यक्त की गई। रविवार को प्रदेश अध्यक्ष सुरेश चन्द्र रमोला की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें विद्यालयों की मान्यता, नवीनीकरण व समिति पंजीकरण में आ रही प्रशासनिक दिक्कतों को भी प्रमुखता से उठाया गया।

# ट्रैफिक प्लान धड़ाम, फिर लगा ऋषिकेश में जाम

ऋषिकेश। वीकेंड पर उमड़ी पर्यटकों की भीड़ के बीच चारधाम यात्रा में ट्रैफिक को सुचारु रखने के लिए पुलिस की ओर से तैयार किया गया विशेष यातायात प्लान एक बार फिर रविवार को धड़ाम हो गया। सुबह करीब नौ बजे से शुरू हुआ जाम का सिलसिला रात करीब आठ बजे तक जारी रहा। शहर में बाईपास से लेकर मुख्य मार्ग पर जाम के बीच वाहन रेंगते रहे। इसके चलते पर्यटकों के साथ स्थानीय लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। रविवार को जाम का लगने का सिलसिला सुबह नौ बजे हुआ। श्यामपुर में ऋषिकेश–हरिद्वार नेशनल हाईवे पर गढ़ी तिराहे से पुलिस चौकी तक वाहन रेंग–रेंगकर गुजरते रहे। हरिद्वार बाईपास से ऋषिकेश होते हुए मुनिकीरेती तथा अन्य पर्वतीय क्षेत्रों का रुख करने वाले यात्रियों और पर्यटकों को मनसा देवी तिराहे भी जाम से जूझना पड़ा। यहां रेलवे फाटक पर ट्रेनों के आवागमन के दौरान संकरी सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लगी रही। संकरे हाईवे पर गौरा देवी चौक से लेकर इंद्रमणि बडोनी चौक तक पहाड़ जाने वाला ट्रैफिक जाम दिखा। ढालवाला में गंगोत्री नेशनल हाईवे वाहनों से पैक होने के चलते यह समस्या पैदा हुई। पुलिस का वन–वे

ट्रैफिक प्लान भी वाहन सवार लोगों को राहत देता नहीं दिखा। बाईपास का रुख करने वाले स्थानीय लोगों को भी सवारी वाहनों में इस जाम में फंसना पड़ा। चिलचिलाती धूप में वह पसीना–पसीना होते दिखे। यातायात निरीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि हरिद्वार बाईपास मार्ग काफी संकरा है, जिस पर वाहनों का दबाव बढ़ने से इस तरह की समस्या होती है। नेपालीफार्म से डायवर्जन प्लान भी लागू किया जा रहा है, लेकिन ढालवाला और आसपास क्षेत्र की सड़कों पर वाहनों की भीड़भाड़ से सुचारु ट्रैफिक में परेशानी

## एसओजी बनकर पहुंचे बदमाश, 18 लाख की फिरौती वसूली

रुड़की। युवक के अपहरण और 18 लाख रुपये की फिरौती वसूली के मामले में पुलिस की जांच लगातार आगे बढ़ रही है। जांच में सामने आया है कि बदमाश पूरी तरह एसओजी टीम के गेटअप में पहुंचे थे। उनके पहनावे, बातचीत और व्यवहार से युवक उन्हें असली पुलिसकर्मी समझ बैठा। आरोप है कि बदमाशों ने इतना दबाव और डर बनाया कि पीड़ित उनकी पहचान तक नहीं कर पाया। सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र के न्यू आदर्शनगर निवासी जितेंद्र कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि कुछ लोग कार से उसके घर पहुंचे थे। उन्होंने खुद को एसओजी का सदस्य बताते हुए पूछताछ के बहाने उसे अपने साथ बैठा लिया। रास्ते भर उससे सख्ती से पूछताछ की गई और धमकाया गया। आरोप है कि बाद में बदमाश उसे मुजफ्फरनगर के जंगल क्षेत्र में ले गए, जहां उससे लाखों रुपये वसूले गए। पुलिस अब मामले की कई एंगल से जांच कर रही है। यह भी पड़ताल की जा रही है कि घटना के पीछे कहीं वे लोग तो नहीं हैं, जिनके साथ पहले युवक ने जादुई लोटे के जरिए सम्मोहित कर ठगी की वारदात को अंजाम दिया था।

# युवा डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ को नवजात की जान बचाने का दिया प्रशिक्षण

देहरादून। दून मेडिकल कॉलेज में रविवार को बाल रोग विभाग की ओर से नवजात शिशु जीवनरक्षक तकनीकों पर कार्यशाला आयोजित की गई।

प्रशिक्षक एचओडी डॉ. अशोक कुमार ने युवा डॉक्टरों एवं नर्सिंग अधिकारियों को एयरवे मैनेजमेंट, बैग और मास्क वेंटिलेशन सहित आपातकालीन प्रोटोकॉल का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। उपकरण तैयार करने, बैग–मास्क की जांच, बच्चे की सांस का मूल्यांकन और छाती के उठने के आधार पर पॉजिटिव प्रेशर वेंटिलेशन देने जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं का सिमुलेशन आधारित परीक्षण दिया। नियमित एनआरपी प्रशिक्षण को नवजात मृत्यु दर कम करने में बेहद जरूरी है।

# गर्भ में ही शिशु के हृदय रोगों की पहचान से जिंदगी बचाना आसान

देहरादून। श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल में आईआरआईए उत्तराखण्ड स्टेट चैप्टर की ओर से रविवार को फीटल ईको तकनीक पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि गर्भ में पल रहे शिशु के दिल की बीमारियों की पहचान करने में यह तकनीक वरदान है। इस दौरान विशेषज्ञों ने लाइव डेमो के माध्यम से चिकित्सकों को इस तकनीक की बारीकियां समझाईं। बेंगलुरु से आए मुख्य वक्ता डॉ. सी कृष्णा ने बताया कि फीटल ईको एक अत्याधुनिक मेडिकल तकनीक है। इससे गर्भावस्था के दौरान ही बच्चे के हृदय की संरचना, धड़कन, ब्लॉकेज और वाल्व से जुड़ी समस्याओं की सटीक जानकारी मिल जाती है। यदि जन्म से पहले ही बीमारी का पता चल जाए, तो जन्म के तुरंत बाद इलाज की प्रभावी रणनीति तैयार की जा सकती है, जिससे नवजात शिशु की जान बचाने में बड़ी मदद मिलती है। शुभारंभ मुख्य अतिथि दून के सीएमओ डॉ. मनोज शर्मा ने किया। एसजीआरआर विवि के कुलपति डॉ. प्रथापन पिल्लई ने कहा कि इस तरह के वैज्ञानिक आयोजन चिकित्सकों का ज्ञानवर्धन कर मरीजों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाते हैं। इस दौरान आईआरआईए उत्तराखंड के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र गर्ग, आयोजन अध्यक्ष डॉ. राजीव आजाद और आयोजन सचिव डॉ. राजेन्द्र श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

## सोलानी नदी पुल से गिरी कार, पांच घायल

रुड़की। लक्सर–रुड़की मार्ग पर रविवार को बड़ा हादसा हो गया। लक्सर क्षेत्र से इकबालपुर जा रही ग्रामीणों की कार सोलानी नदी पुल पर अनियंत्रित होकर रेलिंग तोड़ते हुए कई फीट नीचे नदी में जा गिरी। हादसे में कार सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के अनुसार, कार सवार लोग लक्सर क्षेत्र के विभिन्न गांवों के निवासी हैं और इकबालपुर क्षेत्र के कुंजा बहादुरपुर में रिश्तेदारी में जा रहे थे। सोलानी नदी पुल पर पहुंचते ही चालक कार से नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद कार रेलिंग तोड़ते हुए नीचे नदी में जा गिरी। हादसे में रचना पत्नी जसवीर, निवासी मुंडाखेड़ा खुर्द, सोनी पत्नी अनिल, निवासी दाबकी महेश्वरी, कोमल पत्नी अमन, निवासी मारकपुर, श्रीकांत पुत्र सुरेश, निवासी बिजना खेड़ी थाना नकुड़ सहारनपुर (यूपी) और अनिल पुत्र राजेंद्र, निवासी दाबकी महेश्वरी घायल हुए हैं।

# धौंतरी में नहीं थम रही वाहनों की रफ्तार

उत्तरकाशी। धौंतरी बाजार में इन दिनों लगातार जाम की समस्या बनी है। केदारनाथ धाम के वैकल्पिक मार्ग पर स्थित होने के कारण यहां से बड़ी संख्या में यात्री वाहन गुजर रहे हैं। धौंतरी पहुंचते ही यात्रियों को लंबे जाम का सामना करना पड़ रहा है जिससे सफर प्रभावित हो रहा है। साथ ही स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा।

स्थानीय लोगों और व्यापारियों का कहना है कि बाजार क्षेत्र में पार्किंग की उचित व्यवस्था नहीं है। सड़क पहले से ही काफी संकरी है और तिराहे के कारण वाहनों का दबाव बढ़ते ही यातायात पूरी तरह अवरुद्ध हो जाता है। कई बार छोटे वाहन और बसें आमने–सामने फंसने से स्थिति और बिगड़ जाती है। व्यापारियों का आरोप है कि प्रशासन की ओर से अब तक स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है। उनका कहना है कि यदि जल्द पार्किंग स्थल विकसित नहीं किए गए और यातायात प्रबंधन मजबूत नहीं किया गया तो यात्रा सीजन में परेशानी और बढ़ सकती है। गाजणा जिला पंचायत सदस्य प्रियंका रावत ने कहा कि धौंतरी बाजार में लगातार बढ़ रहे यातायात दबाव से जनता और यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से जल्द प्रभावी कदम उठाने और यात्रा सीजन के दौरान अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने की मांग की।

# कृषि विज्ञान केंद्र में संतुलित उर्वरक उपयोग पर किसान गोष्ठी आयोजित

अल्मोड़ा। विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान अल्मोड़ा के कृषि विज्ञान केंद्र काफलीगैर, बागेश्वर में 8 मई को संतुलित उर्वरक जागरूकता अभियान के तहत एक दिवसीय किसान गोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य अतिथि पद्मश्री सम्मानित डॉ. एके सिंह, पूर्व निदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान पूसा नई दिल्ली एवं शोध सलाहकार समिति के अध्यक्ष ने कृषकों को संतुलित उर्वरकों के उपयोग के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि असंतुलित उर्वरक उपयोग से मृदा स्वास्थ्य प्रभावित होता है, जिसका असर पौधों, पशुओं और मानव स्वास्थ्य पर भी पड़ता है।

उन्होंने अंगीकृत ग्राम उडेरखानी के पॉलीहाउस में टमाटर और शिमला मिर्च के बेहतर उत्पादन पर खुशी जताई तथा लाभार्थियों से मशरूम उत्पादन, मुर्गी पालन और मत्स्य पालन संबंधी जानकारी भी ली। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. राज कुमार ने केंद्र की विभिन्न किसानोपयोगी गतिविधियों की जानकारी दी। शोध सलाहकार समिति के सदस्य डॉ. एके त्रिपाठी ने कृषि विज्ञान केंद्र के कार्यों के दस्तावेजीकरण की सलाह देते हुए केंद्र के कार्यों पर संतोष व्यक्त किया। संस्थान के निदेशक डॉ. लक्ष्मी कान्त ने कहा कि योजनाएं किसान केंद्रित हों और उन्हें लागू करने में समन्वय व इच्छाशक्ति मजबूत हो तो किसानों की आय में वृद्धि संभव है। उन्होंने कहा कि पर्वतीय कृषि की चुनौतियां मैदानी क्षेत्रों से अलग हैं और एकीकृत कृषि प्रणाली से किसानों की समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

# वीकेंड पर पर्यटकों से गुलजार रहा कैंपटी फॉल

उत्तरकाशी। मैदानी क्षेत्रों में गर्मी बढ़ने के साथ ही पर्यटकों का रुख पहाड़ों की ओर होने लगा है। रविवार को वीकेंड के चलते पर्यटन नगरी कैंपटी फॉल पर्यटकों से गुलजार रही। दिनभर कैंपटी फॉल में पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ी रही। देहरादून, ऋषिकेश, हरिद्वार, विकासनगर और हिमाचल प्रदेश के पांवटा साहिब सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पर्यटक कैंपटी फॉल पहुंचे। पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही से स्थानीय व्यापारियों, होटल संचालकों और होमस्टे व्यवसायियों के चेहरे भी खिले नजर आए। स्थानीय निवासी विनोद नौटियाल, खुशीराम मैथली, सुशील नौटियाल का कहना है कि जून में स्कूलों की छुट्टियां शुरू होने के बाद यहां पर्यटकों की संख्या और अधिक बढ़ सकती है। उन्होंने सरकार और प्रशासन से कैंपटी फॉल क्षेत्र में पर्यटकों की सुविधा के लिए बड़ी पार्किंग और बेहतर सुलभ शौचालय व्यवस्था विकसित करने की मांग की है।

# न्यू डिफेंस कॉलोनी में 35 वर्षीय युवक ने लगाई फांसी

देहरादून। पटेलनगर थाना क्षेत्र स्थित न्यू डिफेंस कॉलोनी बड़ोंवाला में एक 35 वर्षीय युवक ने अपने घर के कमरे में पंखे से लटककर जान दे दी। घटना के वक्त युवक घर पर अकेला था। उसके माता–पिता अपने पैतृक गांव गए हुए थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पताल भेज दिया है इंस्पेक्टर पटेलनगर विनोद गुसाईं ने बताया कि रविवार को कंट्रोल रूम से सूचना मिली। बताया कि न्यू डिफेंस कॉलोनी में एक व्यक्ति ने सुसाइड कर लिया है। सूचना पाकर आईएसबीटी चौकी जयवीर सिंह ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वहां एक युवक का शव कमरे में पंखे से फंदे के सहारे लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान गौरव भट्ट (35 वर्ष) पुत्र देवेंद्र प्रसाद भट्ट निवासी न्यू डिफेंस कॉलोनी, बड़ोंवाला के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि गौरव घर पर अकेला रह रहा था और उसके माता–पिता जनपद रुद्रप्रयाग स्थित अपने गांव गए हुए थे। पुलिस ने मौके पर फील्ड यूनिट की टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए और वीडियोग्राफी कराई। इसके बाद एंबुलेंस की मदद से शव को अस्पताल भिजवा दिया गया। इंस्पेक्टर गुसाईं ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। उनके पहुंचने पर आगे की कानून कार्रवाई होगी।

## काम दिलाने के बहाने पेंट ठेकेदार पर जानलेवा हमला

रुद्रपुर। रुद्रपुर के ग्राम मल्सी निवासी एक पेंट ठेकेदार को काम दिलाने के बहाने बुलाकर अज्ञात युवकों ने लाठी, लोहे की रॉड और पत्थरों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमलावर घायल को बेहोशी की हालत में छोड़कर फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम मल्सी निवासी सद्दाम हुसैन पुत्र अखलाक अहमद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह पेंट का काम करता है। बीती 25 अप्रैल को उसके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई, जिसमें पेंट का काम कराने की बात कही गई। शुरुआत में उसने समय नहीं होने की बात कहकर मना कर दिया, लेकिन लगातार फोन और आग्रह करने पर वह बताए गए स्थान पर मिलने पहुंच गया।

# मदर्स डे : मातृ शक्ति को शॉल ओढ़ाकर किया सम्मानित

रुद्रपुर। मदर्स डे पर सिटी क्लब में मातृ शक्ति के सम्मान में विशेष समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अनिल चौहान और पूर्व मेयर रामपाल सिंह ने पहुंचकर माताओं एवं बहनों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस मौके पर अनिल चौहान ने कहा कि मां परिवार की पहली गुरु होती है, जो बच्चों को श्रेष्ठ संस्कार देती है। उन्होंने कहा कि आज की व्यस्त जीवनशैली में भी हमें अपनी माताओं के प्रति सम्मान और प्रेम व्यक्त करने के लिए समय निकालना चाहिए। वहीं, पूर्व मेयर रामपाल सिंह ने कहा कि मां का आशीर्वाद जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। जिस घर में माताओं का सम्मान होता है, वहां सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है। समारोह के दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं को सम्मानित किया गया। सम्मान पाकर कई माताएं भावुक हो उठीं और उन्होंने इस पहल को सराहनीय बताया। संचालन ललित राठौर ने किया। इस दौरान जगदीश सिंह, प्रीति राजपूत, रेखा, अंजू चौहान, उमेश, नेहा, ज्योति, कमला पांडे और कौशल्या देवी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

## एक नजर

### अलर्ट हुआ रोडवेज, चालक व परिचालकों की छुट्टी निरस्त

जयन्त प्रतिनिधि।पौड़ीः चारधाम यात्रा चरम पर होने के साथ ही श्रीनगर रोडवेज अलर्ट मोड में आ गया है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो इसके लिए विभाग ने व्यवस्थाएं सख्त कर दी हैं। निगम प्रशासन ने चालक और परिचालकों की छुट्टियां निरस्त कर दी हैं ताकि बस संचालन प्रभावित न हो। ऋषिकेश स्थित एजीएम कार्यालय से यात्रा को लेकर विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। निर्देशों के तहत यात्रा अवधि में किसी भी चालक और परिचालक को अवकाश नहीं दिया जाएगा। केवल अत्यंत जरूरी परिस्थितियों में ही छुट्टी स्वीकृत की जाएगी। रोडवेज श्रीनगर के प्रभारी अशोक काला ने बताया कि चारधाम यात्रा को सुरक्षित और सुचारु बनाने के लिए निगम मुख्यालय और एजीएम कार्यालय से मिले निर्देशों का पूरी तरह पालन किया जा रहा है।

### गोलाणी और नौघर गांव में हुई पहली नशा मुक्त शादी

नई टिहरी। प्रतापनगर ब्लॉक के गोलाणी और नगर पंचायत लंबगांव के अंतर्गत नौघर गांव में पहली नशा मुक्ति शादी संपन्न होने पर देवभूमि नशामुक्त मोर्चा की ओर से वर और वधु पक्ष के परिजनों को सम्मानित किया गया। नौ और दस मई को ग्राम पंचायत गोलाणी निवासी बचन सिंह कलूड़ा के पुत्र प्रवेश की लंबगांव नौघर निवासी राजेश रावत की पुत्री योगिता की मेहंदी और शादी समारोह बिना शराब के संपन्न हो गई। नशामुक्त मोर्चा के संयोजक देवी सिंह पंवार ने लंबगांव में नशा मुक्ति शादी करने पर वर और वधु पक्ष के लोगों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि दोनों परिवारों ने नशा मुक्त शादी संपन्न करवाकर समाज को नशा मुक्त का संदेश दिया है। उनेंने कहा कि नगर पंचायत लंबगांव और गोलाणी गांव की यह पहली नशा मुक्त शादी है। कहा कि शादी समारोह में शराब का बढ़ता प्रचलन चिंता का विषय है। इस मौके पर लेखक अभिनव कलूड़ा, व्यापार मंडल अध्यक्ष राजीव पंवार, पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष युद्धवीर राणा, दिनेश कलूड़ा, संदीप कलूडा, चित्रा रावत, बबीता बिष्ट, उषा पंवार आदि मौजूद थे।

### निशुल्क बिजली—पानी को लेकर बांध प्रभावितों का धरना जारी

नई टिहरी। बांध प्रभावितों कार निशुल्क बिजली पानी की मांग को लेकर बौराड़ी के गणेश चौक में 72वें दिन भी धरना तथा 12वें दिन क्रमिक अनशन जारी रहा। रविवार को गीता नेगी और मालती राणा क्रमिक अनशन पर बैठी। धरने पर बैठे लोगों ने नारेबाजी कर सरकार से शीघ्र मांग के निराकरण की मांग उठाई। जन अधिकार संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष सागर भंडारी ने कहा कि टिहरी बांध से प्रदेश सरकार को मिलने वाली 12 प्रतिशत रॉयल्टी से बांध विस्थापितों को निशुल्क बिजली—पानी साथ जिले में स्वास्थ्य, शिक्षा ओर रोजगार पर खर्चा किया जाना चाहिए। बांध प्रभावितों और विस्थापितों को कोई सुविधाएं नहीं मिल पाई। इस मौके पर देवांक चमोली, उम्मेद सिंह रावत, प्रवीन भंडारी, अशरूफी देवी, बबली देवी, रामेश्वरी देवी, मीना देवी, गैणा देवी, सरोजनी देवी, शगुफ्ता प्रवीन, प्रवीण भंडारी, उम्मेद सिंह रावत, कुंवर सिंह सजवाण आदि मौजूद थे।

### सीतापुर पार्किंग में प्रति व्यक्ति 100 रुपये ही लिया जाएगा शुल्क

रुद्रप्रयाग। सीतापुर पार्किंग में अवैध वसूली के विरोध में धरना प्रदर्शन के बाद आखिरकार पार्किंग संचालक बीआईटी सॉल्यूशन ने प्रवेश द्वार पर अनुबंध के अनुसार रेट लिस्ट चस्पा कर दी है। अब अनुबंध के अनुसार प्रति व्यक्ति से 100 रुपये ही लेकर रात्रि प्रवास करवाया जाएगा। बीआईटी सॉल्यूशन के प्रबंधक भारत भूषण ने बताया कि विरोध प्रदर्शन के दौरान दो दिन तक तीर्थ यात्राओं की निशुल्क सेवा की गई है। अनुबंध के अनुसार प्रवेश द्वार पर प्रति व्यक्ति के लिए रेट लिस्ट चस्पा की गई है। उन्होंने कहा कि उनके कर्मचारियों ने यात्रियों से रात्रि प्रवास के प्रति व्यक्ति 250 रुपये लिए होंगे यह न्यायोचित नहीं है। आगे से वे खुद मॉनिटरिंग कर रहे हैं ताकि पार्किंग से कोई शिकायत ना आए। दूसरी ओर केदारधाम होटल ऑनर्स एसोसिएशन अध्यक्ष धर्मेश नौटियाल व सचिव मनोज सेमवाल ने 100 रुपये शुल्क को ही समाप्त करने की मांग की। कहा कि यात्रियों के लिए यह व्यवस्था निशुल्क की जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सोमवार तक अनुबंध में अंकित यह शर्त समाप्त नहीं की गई तो केदार घाटी के समस्त व्यापारी पार्किंग संचालक के विरुद्ध उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने कहा कि मांग का समाधान न होने पर पार्किंग में तालाबंदी भी की जाएगी। वहीं जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे ने कहा कि अनुबंध के अनुसार सीतापुर पार्किंग यथावत संचालित हो रही है। यदि अवैध वसूली का प्रकरण है तो संचालक के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई करेंगे।

### 39.86 करोड़ से बनेगी तिलवाड़ा पेयजल योजना, 30 हजार की आबाद को लाभ

रुद्रप्रयाग। नगर पंचायत क्षेत्र तिलवाड़ा के लिए पेयजल योजना के लिए 39.86 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है। इस योजना के बनने से 30 हजार लोगों को पेयजल की सुविधा मिलेगी। इसमें एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तथा दो टैंक बनाए जाएंगे। वर्ष 2019 में तिलवाड़ा पेयजल योजना की डीपीआर शासन को भेजी गई थी जिसकी स्वीकृति अब मिली है।

योजना के तहत लस्तर के पांजड़ा स्रोत से पानी को टेप किया जाएगा। योजना में क्षेत्र को दो जोन में बांटा गया है और यहां दो टैंक बनाए जाएंगे जिसमें रामपुर, तिलवाड़ा, मैठाणा, धारकोट के लिए एक टैंक बनेगा और सुमाड़ी के लिए अलग टैंक बनेगा। दोनों क्षेत्रों के लिए अलग—अलग पेयजल लाइन बनेगी। कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने तिलवाड़ा नगर पंचायत पेयजल योजना के लिए 39.86 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की है।

### अब गांवों के मिनी सचिवालय बनेंगे राष्ट्र निर्माण केंद्र

हरिद्वार(आरएनएस)। राज्य सरकार की अभिनव पहल के तहत अब ग्राम पंचायतों में बने मिनी सचिवालय केवल सरकारी कामकाज तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि ग्रामीण बच्चों के चरित्र निर्माण, नैतिक शिक्षा और राष्ट्रभक्ति के केंद्र के रूप में नई पहचान बनाएंगे। जनपद में इस महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत हो चुकी है और रविवार को रावली महदूद गांव में इसका सफल परीक्षण भी किया गया। इस अवसर पर विधायक आदेश चौहान ने बताया कि जनपद के 25 मिनी सचिवालयों में राष्ट्र निर्माण केंद्र संचालित किए जाएंगे। इन केंद्रों में कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों को नैतिक शिक्षा, राष्ट्रभक्ति, सामाजिक बुराइयों से बचाव, खेलकूद और प्रेरणादायी गतिविधियों से जोड़ा जाएगा।

# खैरासैंण को मिला उच्च शिक्षा का नया केंद्र

### महाराज ने किया सतपुली झील निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए गुणवत्ता के निर्देश

महाविद्यालय के भवन का लोकार्पण करते काबीना मंत्री सतपाल महाराज व धन सिंह रावत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज व डॉ. धन सिंह रावत ने रविवार को सतपुली के खैरासैंण में नवनिर्मित राजकीय महाविद्यालय भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर दोनों मंत्रियों ने इसे क्षेत्र में उच्च शिक्षा के नए युग की शुरुआत बताया। कहा कि अब दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं को बेहतर शिक्षा सुविधाएं अपने ही क्षेत्र में उपलब्ध होंगी।

समारोह को संबोधित करते हुए सतपाल महाराज ने कहा कि यह केवल एक भवन का उद्घाटन नहीं, बल्कि क्षेत्र के युवाओं के सपनों को नयी उड़ान देने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि वर्षों से पहाड़ के विद्यार्थियों, विशेषकर बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जिससे अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित महाविद्यालय भवन बनने से छात्र—छात्राएं अपने क्षेत्र में रहकर ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ह्नजन—जन की सरकार, जन—जन के द्वारह्न की भावना के साथ विकास कार्यों को धरातल पर उतार रही है। महाविद्यालय में अत्याधुनिक कक्षाएं, विज्ञान प्रयोगशाला, कंप्यूटर लैब और पुस्तकालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी। उन्होंने शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, विभागीय अधिकारियों एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए शिक्षकों और विद्यार्थियों से इस संस्थान को ज्ञान का केंद्र बनाने का आह्वान किया। इस दौरान डॉ. रावत ने कहा कि प्रदेश सरकार पर्वतीय क्षेत्रों में शिक्षा सुविधाओं को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को भी शहरों जैसी शिक्षा सुविधाएं उपलब्ध हों, ताकि वे प्रतियोगी दौर में पीछे न रहें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने का कार्य कर रही है। प्रदेश के महाविद्यालयों में आधुनिक कक्षाएं, विज्ञान प्रयोगशालाएं, कंप्यूटर लैब, पुस्तकालय और डिजिटल शिक्षण सुविधाएं विकसित की जा रही हैं, ताकि छात्र आधुनिक शिक्षा प्रणाली से जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों को रोजगारपरक और कौशल आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने और युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं एवं रोजगार के लिए तैयार करने का आह्वान किया। साथ ही छात्र—छात्राओं से अनुशासन, मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़कर प्रदेश और देश का नाम रोशन करने को कहा। इसके बाद कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने सतपुली झील निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सतपुली नगर पंचायत क्षेत्र में करीब 56 करोड़ रुपये की लागत से बहुप्रतीक्षित झील का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। झील निर्माण पूरा होने के बाद क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय व्यापार और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। इस अवसर पर उच्च शिक्षा निदेशक बी.आर. खाली, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. संजय सहित सचिव बृजमोहन, राकेश नैथानी, सर्वेन्द्र सिंह, पंकज डोबरियाल, गणेश रावत, अंकित ठाकुर, सुरेन्द्र बिष्ट सहित अन्य उपस्थित थे।

## उक्रांद ने फूंका प्रदेश सरकार का पुतला

कोटद्वार के झंडा चौक में प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते उक्रांद कार्यकर्ता व पदाधिकारी

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः** प्रदेश में लगातार बढ़ रहे भ्रष्टाचार सहित अन्य मुद्दों को लेकर उत्तराखंड क्रांति दल ने प्रदेश सरकार का पुतला दहन किया। कहा कि सरकार की जनविरोधी नीतियों से जनता परेशान हो चुकी है।

उत्तराखंड क्रांति दल के कार्यकर्ता झंडा चौक में एकत्र हुए व सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतले को आग के हवाले कर दिया। इसके बाद कार्यकर्त्ता जुलूस की शक्ल में नारेबाजी करते हुए तहसील परिसर में पहुंचे, जहां जुलूस सभा में तब्दील हो गया। सभा को संबोधित करते हुए दल के केंद्रीय संरक्षक डा.शक्तिशैल कपरवाण ने कहा कि प्रदेश सरकार अपराधियों, माफियाओं व भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने वाली सरकार गन गई है। कहा कि सरकार ने विकास करने के बजाय काला धन जमा किया है। कहा कि उक्रांद हमेशा अपराध, माफिया तंत्र, भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ता आ रहा है। यदि प्रदेश में उक्रांद की सरकार बनी तो दल राज्य को अपराध मुक्त, माफिया मुक्त, नशा मुक्त, भ्रष्टाचार मुक्त बनाएगा। महानगर अध्यक्ष जगदीपक रावत, रोहित डंडरियाल ने कहा कि सरकार का प्रशासनिक अधिकारियों पर कोई काबू नहीं रह गया है। नतीजा, राज्य की व्यवस्थाएं दिन—प्रतिदिन बिगड़ रही हैं। इस मौके पर महेंद्र सिंह रावत, पितृशरण जोशी, सत्यप्रकाश भारद्वाज, हरीश द्विवेदी, भारत मोहन काला, देवेंद्र रावत, कमलेश कुकरेती, गणेश रावत, उम्मेद सिंह भंडारी, प्रकाश रावत, दीपा अधिकारी आरती अधिकारी, संदीप पवार आदि मौजूद रहे।

### कैंसर से बचाव की दी जानकारी

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः** कैंसर रोग सुपर स्पेशलिस्ट चिकित्सालय गुरूग्राम की तरफ से ईसीएचएस पालीक्लीनिक सेंटर में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आमजन को कैंसर के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही कैंसर के इलाज के लिए परामर्श भी दिया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ ब्रिग्रेडियर डा.एके धार ने किया। कैंप में आए लोगों का रजिस्ट्रेशन करवाया गया। डा.एके धार ने कहा कि कैंसर का सबसे बड़ा इलाज बचाव है। पहले कैंसर के इलाज के लिए केवल पांच दवाइयां उपलब्ध थी। लेकिन, वर्तमान में पांच हजार दवाइयां उपलब्ध है। कहा कि समय पर पहचान और सही इलाज से 75 प्रतिशत कैंसर पीड़ितों के स्वास्थ्य में सकारात्मक सुधार संभव है। कहा कि पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के स्वास्थ्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता है। कहा कि ईसीएचएस एवं पूर्व सैनिक संघर्ष समिति स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने का निरंतर प्रयास करता रहेगा।

## नाबालिग के विवाह की तैयारी, सिस्टम ने की कार्रवाई

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वारः विकासखंड पोखड़ा स्थित एक गांव में नाबालिग के विवाह की तैयारी चल रही थी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची बाल संरक्षण व बाल कल्याण समिति की टीम ने जानकारी जुटाते हुए विवाह को रूकवाया। टीम ने बालिका को सुरक्षित पुनर्वास केंद्र भेजा। जिला परिवीक्षा अधिकारी/ जिला बाल संरक्षण अधिकारी अरविंद कुमार ने बताया कि एक दिन पूर्व ही चाइल्ड हेल्पलाइन में सूचना मिली कि पोखड़ा के एक गांव में नाबालिग बालिका की शादी की तैयारी चल रही है। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष राकेश चंद्रा बिडालिया के निर्देश पर पुलिस व प्रशासन की टीम मौके पर भेजी गई। सत्यापन के दौरान नाबालिग बालिका का विवाह प्रस्तावित होना पाया गया। जिसके बाद टीम ने स्वजनों को बाल विवाह कानून के बारे में जानकारी दी। कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए टीम ने बालिका को आवश्यक संरक्षण एवं देखरेख हेतु बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। साथ ही बालिका को सुरक्षित पुनर्वास केंद्र भेजा गया। जहां उसे परामर्श एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। जिला परिवीक्षा अधिकारी ने बताया कि हाल ही में जनपद में बाल विवाह रोकथाम एवं जन—जागरूकता अभियान चलाया गया था। उन्होंने कहा कि जागरूक नागरिकों द्वारा समय पर सूचना देने के कारण यह कार्रवाई संभव हो सकी और एक बालिका का भविष्य सुरक्षित किया जा सका। उन्होंने आमजन से अपील की कि यदि कहीं भी बाल विवाह जैसी गतिविधि की जानकारी मिले तो तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 अथवा संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को सूचित करें।

## जंगल में फेंके जा रहे कूड़े पर जताई नाराजगी

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वारः सेवानिवृत्त वन अधिकारी एवं कर्मचारी कल्याण समिति की बैठक में वनों में फेंके जा रहे प्लास्टिक कचरे के निस्तारण न किए जाने पर चिंता जताई गई।

पनियाली स्थित वन विभाग के अरण्य सभागार में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान में वनों में प्लास्टिक कचरे की भरमार दिखाई देती। पर्यटन के नाम पर बाहर से लोग बड़ी संख्या में पहाड़ों की ओर रूख करते हैं।

कई लोग जंगल में बैठ प्लास्टिक के सामान में खाने पीने की चीजों का इस्तेमाल कर उसे निस्तारण करने की बजाय उसे जंगल में फेंक देते हैं, जो कि पर्यावरण के लिए हानिकारक है। वन विभाग की तरफ से प्लास्टिक कचरे के निस्तारण के लिए कोई सार्थक प्रयास नहीं किया जा रहा है। बैठक में वन विभाग से सेवानिवृत्त अधिकारियों व कर्मचारियों को वन विभाग के विश्राम गृहों में सपरिवार निश्शुल्क ठहरने की सुविधा दिए जाने की मांग की गई। कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को मकान बनाने लिए निश्शुल्क इमारती लकड़ी की व्यवस्था सुनिश्चित करवाए जाए। बैठक में चिकित्सा प्रतिपूर्ति के बिलों का भुगतान को लेकर भी चर्चा करते हुए लंबित मामलों को शीघ्र ही समिति को अवगत करवाए जाने का आग्रह किया। इस मौके पर ऋषि राम पैन्यूली, आरपी पंत, अनिल कुकरेती, सुरेश मधवाल, गणेश डोभाल, नवीन जोशी, कुंदन सिंह, वीरेंद्र सिंह, हरीश चंद्र भट्ट मौजूद रहे।

## लैंसडौन में राज्यपाल ने बढ़ाया सैनिकों का मनोबल

लैंसडौन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सैनिकों को संबोधित करते राज्यपाल

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः** राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) का गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर लैंसडौन का दो दिवसीय दौरा संपन्न हो गया। भ्रमण का मुख्य उद्देश्य सैन्य परंपराओं का अवलोकन करना, सैनिकों का मनोबल बढ़ाना और कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करना रहा।

राज्यपाल ने अपने दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन युद्ध स्मारक पर पुष्प—चक्र अर्पित कर वीर बलिदानियों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। राज्यपाल ने कहा कि वीरों की इस कर्मभूमि पर आकर वे गर्वित हैं। गढ़वाल राइफल्स का स्वर्णिम इतिहास रहा है। उन्होंने ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी, अन्य अधिकारियों व सैनिकों के साथ संवाद किया। वूमेंस कैफे एवं भुल्ली सशक्तीकरण केंद्र का भ्रमण किया और महिला सशक्तीकरण की दिशा में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।सेना के अधिकारियों द्वारा राज्यपाल को राय हट में सैन्य स्टेशन के ऐतिहासिक और सामरिक महत्व की जानकारी दी गई। राज्यपाल ने यहां सिविल प्रशासन के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ संवाद भी किया। उन्होंने रेजिमेंट की उत्कृष्ट कार्यक्षमता और उच्चस्तरीय अनुशासन की प्रशंसा की। दो दिवसीय दौरे के दौरान राज्यपाल ने छात्रों के साथ संवाद कर उनकी अभिरुचि जानी और उन्हें उसी के अनुसार आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों से भी बातचीत की। उनके साथ फोटो सेशन भी किया, साथ ही रेजिमेंट के लोगों से बातचीत कर उनमें ऊर्जा व उत्साह का संचार किया।

## बिना पैथोलॉजिस्ट चल रही थी दो लैब, सीएमओ ने शुरू की कार्रवाई

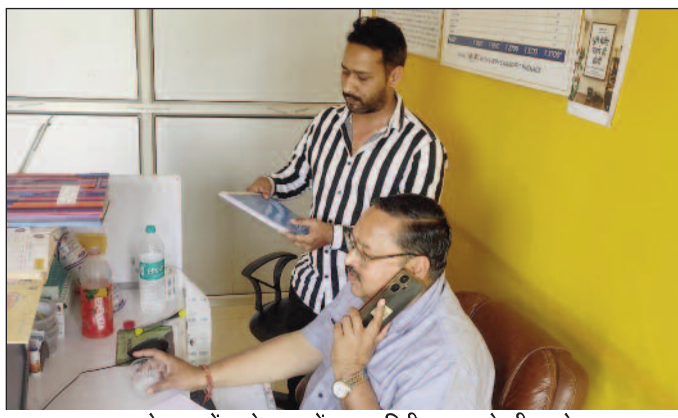
कोटद्वार में कलेक्शन सेंटर का निरीक्षण करते सीएमओ

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः** सीएमओ शिव मोहन शुक्ला ने रविवार को कोटद्वार में पैथोलॉजी लैबों और कलेक्शन सेंटरों का औचक निरीक्षण किया। यह कार्रवाई देवी रोड स्थित एक लैब की रिपोर्ट पर उठे सवालों के बाद की गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में आरोप लगाया गया था कि बिना सैंपल लिए ही जांच रिपोर्ट तैयार कर दी गई। शिकायत मिलने पर सीएमओ ने मामले का संज्ञान लिया।

निरीक्षण के दौरान दो ऐसी लैब सामने आईं, जहां पैथोलॉजिस्ट की तैनाती तक नहीं थी। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए सीएमओ ने संबंधित लैब संचालकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके अलावा भाबर क्षेत्र सहित विभिन्न कलेक्शन सेंटरों की भी जांच की गई। जांच में व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलीं, हालांकि सीएमओ ने संचालकों को व्यवस्थाएं और बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

### वरिष्ठ नागरिकों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था भागीरथी कला संगम की मासिक बैठक कल्याणेश्वर मंदिर में हुई। बैठक में संस्था के वरिष्ठ सदस्यों और वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया गया। सम्मानित किए गए वरिष्ठजनों में रमेश चंद्र थपलियाल, दीनबंधु चौहान, हरिप्रसाद उनियाल, भगत सिंह बिष्ट, पदमेंद्र सिंह रावत, रघुवीर सिंह रावत, राजेंद्र रावत, प्रनोद नौटियाल और यमुना प्रसाद काला प्रमुख रहे। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि संस्था लगातार सामाजिक, सांस्कृतिक और स्वच्छता संबंधी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रही है। संस्था के निदेशक मदन गड़ोई ने कहा कि सफाई अभियान के साथ—साथ संस्था के बैनर तले बन रही गढ़वाली फिल्म बैमी शंख का विमोचन मई के अंतिम सप्ताह में किया जाएगा। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र बर्थवाल आदि मौजूद रहे।

## यात्रा मार्ग पर शोपीस बना वाटर एटीएम, यात्री परेशान

नई टिहरी। चारधाम यात्रा शुरू होने के बाद गंगोत्री और यमुनोत्री धाम जाने वाले यात्रियों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है लेकिन यात्रा मार्ग पर मूलभूत सुविधाओं की स्थिति अब भी सवालों के घेरे में है। चंबा—धरासू हाईवे पर कंडीसौड़ चौराहे के समीप लाखों रुपये की लागत से लगाया गया वाटर एटीएम लंबे समय से खराब पड़ा है। इससे यात्रियों और स्थानीय लोगों को ठंडा पेयजल नहीं मिल पा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित कंडीसौड़ चारधाम यात्रा का प्रमुख पड़ाव है। यहां प्रतिदिन सैकड़ों वाहन रुकते हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए दो साल पहले यहां चौराहे पर 500 लीटर क्षमता का वाटर फिल्टर एटीएम लगाया गया था लेकिन लंबे समय से इसका कूलिंग सिस्टम खराब पड़ा है।

चारधाम यात्रा शुरू हुए लगभग 20 दिन होने वाला है लेकिन जल संस्थान एटीएम को दुरुस्त नहीं करा पाया है। ऐसे में यात्रियों को गर्मी के बीच ठंडे पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। व्यापारी शोभन सिंह कुमाई, विजय सिंह रौतेला, रामदयाल उनियाल, केशर सिंह राणा का कहना है कि यात्रा सीजन में कंडीसौड़ से होकर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के लिए गुजरते हैं।

## किसानों को मिलेगा अब अपना डिजिटल पहचान पत्र

नई टिहरी। केंद्र सरकार के डिजिटल कृषि मिशन के तहत अब किसानों को अपनी भूमि का किसान पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। भविष्य में किसान सम्मान निधि समेत कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए यह पंजीकरण जरूरी माना जाएगा। आधार कार्ड की तर्ज पर अब किसानों को भी सरकार की ओर से एक डिजिटल पहचान किसान आईडी दी जाएगी। मुख्य कृषि अधिकारी विजय देवराड़ी ने बताया कि भूमि संबंधी अभिलेखों को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक किसान और काश्तकार का डिजिटल पंजीकरण किया जा रहा है। इसके तहत किसानों को अपनी भूमि का किसान पंजीकरण कराना होगा। उन्होंने बताया कि पंजीकरण के लिए ब्लॉक और न्याय पंचायत स्तर पर शिविर लगाए जाएंगे। इसके अलावा किसान जन सेवा केंद्र के माध्यम से या स्वयं मोबाइल फोन से भी पंजीकरण कर सकते हैं। इसके लिए किसानों को सरकार के पोर्टल ४'त्रष्ठ.त्रष्ठ२३ू'.त्रद्ध५.ल्ल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। पंजीकरण के लिए भूमि की खतौनी, आधार कार्ड और मोबाइल नंबर आवश्यक होगा। मुख्य कृषि अधिकारी ने बताया कि किसान सम्मान निधि, कृषि यंत्रों पर अनुदान और कृषि विभाग की अन्य योजनाओं का लाभ लेने के लिए यह पंजीकरण अनिवार्य किया जा रहा है। इसके अलावा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसल खरीद और कृषि उत्पादों की बिक्री प्रक्रिया भी सरल हो सकेगी।

### ब्लॉक कार्यालय मार्ग पर खड़े कर रहे निजी वाहन

रुद्रप्रयाग। नगर पंचायत क्षेत्र में स्थित ब्लॉक कार्यालय जाने वाली सड़क पर यातायात नियमों की अनदेखी से जनता को परेशानी को रही है।

सड़क किनारे निजी वाहन खड़े किए जा रहे हैं जिससे यहां आवाजाही बाधित हो रही है। साथ ही दुर्घटनाओं का खतरा भी बना हुआ है। खंड विकास अधिकारी सुरेश शाह ने बताया कि अधिकारियों के आवागमन से लेकर आम नागरिकों के कार्य तक इस अव्यवस्था से प्रभावित हो रहे हैं। ब्लॉक प्रमुख भुवनेश्वरी देवी ने कहा कि स्कूल की छुट्टी के समय यह मार्ग सबसे अधिक जोखिमपूर्ण हो जाता है जबकि नजदीक ही निशुल्क पार्किंग है। मगर लोग वहां वाहन खड़ा नहीं कर रहे हैं। जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से इस मार्ग को नो—पार्किंग जोन घोषित कर यहां निगरानी सुनिश्चित करने की मांग की।

## पानी को तरस रहे ग्रामीण, दी आंदोलन की चेतावनी

**जयन्त प्रतिनिधि।**

पौड़ीः विकासखंड खिर्सू क्षेत्र के गांवों के लिए बनी ढिकवालगांव पंपिंग योजना से करीब दो सप्ताह से पेयजल आपूर्ति चरमराई हुई है जिससे क्षेत्र के कई गांवों में गंभीर पेयजल संकट हो गया है। गर्मी के बीच ग्रामीणों को स्रोत से पीने का पानी ढोकर लाना पड़ रहा है। हालांकि विभाग योजना पर काम चलने की बात कह रहा है लेकिन धरातल पर स्थिति नहीं बदली। ग्रामीणों ने चेतावनी दी यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो जनता आंदोलन के लिए बाध्य होगी। ढिकवालगांव पंपिंग योजना ठप होने से बुघाणी, देवलगढ़, जलेथा, बलोड़ी, सरणा, सुमाड़ी, ढिकवालगांव, धरीगांव, खालू, चमरोड़ा, भेसकोट और उज्ज्वलपुर समेत खिर्सू क्षेत्र के कई गांवों में पानी की आपूर्ति प्रभावित हो गई है। कई गांवों में लोगों को दिनभर पानी का इंतजार करना पड़ रहा है जबकि कई जगहों पर नलों से एक बूंद पानी तक नहीं टपका है। बुघाणी के पूर्व प्रधान प्रमोद उनियाल दुर्गेश कुमार फौजी, गबर सिंह भण्डारी, ताजबर कुमार आदि ने जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी श्रीनगर तथा जल निगम एवं जल संस्थान के उच्चाधिकारियों से योजना से शीघ्र आपूर्ति सुचारु करने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि विभागीय अधिकारी तकनीकी खराबी का हवाला देकर लगातार मरम्मत कार्य किए जाने की बात कह रहे हैं लेकिन जमीनी स्तर पर समस्या जस की तस है। विभाग की ओर से कोई वैकल्पिक व्यवस्था तक नहीं की गई। जल संस्थान श्रीनगर के सहायक अभियंता अर्पित मित्तल ने कहा कि योजना में तकनीकी फॉल्ट आने से 5—7 दिन से यह दिक्कत बनी हुई है। समस्या के समाधान के लिए विभाग की पूरी टीम जुटी हुई है।

## संपादकीय

# दो पीढ़ियों का टकराव

पारिवारिक परिवेश में रिश्तो की डोर और आपसी समन्वय अब कहीं टूटा हुआ नजर आने लगा है। घर में बहू या दामाद के आने को यूं तो एक नए जीवन की शुरुआत के तौर पर देखा जाता है लेकिन अक्सर अत्यधिक अपेक्षाएं और नियम कानून थोपना परिवार की एकता और उसकी टिके रहने पर सवाल खड़े कर देता है। पानीपत से एक ऐसा मामला प्रकाश में आया है जिसे संयुक्त परिवारों के अस्तित्व और परंपराओं को बनाए रखने की संभावनाओं को विराम लगा दिया है। यहां घर में बहू के आने के बाद उसका पहनावा उसके साथ ससुर को पसंद नहीं था और उनका टोकन बहू को। आखिरकार पारिवारिक क्लेश बढ़ता ही चला गया और जब हालात नहीं सोच रहे तो बहू के पहनावे से तंग आकर सास ससुर ने ही अपना जीवन जहर खाकर समाप्त कर लिया। दिल्ली की रहने वाली बहू मॉडर्न परिवार से थी और गांव के माहौल में ढलना नहीं चाहती थी. सास–ससुर को उसके छोटे कपड़ों से परेशानी थी। उसके पहनावे और रहन–सहन को लेकर अक्सर घर में विवाद हो रहा था। सास ससुर पुराने ख्यालों के या यह कहें की सादगी और शालीनता के पक्षधर थे और चाहते थे कि बहू सूट और साड़ी पहने, लेकिन बहु को यह पाबंदी मंजूर नहीं थी। मुद्दा और विवाद इतना बड़ा भी नहीं था कि घर की चारदीवारी में ही इसे सुलझाया ना जा सके, लेकिन जब दो पीडिया के बीच विचारों का टकराव पैदा होता है तो परिस्थितियों फिर संभले नहीं संभलती। बहू भी यह सब कुछ सेंड करने को तैयार नहीं थी और बात अभद्रता और मारपीट तक जा पहुंची। बेटे को बहू के पक्ष में देखकर माता–पिता अंदर ही अंदर टूट गए और आखिरकार उन्होंने रोज–रोज की कला और अपमान से परेशान होकर अपने जीवन का अंत कर लिया। यह घटना है आज के आधुनिक परिवेश में घरों की चारदीवारी का सत्य। ऐसा नहीं है कि सभी घरों में दो पीढ़ियों के बीच यह विवाद पनप रहा है लेकिन कहते हैं जैसी परवरिश होगी वही भविष्य की दिशा भी तय करेगा। हिंदुस्तान का परिवेश और परंपरा पश्चिमी सभ्यता से मेल नहीं खाती और खास तौर पर हमारे बुजुर्ग घर की बहू से शालीनता और सभ्यता की उम्मीद तो रख ही सकते हैं। अक्सर यही हस्तक्षेप नई पीढ़ियों को पसंद नहीं है। वे लोग समझदार हैं जो इस कलह और पीढ़ी के अंतर को समझते हुए समय पर अलग हो जाते हैं ताकि घर का कोई बुजुर्ग इस तरह अपमानित होने के बजाय सुख चैन से अपनी जिंदगी गुजर बसर कर सके। यह भी एक सत्य है कि आज की युवा पीढ़ी जिसे सोच की आजादी समझ रही है कल उम्र के आखिरी पड़ाव में आकर उन्हें भी यह सब अभद्र और परंपराओं के विपरीत लगने लगेगा।

## चिंतन-मनन

### वर्तमान में जिएं

मुनि ने सेठ की पुत्रवधू से पूछा, श्वसुरजी कहां हैं? उसने कहा, जूते की दुकान पर गए हैं। श्वसुर उस समय आराधना-कक्ष में आराधना कर रहा था। उसने सुना, वह तत्काल आया और बोला, महाराज! मेरी पुत्रवधू ने असत्य कहा है। मैं आराधना कर रहा था। इसने जानते हुए भी असत्य कहा है। मुनि ने सेठ से कुछेक प्रश्न पूछे। पूछते-पूछते एक प्रश्न के उत्तर में सेठ ने कहा, धर्म की आराधना तो चल रही थी, किन्तु एक बात मन में चक्कर लगा रही थी कि आराधना पूरी होते ही मैं दुकान पर जाकर जूते खरीदूंगा। जूते फट गए हैं, अच्छा नहीं लगता। कब आराधना पूरी हो और कब मैं जूते वाले के यहां जाऊं। इसी विचार से आराधना पूरी कर अब बाहर आया हूं। मुनि बोले, सेठजी! तुम्हारी पुत्रवधू ने सत्य ही तो कहा था। तुम्हारा शरीर आराधना-कक्ष में था, पर चित्त जूते की दुकान के चक्कर लगा रहा था। बिना चित्त के आराधना कैसी? प्रत्येक आदमी की आज यही दशा है। उसका चित्त किसी और दिशा में जा रहा है और शरीर किसी भिन्न दिशा में है। हमारा शरीर स्नायविक क्रिया के आधार पर काम करता है। कोई व्यक्ति जब पहले दिन सीढियों पर चढ़ता है, तब सावधानी से पैर रखता है। दस-बीस बार उन सीढियों पर चढ़ चुकने के बाद पैर अभ्यस्त हो जाते हैं। इसी प्रकार हमारे शारीरिक स्नायुओं को अभ्यास हो जाता है, फिर काम के साथ चित्त को जोड़ना नहीं पड़ता। काम यंत्रवत पूरा हो जाता है। हमें पता ही नहीं चलता। एक सफल सूत्र है-वर्तमान में जीना।

# संवैधानिक संस्थानों पर गहराता संदेह और बदलता सियासी मिजाज

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय लोकतंत्र आज एक दोराहे पर है, जहां चुनाव के नतीजों से ज्यादा चर्चा चुनावी प्रक्रिया और संवैधानिक मर्यादाओं की हो रही है। देश की राजनीति में हाल के दिनों में जो कुछ घटा है–चाहे वह पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और राज्यपाल के बीच का अभूतपूर्व टकराव हो, या फिर विपक्षी नेताओं का जेल जाना - इन सबने आम जनता के मन में कई गंभीर सवाल पैदा कर दिए हैं। क्या हमारी लोकतांत्रिक संस्थाएं वास्तव में स्वतंत्र हैं? या फिर सत्ता की बिसात पर मोहरे अब संस्थानों की गरिमा से बड़े हो गए हैं?

सबसे पहले बात करते हैं पश्चिम बंगाल की। वहां संवैधानिक संकट जिस मोड़ पर पहुंचा है, वह भारतीय संसदीय इतिहास के लिए एक चिंताजनक अध्याय है। ममता बैनर्जी ने चुनाव हारने के बाद साफ कह दिया कि हम हारे नहीं है, बल्कि चुनाव आयोग ने हमें हराया है, मैं इस्तीफा नहीं दूंगी, राज्यपाल चाहें तो मुझे सस्पेंड कर दें, मैं चुनावी प्रक्रिया में धांधली के मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट जाऊँगी या फिर अंतरराष्ट्रीय कोर्ट जाऊँगी यह पहली बार हुआ है जब किसी मुख्यमंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया तो राज्यपाल ने सरकार बरखास्त कर दी, राज्यपाल ने बरखास्त कर दिया ये तो होना ही था, लेकिन इस तरह न नाटकीय घटनाओं से लोकतंत्र कमजोर होता है, उसमे सत्ता - विपक्ष दोनों को गहराई से सोचना चाहिए कि आम नागरिको में क्या संदेश जाएगा।

क्या लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं सक्रिय राजनीति का अखाड़ा बन गईं हैं? यह सवाल आज हर जागरूक नागरिक पूछ रहा है। वहीं दूसरी ओर, देश में ईवीएम और वोट चोरी को लेकर उठ रहे स्वर थमने का नाम नहीं ले रहे। हालांकि चुनाव आयोग बार-बार इसकी शुचिता का दावा करता है, लेकिन जब विपक्षी दल और नागरिक समाज के एक बड़े हिस्से में अविश्वास पैदा हो जाए, तो वह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है।

भाजपा की एकतरफा जीत को लेकर भी समाज में दो फाड़ है, समर्थकों के लिए यह विकास की जीत है, तो विरोधियों के लिए यह संसाधनों और संस्थानों के दुरुपयोग का परिणाम। यह कहना भी हास्यापद होगा कि देश में राम राज्य आ गया है, क्योंकि महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव जैसे जमीनी मुद्दे आज भी जस के तस बने हुए हैं।

राजनीति की नैतिकता पर सबसे बड़ा प्रहार दलबदल ने किया है। क्षेत्रीय दलों के कद्दावर नेताओं का रातों-रात पाला बदलकर भाजपा के साथ जुड़ना, अब विचारधारा की राजनीति नहीं बल्कि अवसरवाद की राजनीति का प्रतीक बन गया है। जब जनता किसी व्यक्ति को एक खास विचारधारा के लिए चुनती है और वह नेता व्यक्तिगत लाभ या दबाव में दूसरी तरफ चला जाता है, तो यह सीधे तौर पर जनमत का अपमान है। आयाराम-गयाराम की यह संस्कृति लोकतांत्रिक शुचिता पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगाती है। इन सबके बीच, न्यायपालिका की साख पर भी उंगली उठने लगी है। हाल ही में अरविंद केजरीवाल द्वारा अदालत में यह कहना कि - मुझे आप पर विश्वास नहीं है कि आप न्याय करेंगी, केजरीवाल का दावा था कि जज आरएसएस से जुड़ी संस्था अधिवक्ता परिषद के कार्यक्रमों में कई बार शामिल हुई हैं, जो एक विशेष विचारधारा को दशार्ता है। यह एक बेहद डराने वाली स्थिति की ओर इशारा करता है। जब देश के बड़े नेता और आम आदमी अदालतों की निष्पक्षता पर संदेह करने लगें, तो समझ लीजिए कि लोकतंत्र का अंतिम स्तंभ भी डगमगा रहा है। न्याय का केवल होना ही काफी नहीं है, बल्कि उसका दिखना भी जरूरी है।

आज की राजनीति में स्वतंत्र संस्थानों की विश्वसनीयता सबसे बड़े संकट से गुजर रही है। चुनाव आयोग, जांच एजेंसियां और यहां तक कि राजभवन - सभी की निष्पक्षता आज सवालों के घेरे में है। लोकतंत्र केवल वोट डालने और सरकार बनाने का नाम नहीं है; यह विश्वास और मयार्दाओं का खेल है। अगर जनता का भरोसा इन संस्थाओं से टूट गया, तो फिर हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने का गौरव कैसे बनाए रखेंगे? वक्त आ गया है कि सत्ता और विपक्ष, दोनों आत्ममंथन करें। राजनीति में जीत-हार चलती रहती है, लेकिन जीत की भूख में अगर हम लोकतंत्र की नींव ही खोद देंगे, तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। संस्थानों को अपनी रीढ़ मजबूत करनी होगी और नेताओं को अपनी नैतिकता। क्योंकि बिना विश्वास के, लोकतंत्र केवल एक खोखला ढांचा बनकर रह जाएगा।

(लेखक पत्रकार हैं)

# महिला आरक्षण पर राजनीतिक दलों का दोहरा चरित्र

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक यह है कि जिस देश में महिलाओं को 'शक्ति', 'मातृशक्ति' और 'आधी दुनिया' कहकर सम्मानित किया जाता है, वहीं राजनीति में उन्हें समान भागीदारी देने के प्रश्न पर लगभग सभी राजनीतिक दलों की नीयत संदिग्ध दिखाई देती है। संसद से लेकर चुनावी मंचों तक महिला आरक्षण के समर्थन में बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जब उम्मीदवारों को टिकट देने का समय आता है, तब अधिकांश दल महिलाओं को हाशिये पर धकेल देते हैं। हालिया विधानसभा चुनावों ने इस विरोधाभास को एक बार फिर उजागर कर दिया है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों में राजनीतिक दलों द्वारा महिलाओं को दिए गए टिकटों का आंकड़ा यह बताने के लिए पर्याप्त है कि महिला प्रतिनिधित्व को लेकर दलों की कथनी और करनी में कितना बड़ा अंतर है। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर संसद में जोरदार राजनीतिक संघर्ष देखने को मिला, लेकिन उन्हीं दलों ने चुनावी मैदान में महिलाओं को पर्याप्त अवसर देने में उत्साह नहीं दिखाया। यह केवल राजनीतिक रणनीति नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता का भी प्रश्न है।

सबसे अधिक चर्चा पश्चिम बंगाल चुनाव की रही। भारतीय जनता पार्टी ने 294 सीटों में से केवल लगभग 33 महिलाओं को टिकट दिए, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने 291 सीटों पर करीब 52 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया। यह संख्या कुल टिकटों का लगभग दस प्रतिशत ही बैठती है। तमिलनाडु में भी स्थिति बहुत अलग नहीं रही। सत्ता परिवर्तन के दावे करने वाले दलों ने महिलाओं को सीमित अवसर दिए। असम और केरल जैसे राज्यों में भी राजनीतिक दलों ने महिलाओं को प्रतीकात्मक उपस्थिति से आगे नहीं बढ़ने दिया। परिणाम यह हुआ कि कुल निर्वाचित प्रतिनिधियों में महिलाओं की संख्या अत्यंत कम रही। यह स्थिति तब है, जब देश की लगभग आधी आबादी महिलाएं हैं। दरअसल भारतीय राजनीति लंबे समय से पुरुष प्रधान मानसिकता से संचालित होती रही है। राजनीतिक दल महिलाओं को अक्सर 'सुरक्षित' या 'कमजोर' उम्मीदवार मानते हैं। उन्हें यह भय रहता है कि महिला प्रत्याशी चुनावी संघर्ष, धनबल, बाहुबल और जातीय समीकरणों के बीच प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाएंगी। यही कारण है कि अधिकांश दल महिलाओं को उन्हीं सीटों पर टिकट देते हैं जहां उनकी जीत की संभावना कम होती है या जहां केवल प्रतीकात्मक उपस्थिति दर्ज करानी होती है।

विडंबना यह भी है कि जो राजनीतिक दल संसद में महिला आरक्षण के पक्ष में जोरदार भाषण देते हैं, वे अपने संगठनात्मक ढांचे में भी महिलाओं को निर्णायक स्थान देने से बचते हैं। अधिकांश राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के शीर्ष नेतृत्व पर पुरुषों का वर्चस्व है। महिलाओं को प्रायः महिला मोर्चा, सांस्कृतिक कार्यक्रम या सामाजिक अभियानों तक सीमित कर दिया जाता है। निर्णय लेने वाली समितियों और रणनीतिक पदों पर उनकी भागीदारी बेहद कम दिखाई देती है। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने विशेष सत्र बुलाकर राजनीतिक संदेश देने का प्रयास किया था। विपक्ष पर महिलाओं के हितों की अनदेखी का आरोप लगाया गया। लेकिन सवाल यह है कि यदि वास्तव में महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण को लेकर गंभीर इच्छाशक्ति होती, तो बिना किसी संवैधानिक बाध्यता के भी दल अपने स्तर पर अधिक महिलाओं को टिकट दे सकते थे। आखिर किसने रोका था कि भाजपा, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक या अन्य दल कम से कम 33 प्रतिशत महिलाओं को उम्मीदवार बनाते? स्पष्ट है कि महिला आरक्षण का मुद्दा कई बार वास्तविक सामाजिक प्रतिबद्धता से अधिक राजनीतिक लाभ का माध्यम बन जाता है।

हालांकि यह भी स्वीकार करना होगा कि राजनीति में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील और मानवीय बना सकती है। विश्व के अनेक देशों के अनुभव बताते हैं कि जहां महिलाओं की राजनीतिक उपस्थिति बढ़ी है, वहां शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, जल संरक्षण, बाल सुरक्षा और सामाजिक कल्याण जैसे विषयों को अधिक प्राथमिकता मिली है। भारत में पंचायत स्तर पर महिला आरक्षण के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। अनेक महिला सरपंचों और जनप्रतिनिधियों ने गांवों में शिक्षा, स्वच्छता और महिला सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे लोकतंत्र अधिक समावेशी बनता है। महिलाओं की उपस्थिति केवल संख्या का प्रश्न नहीं, बल्कि दृष्टिकोण का भी प्रश्न है। महिलाएं समाज के उन अनुभवों और समस्याओं को सामने लाती हैं, जिन्हें पुरुष प्रधान राजनीति अक्सर नजरअंदाज कर देती है। घरेलू हिंसा, मातृत्व स्वास्थ्य, कार्यस्थल सुरक्षा, बालिका शिक्षा और लैंगिक समानता जैसे मुद्दों को मजबूती तभी मिलती है, जब निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी हो।

लेकिन दूसरी ओर कुछ चुनौतियां भी हैं, जिनकी चर्चा आवश्यक है। कई बार राजनीतिक दल केवल औपचारिकता निभाने के लिए महिलाओं को टिकट देते हैं। ऐसे मामलों में वास्तविक सत्ता उनके परिवार के पुरुष सदस्यों के हाथ में रहती है। पंचायतों में 'सरपंच पति' जैसी प्रवृत्तियां इसका उदाहरण हैं। राजनीति में वंशवाद और परिवारवाद के कारण भी कई योग्य महिलाएं अवसर से वंचित रह जाती हैं, जबकि राजनीतिक परिवारों से जुड़ी महिलाओं को अपेक्षाकृत आसान प्रवेश मिल जाता है। इसलिए केवल आरक्षण पर्याप्त नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रशिक्षण, आत्मनिर्भरता और स्वतंत्र नेतृत्व क्षमता का विकास भी आवश्यक है। एक अन्य चुनौती चुनावी राजनीति का बढ़ता अपराधीकरण और अत्यधिक खर्च है। भारतीय राजनीति में चुनाव लड़ना अत्यंत महंगा और संघर्षपूर्ण हो गया है। धनबल और बाहुबल की संस्कृति महिलाओं की भागीदारी को सीमित करती है। सामाजिक रूढ़ियां भी बड़ी बाधा हैं। आज भी अनेक परिवार राजनीति को महिलाओं के लिए 'उपयुक्त क्षेत्र' नहीं मानते। देर रात की राजनीतिक गतिविधियां, सार्वजनिक आलोचना और चरित्र हनन की आशंकाएं भी महिलाओं को राजनीति से दूर करती हैं।

सवाल यह भी है कि क्या केवल आरक्षण से समस्या हल हो जाएगी? संभवतः नहीं। आरक्षण एक आवश्यक शुरूआत हो सकता है, लेकिन इसके साथ सामाजिक सोच में परिवर्तन भी जरूरी है। राजनीतिक दलों को अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को निर्णायक भूमिका देनी होगी। उन्हें केवल चुनावी पोस्टर या प्रचार अभियान तक सीमित रखने की प्रवृत्ति बदलनी होगी। राजनीतिक प्रशिक्षण शिविर, आर्थिक सहयोग और सुरक्षित राजनीतिक वातावरण तैयार करना भी आवश्यक है। आज आवश्यकता इस बात की है कि महिला प्रतिनिधित्व को दया, उपकार या राजनीतिक मजबूरी के रूप में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकार

के रूप में देखा जाए। जब तक राजनीतिक दल स्वेच्छा से महिलाओं को पर्याप्त अवसर नहीं देंगे, तब तक लोकतंत्र का संतुलन अधूरा रहेगा। यह भी सच है कि महिलाओं को भी अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग और संगठित होना होगा। राजनीतिक चेतना और नेतृत्व क्षमता के विकास के बिना केवल संवैधानिक प्रावधान अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएंगे।

भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ना केवल महिलाओं का प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता का प्रश्न है। यदि आधी आबादी निर्णय प्रक्रिया से बाहर रहेगी, तो लोकतंत्र भी आधा-अधूरा ही रहेगा। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि महिला सशक्तीकरण केवल भाषणों और घोषणाओं से नहीं आएगा, बल्कि वास्तविक प्रतिनिधित्व और समान अवसरों से आएगा। कथनी और करनी के इस अंतर को समाप्त किए बिना महिला आरक्षण का सपना अधूरा ही रहेगा। निश्चय ही हालिया विधानसभा चुनावों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राजनीतिक दलों की महिला हितैषी राजनीति अभी भी बड़े पैमाने पर प्रतीकात्मक है। जब तक महिलाओं को टिकट वितरण, संगठनात्मक नेतृत्व और नीति निर्माण में न्यायसंगत भागीदारी नहीं मिलेगी, तब तक 'आधी दुनिया' लोकतंत्र के हाशिये पर ही खड़ी दिखाई देगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# तामिलनाडु के द्रविड़ राजनीति में विजय का उदय

राज कुमार सिन्हा

**तमिलनाडु की राजनीति में फिल्मी लोकप्रियता महत्वपूर्ण है, लेकिन केवल स्टारडम से सत्ता नहीं मिलती।एम.जी. रामचंद्रन और जे. जयललिता सफल हुए क्योंकि उन्होंने मजबूत संगठन और जनकल्याणकारी राजनीति भी विकसित की थी। नई पार्टियों पर अक्सर आरोप लगता है कि वे केवल एक व्यक्ति के इर्द-गिर्द बनी हैं। यदि टीवीके अलग-अलग चेहरों को आगे करती है, तो वह खुद को 'संगठन आधारित पार्टी' के रूप में पेश कर सकती है। तमिलनाडु की राजनीति में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन बेहद महत्वपूर्ण है।यदि विजय किसी विशेष समुदाय से जुड़े माने जाते हैं, तो पार्टी दूसरे समुदाय और धर्म के चेहरे को आगे कर व्यापक सामाजिक गठबंधन बनाना चाहिए।**

वर्तमान तमिलनाडु की राजनीति में ऐतिहासिक बदलाव आया है। दशकों से चले आ रहे द्रविड़ राजनीति के दो पार्टियां द्रविड़ मुनेत्र कड्गम (डीएमके) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड्गम (एआईएडीएमके) के वर्चस्व को पीछे छोड्ते हुए अभिनेता से नेता बने जोसेफ विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कड्गम (टीवीके) ने 234 सदस्यीय विधानसभा में 107 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में अपनी जगह बनाई है। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर ने तमिलगा वेट्री कड्गम (टीवीके) पार्टी के अध्यक्ष जोसेफ विजय द्वारा सरकार बनाने के दावे को खारिज कर दिया था।जबकि टीवीके के संस्थापक जोसेफ विजय राज्यपाल अर्लेकर से दो बार मुलाकात कर सरकार बनाने का निमंत्रण देने का अनुरोध किया था। जोसेफ विजय को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने में राज्यपाल की देरी को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दायर की गई।यह सर्वविदित है कि संविधान द्वारा शासित संसदीय लोकतंत्र में, किसी राजनीतिक दल या गठबंधन को बहुमत प्राप्त है या नहीं, यह प्रश्न केवल सदन के पटल पर ही निर्धारित किया जा सकता है। दूसरी ओर डीएमके और एआईएडीएमके के बीच वार्ता और एडप्पाडी पलानीस्वामी के नेतृत्व में सरकार बनाने के प्रयासों की खबरें भी आई जो जनादेश के विरुद्ध था। तमिलनाडु में अंदरखाने राष्ट्रपति शासन लगाने की चर्चा होने लगा था। तमिलनाडु में विजय की सरकार को कांग्रेस, लेफ्ट और वीसीके ने अपना समर्थन दिया है। आईयूएमएल ने भी टीवीके को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की है।तामिलनाडु में सरकार गठन के लिए 118 विधायकों का समर्थन चाहिए था जो अब 121 विधायकों का समर्थन मिल गया है। इसके बाद टीवीके की सरकार बनने का रास्ता साफ हो गया है। इस चुनाव में विजय ने दो विधानसभा सीटों से जीत हासिल की है। हालांकि मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनी लेकिन उसके बाद भी सरकार बनाने को लेकर जोसेफ विजय को काफी दिक्कतें आई हैं। हालांकि, मुश्किलों को हल करने में राहुल गांधी की भूमिका काफी अहम रही है। तमिलनाडु में टीवीके चीफ विजय रविवार को राज्य के 9 वें मुख्यमंत्री पद की शपथ लिया है।इनके साथ नौ लोगों ने मंत्री पद का शपथ लिया है।जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके का उदय तमिलनाडु की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। यह केवल एक फिल्म अभिनेता

के राजनीति में आने की घटना नहीं है, बल्कि राज्य की बदलती सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों, युवाओं की अपेक्षाओं और द्रविड़ राजनीति के भीतर उभरते खाली स्थान का परिणाम भी है। विजय तमिल सिनेमा के सबसे लोकप्रिय सितारों में से हैं। उनकी फिल्मों में अक्सर सामाजिक न्याय, भ्रष्टाचार विरोध और युवा शक्ति जैसे मुद्दे दिखाए जाते रहे हैं। उनका प्रशंसक नेटवर्क वर्षों से संगठित रूप में काम कर रहा था, जो अब राजनीतिक ढांचे में बदला गया है।टीवीके ने अभी तक खुद को पूरी तरह किसी एक वैचारिक ध्रुव से नहीं जोड़ा है।वे द्रविड़ पहचान, सामाजिक न्याय और तमिल अस्मिता को बनाए रखते हुए 'सर्वसमावेशी' छवि बनाना चाहते हैं।वे युवाओं को रोजगार, पारदर्शी व्यवस्था और सुशासन पर जोर देकर नई पीढ़ी को द्रविड़ राजनीति में जोड़ा है। इस बार के चुनाव में एआईएडीएमके का वोट शेयर लगभग 12 प्रतिशत तक गिरा है। इस बार सिर्फ पार्टी तीसरे नंबर पर पहुंच गई है, बल्कि वह मुख्य विपक्षी दल का दर्जा भी गंवा बैठी है।

डीएमके और एआईएडीएमके दोनों पार्टियां पेरियार और अन्नादुरई के सिद्धांतों जैसे सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता, हिंदी विरोध को मानती है।1967 से तमिलनाडु में केवल इन दो पार्टियों ने ही सरकारें बनाई हैं, जो बारी-बारी से सत्ता में आती रही हैं। दोनों ही पार्टियों का फिल्मी जगत से गहरा संबंध रहा है, जहां नेता अक्सर पटकथा लेखक या अभिनेता रहे हैं।डीएमके का उदय 1949 में हुआ था।सी.एन. अन्नादुरई ने पेरियार के कुछ विचारों से असहमति के बाद डीएमके बनाई, जो चुनावी राजनीति में उतरी। दक्षिण के बडे अभिनेता एम.जी. रामचंद्रन ने करुणानिधि से विवाद के बाद डीएमके से अलग होकर 1972 में एआईएडीएमके बनाई।बाद में जयललिता ने इस पार्टी की कमान संभाली थी। जयललिता भी दक्षिण की मशहूर अभिनेत्री थी। तमिलनाडु की द्रविड़ राजनीति का इतिहास 1916 में जस्टिस पार्टी की स्थापना से शुरू होकर आज की डीएमके और एआईएडीएमके के बीच वैचारिक और सत्ता संघर्ष का 110 साल पुराना सफर है।जस्टिस पार्टी की शुरूआत गैर-ब्राह्मण आंदोलन से हुई, जो प्रशासन और शिक्षा में ब्राह्मण वर्चस्व के खिलाफ था।बाद में जस्टिस पार्टी को पेरियार ई.वी. रामासामी ने द्रविड़ कड़गम में बदला, जिसका उद्देश्य स्वतंत्र द्रविड़ नाडु और सामाजिक सुधार था।तमिलनाडु की राजनीति देश के बाकी राज्यों से काफी अलग मानी जाती है। ऐसा इसलिए कि यहां जाति, भाषा, धर्म, क्षेत्रीय पहचान और सामाजिक न्याय की राजनीति ने एक ऐसी विचारधारा को जन्म दिया जिसे द्रविड़ राजनीति कहा जाता है। राज्य की दो सबसे बड़ी पार्टियां डीएमके और एआईएडीएमके एक ही द्रविड़ आंदोलन से निकली है, दोनों की विचारधारा लगभग समान है, लेकिन राजनीतिक रूप से दोनों दशकों से कट्टर प्रतिद्वंद्वी बनी हुई है और पिछले पांच दशक से ज्यादा समय से तमिल राजनीति पर कब्जा किया हुआ है। 1967 का विधानसभा चुनाव तमिलनाडु की राजनीति का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ, जहां डीएमके ने कांग्रेस को हराकर सत्ता हासिल कर ली और सी. एन. अन्नादुरई मुख्यमंत्री बने। यह पहली बार था जब किसी क्षेत्रीय दल ने राज्य में कांग्रेस को सत्ता से बाहर किया था। इसके बाद तमिलनाडु की राजनीति लगभग पूरी तरह द्रविड़ दलों के नियंत्रण में आ गई। अन्नादुरई की मृत्यु के बाद एम. करुणानिधि डीएमके के सबसे बड़े नेता बनकर उभरे।1969 में सी.एन. अन्नादुरई के निधन के बाद, कलाइग्नार एम. करुणानिधि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने और पांच बार इस पद पर आसीन हुए। उन्होंने 2016 तक हुए सभी 13 विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करके एक रिकॉर्ड बनाया। 2018 में, उनके बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण, डीएमके की आम सभा की बैठक हुई और एम.के. स्टालिन को डीएमके को अध्यक्ष चुना गया था।1980 और 1990 के दशक में तमिलनाडु की राजनीति पूरी तरह करुणानिधि बनाम जयललिता में बदल गई। दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक संघर्ष बेहद तीखा था। विधानसभा से लेकर सड़कों तक टकराव दिखाई देता था।

तमिलनाडु की राजनीति में फिल्मी लोकप्रियता महत्वपूर्ण है, लेकिन केवल स्टारडम से सत्ता नहीं मिलती।एम.जी. रामचंद्रन और जे. जयललिता सफल हुए क्योंकि उन्होंने मजबूत संगठन और जनकल्याणकारी राजनीति भी विकसित की थी। नई पार्टियों पर अक्सर आरोप लगता है कि वे केवल एक व्यक्ति के इर्द-गिर्द बनी हैं। यदि टीवीके अलग-अलग चेहरों को आगे करती है, तो वह खुद को 'संगठन आधारित पार्टी' के रूप में पेश कर सकती है। तमिलनाडु की राजनीति में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन बेहद महत्वपूर्ण है।यदि विजय किसी विशेष समुदाय से जुड़े माने जाते हैं, तो पार्टी दूसरे समुदाय और धर्म के चेहरे को आगे कर व्यापक सामाजिक गठबंधन बनाना चाहिए। विजय की लोकप्रियता और उसकी दीर्घकालिक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह पार्टी को मजबूत संगठन, स्पष्ट नीतियां और विश्वसनीय राजनीतिक नेतृत्व कितना विकसित कर पाते हैं।

(बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

## एक नजर

### जन्म के शुरुआती कुछ घंटे नवजात के लिए अत्यंत संवेदनशील

श्रीनगर गढ़वाल। राष्ट्रीय नवजात शिशु विज्ञान मंच की पहल पर रविवार को श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में राष्ट्रीय नवजात शिशु देखभाल दिवस के अवसर पर बुनियादी नवजात शिशु देखभाल प्रशिक्षण आयोजित हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य नवजात शिशुओं की मृत्युदर कम करना और जन्म के तुरंत बाद मिलने वाली चिकित्सा सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाना रहा। बेस अस्पताल स्थित स्किल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आशुतोष सयाना के नेतृत्व में हुआ। प्रशिक्षण में बाल रोग विभागाध्यक्ष एवं एनएनएफ के नेशनल ट्रेनर डॉ. सीएम शर्मा ने कहा कि नवजात शिशु के जन्म के बाद का पहला मिनट बेहद महत्वपूर्ण होता है। यदि जन्म के तुरंत बाद शिशु सांस नहीं ले रहा हो या रो नहीं रहा हो तो सही समय पर उचित उपचार देकर उसकी जान बचाई जा सकती है। शुरुआती कुछ घंटे नवजात शिशुओं के लिए अत्यंत संवेदनशील होते हैं। इस प्रकार के कार्यक्रमों से नवजात शिशु मृत्युदर कम करने में काफी मदद मिलेगी। इस अवसर पर डॉ. अजय आनंद गोस्वामी समेत अजूनियर रेजिडेंट डॉक्टर एवं नर्सिंग अधिकारी मौजूद रहे।

### भागीरथी कला संगम ने किया वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान

श्रीनगर गढ़वाल। सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था भागीरथी कला संगम की मासिक बैठक कल्याणेश्वर मंदिर में हुई। बैठक में संस्था के वरिष्ठ सदस्यों और वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया गया। सम्मानित किए गए वरिष्ठजनों में रमेश चंद्र थपलियाल, दीनबंधु चौहान, हरिप्रसाद उनियाल, भगत सिंह बिष्ट, पदमेंद्र सिंह रावत, रघुवीर सिंह रावत, राजेंद्र रावत, प्रनोद नौटियाल और यमुना प्रसाद काला प्रमुख रहे। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि संस्था लगातार सामाजिक, सांस्कृतिक और स्वच्छता संबंधी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रही है। संस्था के निदेशक मदन गड़ोई ने कहा कि सफाई अभियान के साथ-साथ संस्था के बैनर तले बन रही गढ़वाली फिल्म बैमी शंख का विमोचन मई के अंतिम सप्ताह में किया जाएगा।

### सैनिक विश्राम गृह संचालित करने की मांग

श्रीनगर गढ़वाल। नगर में स्थित कल्याणेश्वर धर्मशाला में गौरव सेनानी संगठन की बैठक हुई। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों और पूर्व सैनिकों ने श्रीनगर के सैनिक विश्राम गृह के पिछले एक वर्ष से बंद पड़े होने पर रोष जताया। उन्होंने कहा कि सैनिक विश्राम गृह बंद होने के कारण ड्यूटी पर आने वाले जवानों और पूर्व सैनिकों को ठहरने के लिए मजबूरी में निजी होटलों का सहारा लेना पड़ रहा है। संगठन ने प्रशासन से जल्द सैनिक विश्राम गृह को संचालित करने की मांग उठाई। बैठक की अध्यक्षता मथुरा प्रसाद सिलौड़ी ने की। बैठक में अरुण बहुगुणा, प्रेम सिंह रावत, प्रताप भंडारी, सुनील काला, हरि प्रसाद उनियाल, मुन्ना लाल और मातवर सिंह धनाई आदि मौजूद रहे।

### लकड़ी और डीजल की भट्टियों पर बनेगा लंगर

श्रीनगर गढ़वाल। 23 मई को हेमकुंड साहिब के कपाट खुलने हैं। इसके लिए 20 मई को ऋषिकेश से पहला जत्था शाम को श्रीनगर पहुंचेगा और 21 मई की सुबह गोविंदघाट के लिए रवाना होगा। हेमकुंड यात्रा के दौरान श्रीनगर गुरुद्वारा श्रद्धालुओं का केंद्र बन जाता है। मगर इस यात्रा सीजन में गैस सिलिंडरों की कमी ने गुरुद्वारा प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है। ऐसे में गुरुद्वारे में अब लकड़ी और डीजल भट्टियों का सहारा लिया जा रहा है। श्रीनगर गुरुद्वारा कमेटी के प्रबंधक हरविंदर सिंह लक्की ने बताया कि यात्रा के लिए गुरुद्वारे में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सामान्य दिनों में गुरुद्वारे को हर महीने करीब 70 गैस सिलिंडर मिलते हैं लेकिन इस बार इंडियन गैस एजेंसी से केवल 10 से 12 सिलिंडर ही मिले हैं। ऐसे में लंगर की व्यवस्था बनाए रखना बड़ी चुनौती है। लक्की ने बताया कि यात्रा सीजन में गुरुद्वारे में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 800 से अधिक पहुंच जाती है जबकि जून और जुलाई में प्रतिदिन करीब 900 से 1000 यात्री श्रीनगर में रात्रि विश्राम करते हैं।

### एसएसपी ने महिला पुलिस कर्मियों और बच्चों संग मनाया मातृ दिवस

नई टिहरी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे की पहल पर पुलिस कार्यालय में महिला पुलिस कर्मियों और उनके बच्चों के साथ मातृ दिवस मनाया गया। एसएसपी ने महिला पुलिसकर्मियों से संवाद करते हुए कहा कि वे पुलिस सेवा के साथ पारिवारिक दायित्वों का भी बेहतर ढंग से निर्वहन कर रही हैं। एक मां और पुलिस कर्मी की दोहरी भूमिका निभाना साहस, धैर्य और संतुलन का प्रतीक है। महिला पुलिस कर्मियों ने ड्यूटी के साथ परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियों को निभाने के अपने अनुभव साझा किए। एसएसपी ने महिला कर्मियों को मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखने, परिवार और कार्य के बीच संतुलन बनाए रखने एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

### इंस्पायर प्रतियोगिता में चयनित होने पर दिव्या भारती सम्मानित

गैरसैंण। जीआईसी लाटूगैर की कक्षा 11 की छात्रा दिव्या भारती को राष्ट्रीय स्तर की इंस्पायर प्रतियोगिता में चयनित होने पर सम्मानित किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी विनोद सिंह मटूड़ा ने छात्रा को विभिन्न प्रतियोगी पुस्तकें प्रदान कर उन्हें पुरस्कृत किया। प्रधानाचार्य प्रेम सिंह गुसाईं ने बताया कि का दिव्या भारती मल्टी परपज रिंगाल की कंडी के मॉडल की प्रदेश स्तरीय इंस्सपायर प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होकर विद्यालय और जनपद का मान बढ़ाया है।

### रसोई गैस संकट पर विधायक हुए खफा, डीएम को भेजा पत्र

उत्तरकाशी। टिहरी विधानसभा क्षेत्र में रसोई गैस की कमी होने पर विधायक किशोर उपाध्याय ने कड़ी नाराजगी जताई है। गैस की किल्लत होने पर विधायक ने जिला प्रशासन को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। डीएम को पत्र भेजकर उन्होंने गैस डीलरों और संबंधित अधिकारियों की बैठक आयोजित करने को कहा है। पत्र में कहा है कि टिहरी विधानसभा क्षेत्र में रसोई गैस समय पर उपलब्ध नहीं होने से आम जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गैस आपूर्ति व्यवस्था को लेकर लोगों में लगातार नाराजगी बढ़ रही है। जबकि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में रसोई गैस सिलिंडरों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने डीएम से 13 मई शाम चार बजे गैस डीलरों और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित करने को कहा है। गैस वितरण व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

# गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करें राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण का कार्यः डीएम

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वारः जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने ८लैंसडाउन एवं जयहरीखाल क्षेत्र का व्यापक स्थलीय निरीक्षण कर विभिन्न विभागीय व्यवस्थाओं, निर्माणाधीन परियोजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता, सुरक्षा, स्वच्छता एवं समयबद्ध कार्य निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तथा आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से संचालित करने तथा जनसुविधाओं को प्राथमिकता देने पर विशेष जोर दिया। सबसे पहले जिलाधिकारी ने लैंसडाउन तहसील का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने राजस्व लेखाकार अनुभाग, कानून अनुभाग, पेयजल व्यवस्था, शौचालयों की स्वच्छता, सूचना पटल, अभिलेखों, रजिस्टरों एवं मॉडर्न रिकॉर्ड रूम का अवलोकन किया।

उन्होंने कार्यालय में साइनेज लगाते हुए परिसर में स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी, तहसीलदार तथा नायब तहसीलदार न्यायालयों का निरीक्षण कर न्यायिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने पीआरडी एवं होमगार्ड स्वयंसेवकों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। उन्होंने तहसील कर्मचारियों के आवास निर्माण हेतु प्रस्ताव भेजने के निर्देश भी दिए। उन्होंने उपस्थिति पंजिका एवं आपदा कार्यों से संबंधित पत्रावलियों का भी अवलोकन किया। साथ ही उन्होंने सांख्यिकी अधिकारी से एग्री स्टॉक की प्रगति की जानकारी भी ली। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने भवन परिसर में साफ-सफाई, पेंटिंग, पौधरोपण एवं डेकोरेटिव लाइट्स के माध्यम से सौंदर्यीकरण कार्य एक माह के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने इसके ऐतिहासिक महत्व को संरक्षित एवं प्रदर्शित करने के उद्देश्य से सूचना पट्ट स्थापित करने तथा इसे सुव्यवस्थित बनाए जाने पर विशेष बल दिया। जिलाधिकारी ने जयहरीखाल विकासखंड अंतर्गत 10 हजार लीटर क्षमता वाले सकमुंडा पेयजल टैंक का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी क्षेत्रों में निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा पंपिंग व्यवस्था बाधित होने की स्थिति में भी वैकल्पिक व्यवस्था तैयार रखी जाए, ताकि आमजन को पेयजल संकट का सामना न करना पड़े। उन्होंने सभी पेयजल स्थलों पर साइन बोर्ड लगाने के निर्देश दिए तथा जिला योजना से निर्मित पेयजल योजनाओं का उपजिलाधिकारी स्तर से नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने पेयजल आपूर्ति प्रक्रिया का अवलोकन करते हुए जल निगम अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत सुझावों के आधार पर विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने स्यालगांव स्थित भक्तदर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जयहरीखाल का भी निरीक्षण किया। इस दौरान महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. एल.आर. राजवंशी ने छात्र-छात्राओं के लिए परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की मांग रखी, जिस पर जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग से समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान महाविद्यालय परिसर में सुरक्षा दीवार, तारबाड़ एवं सीसीटीवी कैमरों जैसी सुरक्षा व्यवस्थाओं पर भी विस्तार से चर्चा की गयी। जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण करते हुए कार्यदायी संस्था मंडी परिषद को निर्देश दिए कि भवन निर्माण कार्य 30 जून तक हर हाल में पूर्ण किया जाए। साथ ही रिटेनिंग वॉल निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए।

जिलाधिकारी ने पीजी ब्लॉक के क्लासरूम एवं लैब हेतु प्रस्तावित भवन की भूमि का निरीक्षण किया तथा उन्होंने कार्यस्थल पर कोई कार्य होता हुआ नहीं पाया, जिस पर नाराजगी जताते हुए कल तक सभी मजदूरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही जिलाधिकारी ने पुस्तकालय भवन एवं सभागार हॉल का अवलोकन कर व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में आधारभूत सुविधाओं का सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सके। इसके बाद जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन गुमखालझसतपुली राष्ट्रीय राजमार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, यातायात प्रबंधन एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। सड़क किनारे मलबा पड़े रहने पर उन्होंने

गुमखाल-सतपुली के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग का निरीक्षण करती डीएम

कड़ी नाराज़गी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि रोस्टर के अनुसार प्रत्येक समय कनिष्ठ अभियंता कार्यस्थल पर उपस्थित रहें तथा निर्माण कार्य कहीं भी अधूरा न छोड़ा जाए। उन्होंने ट्रैफिक मैनेजमेंट व्यवस्था को प्रभावी बनाने, जेसीबी ऑपरेटरों को आवश्यक स्थानों पर तैनात रखने, पर्याप्त लाइट व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा एक समय में सीमित स्थानों पर ही कार्य कर यातायात को 10 मिनट से अधिक बाधित न करने के निर्देश दिए। धूल नियंत्रण हेतु नियमित पानी का छिड़काव सुनिश्चित करने तथा ब्लैक टॉप कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि बरसात से पूर्व सड़क निर्माण कार्यों में तेजी लायी जाय। उन्होंने 5 जून तक 6 किलोमीटर ब्लैक टॉप कार्य पूर्ण करने तथा कटिंग कार्य रात्रिकाल में भी जारी रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्य अव्यवस्थित ढंग से एक साथ कई स्थानों पर संचालित न किए जाएं, बल्कि चरणबद्ध एवं सुनियोजित तरीके से कराए जाएं, ताकि यात्रियों को न्यूनतम असुविधा हो। निरीक्षण के दौरान उन्होंने श्रमिकों के रहने, खानपान एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए सभी श्रमिकों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही पहाड़ी ढाल की ओर रिटेनिंग वॉल का निर्माण तकनीकी मानकों के अनुरूप कराने तथा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने पक्की नालियों एवं डंपिंग जोन की स्थिति की भी जानकारी ली। इस दौरान कनिष्ठ अभियंताओं ने बताया कि आगामी एक सप्ताह के भीतर मार्ग की सफाई एवं व्यवस्थाओं में स्पष्ट सुधार दिखाई देने लगेगा। जिलाधिकारी ने प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देश दिए कि आगामी 15 दिनों के भीतर कार्य प्रगति की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी शालिनी मौर्य, अधिशासी अभियंता लोनिवि विवेक कुमार, जल निगम अजय बेलवाल, प्रभारी तहसीलदार विद्यानंद सेमवाल, नाजिर मनोज रावत, राजस्व उपनिरीक्षक अशोक चंद्र जोशी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बिजेंद्र भंडारी सहित राजस्व विभाग, एवं पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग धुमाकोट प्रभाग के सहायक अभियंता खुशवंत शर्मा एवं प्रोजेक्ट मैनेजर पवनेश व्यास भी मौके पर मौजूद रहे।

## चंपावत प्रकरण पर भाजपा महिला मोर्चा का कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन

रुद्रप्रयाग। चंपावत प्रकरण को लेकर भाजपा महिला मोर्चा ने जिला मुख्यालय रुद्रप्रयाग में कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन किया। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष भारत भूषण भट्ट, केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सुमन जमलोकी मौजूद रहे। विधायक ने कांग्रेस पर जनता को गुमराह करने और भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बिना किसी जांच और ठोस तथ्यों के भाजपा कार्यकर्ताओं और पार्टी की छवि खराब करने का प्रयास कर रही है। वहीं केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने कहा कि भाजपा हमेशा लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक व्यवस्थाओं और जनता की भावनाओं का सम्मान करती आई है जबकि कांग्रेस के कुछ नेता तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर प्रदेश की जनता को भ्रमित करने का काम कर रहे हैं। भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास जनता के बीच जाने के लिए कोई सकारात्मक मुद्दा नहीं बचा है। इसलिए वह आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति कर रही है। इस दौरान जिला महामंत्री अरुण चमोली, महिला मोर्चा जिला महामंत्री सुषमा देवी, जिला उपाध्यक्ष रोशनी रोथान, जिला मंत्री बबीता नेगी, मंजू धीरवान, कंचन देवी, पार्वती गोस्वामी, शालिनी और अनीता आदि मौजूद रहीं। वहीं कर्णप्रयाग में भी भाजपा महिला मोर्चा ने चंपावत मामले को लेकर प्रदर्शन किया। भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष पवित्रा बिष्ट के नेतृत्व में मुख्य बाजार में कांग्रेस का पुतला फूंका गया। कहा कि चंपावत मामला संवेदनशील है जिस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। इस मौके पर नगर अध्यक्ष मधु रावत, पूर्व पालिका अध्यक्ष दमयंती रतूड़ी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष आशा डिमरी, महिला मोर्चा उपाध्यक्ष सरोजनी भंडारी, जिलासू मंडल अध्यक्ष काजल भंडारी, भाजपा महिला मोर्चा सरोज हटवाल, नगर मंडल महामंत्री कांता रावत आदि मौजूद रहे।

### घर-घर जाकर पैसा मांगने वालों से रहें सतर्क

श्रीनगर गढ़वाल। शहर में इन दिनों धर्म के नाम पर घर-घर जाकर पैसा मांगने वाले लोगों की गतिविधियों से स्थानीय लोग परेशान हैं। इस संबंध में पार्षद शुभम प्रभाकर ने लोगों से सतर्क रहने और बिना सत्यापन किसी को भी आर्थिक सहायता न देने की अपील की है।

पार्षद ने बताया कि कुछ लोग खुद को राजस्थान से आया हुआ बताकर शहर के विभिन्न वार्डों में घूम रहे हैं और लोगों से रकम की मांग कर रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई कि यह एक संगठित गिरोह भी हो सकता है। इसमें कई महिलाएं बच्चों समेत शामिल हैं। ऐसे में नागरिकों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता है। वहीं कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विनय कुमार ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद संबंधित महिलाओं को सख्त हिदायत देकर भेज दिया गया है। उन्होंने किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल नजदीकी थाने या पुलिस को देने की अपील की।

## केदारनाथ हाईवे पर पत्थर गिरने से दो घंटे लगा जाम

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ हाईवे पर रविवार को जवाहर नगर और पेट्रोल पंप के बीच अचानक पहाड़ी से पत्थर गिरने से यातायात बंद हो गया। ऐसे में यहां दो घंटे तक जाम लगा रहा। इस दौरान एंबुलेंस समेत कई वाहन जाम में फंसे रहे जिससे यात्रियों और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलने पर प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी की मदद से पत्थरों को हटाया और कड़ी मशक्कत के बाद मार्ग खोल गया और वाहन गंतव्य के लिए रवाना हुए। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक गुमान सिंह बताया कि पत्थर गिरने से कोई जनहानि नहीं हुई है।

### विश्वनाथ मंदिर मार्ग पर लग रहा जाम

गुप्तकाशी। गुप्तकाशी स्थित विश्वनाथ मंदिर में भी दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है जिससे मंदिर मार्ग पर यातायात दबाव बढ़ गया है। मार्ग संकरा होने के कारण यहां बार-बार जाम की स्थिति बन रही है। यात्री मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग से छोटे वाहनों से मंदिर तक पहुंच रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता सुरेंद्र दत्त नौटियाल ने बताया कि मंदिर मार्ग ही स्वास्थ्य केंद्र और कई विद्यालयों का रास्ता है। पिछली यात्रा व्यवस्था बैठक में इस मार्ग को वन-वे किए जाने का सुझाव दिया गया था। वहीं थाना प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि यात्राकाल के लिए मार्ग वन-वे किया गया है। इंटर कॉलेज की ओर से प्रवेश और मधुवन चौक की ओर से निकासी की व्यवस्था बनाई गई है। यदि इसका पालन नहीं हो रहा है तो सख्ती बरती जाएगी।

## खिर्सू में जल संकट : 12 से अधिक गांव, 14 दिन और पानी की एक बूंद नहीं

श्रीनगर गढ़वाल। विकासखंड खिर्सू क्षेत्र के गांवों के लिए बनी ढिकवालगांव पंपिंग योजना से करीब दो सप्ताह से पेयजल आपूर्ति चरमराई हुई है जिससे क्षेत्र के कई गांवों में गंभीर पेयजल संकट हो गया है। गर्मी के बीच ग्रामीणों को स्रोत से पीने का पानी ढोकर लाना पड़ रहा है। हालांकि विभाग योजना पर काम चलने की बात कह रहा है लेकिन धरातल पर स्थिति नहीं बदली। ग्रामीणों ने चेतावनी दी यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो जनता आंदोलन के लिए बाध्य होगी। ढिकवालगांव पंपिंग योजना ठप होने से बुघाणी, देवलगढ़, जलेथा, बलोड़ी, सरणा, सुमाड़ी, ढिकवालगांव, धरीगांव, खालू, चमरोड़ा, भेसकोट और उज्ज्वलपुर समेत खिर्सू क्षेत्र के कई गांवों में पानी की आपूर्ति प्रभावित हो गई है। कई गांवों में लोगों को दिनभर पानी का इंतजार करना पड़ रहा है जबकि कई जगहों पर नलों से एक बूंद पानी तक नहीं टपका है। बुघाणी के पूर्व प्रधान प्रमोद उनियाल दुर्गेश कुमार फौजी, गबर सिंह भण्डारी, ताजबर कुमार आदि ने जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी श्रीनगर तथा जल निगम एवं जल संस्थान के उच्चाधिकारियों से योजना से शीघ्र आपूर्ति सुचारु करने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि विभागीय अधिकारी तकनीकी खराबी का हवाला देकर लगातार मरम्मत कार्य किए जाने की बात कह रहे हैं ।

### हुंकार रैली में हर कर्मचारी व शिक्षक से शामिल होने का आह्वान

चमोली। पुरानी पेंशन बहाली की मांग के लिए 24 मई को कर्णप्रयाग में हुंकार महारैली का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली मोर्चा ने इसमें सभी कर्मचारी व शिक्षकों से शामिल होने का आह्वान किया। पदाधिकारियों ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव तक जिला से लेकर प्रदेश स्तर तक लगातार कार्यक्रम करने होंगे तभी उनकी मांग पर सरकार का ध्यान आकर्षित होगा। गोपेश्वर में रविवार को मोर्चा की चमोली शाखा की बैठक हुई। इसमें सभी विभागों के घटक संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए। मोर्चा के प्रांतीय उपाध्यक्ष पूरण सिंह फरस्वाण ने कहा कि इस हुंकार महारैली को सफल बनाने के लिए हर विभाग तक संपर्क करना होगा। जिलाध्यक्ष सतीश कुमार ने कहा कि नई पेंशन योजना कर्मचारियों के साथ खिलवाड़ है।

## मलबा आने से साढ़े तीन घंटे बंद रहा ज्योतिर्मठ-मलारी हाईवे

चमोली। ज्योतिर्मठ-मलारी हाईवे रविवार को ढाक के पास मलबा आने से बंद हो गया। इस दौरान हाईवे के दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। करीब साढ़े तीन घंटे की मशक्कत के बाद बीआरओ ने हाईवे खोला तो फंसे लोगों ने राहत की सांस ली और वह गंतव्य के लिए रवाना हुए। मलारी हाईवे पर चौड़ीकरण का कार्य किया जा रहा है। रविवार दोपहर करीब एक बजे चौड़ीकरण कार्य के दौरान ज्योतिर्मठ से करीब 10 किमी आगे ढाक के पास पापड़ी धार में मलबा हाईवे पर आ गया। इससे हाईवे पर वाहनों की आवाजाही ठप हो गई। हाईवे बंद होने से ढाक, तपोवन, रिंगी, सुभाई, लाता, रैणी सहित तपोवन से आगे नीती घाटी तक कई गांवों का संपर्क कट गया। हाईवे के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। हाईवे बंद होने पर बीआरओ की जेसीबी मार्ग खोलने में जुट गई। करीब साढ़े तीन घंटे की मशक्कत के बाद हाईवे सुचारु कर दिया गया। वहीं जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी ने बताया कि हाईवे बंद होने पर संबंधित एजेंसी व प्रशासन की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मलबा हटाया। हाईवे को वाहनों के लिए सुचारु कर दिया गया है।

## गंगा में पसरी गंदगी ने खोली स्वच्छता अभियान की पोल

हरिद्वार। धर्मनगरी में गंगा स्वच्छता को लेकर प्रशासन भले ही लगातार अभियान चलाने और बड़े-बड़े दावे करने में जुटा हो, लेकिन कनखल क्षेत्र स्थित बैरागी कैंप घाट की बदहाल तस्वीरें इन दावों की हकीकत बयां कर रही हैं। गंगा तट पर फैली गंदगी, टूटे कांवड़ों का मलबा और रेलिंगों में उलझे पुराने कपड़े प्रशासनिक लापरवाही की कहानी कह रहे हैं। बैरागी कैंप घाट के आसपास गंगा की धारा में जगह-जगह टूटे हुए कांवड़ों के हिस्से बहकर किनारों पर जमा हो गए हैं। वहीं घाट की रेलिंगों में कई पुराने कपड़े लंबे समय से फंसे हुए दिखाई दे रहे हैं। यह नजारा न केवल गंगा की पवित्रता को आहत कर रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई दिनों से घाट पर यही स्थिति बनी हुई है, लेकिन जिम्मेदार विभागों ने अब तक सफाई को लेकर कोई गंभीर कदम नहीं उठाया। श्रद्धालुओं का कहना है कि जिस गंगा को आस्था और जीवन का प्रतीक माना जाता है, उसी के घाटों पर इस तरह की गंदगी बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। गौरतलब है कि गंगा की स्वच्छता और संरक्षण के लिए जिला प्रशासन द्वारा गंगा संरक्षण समिति का गठन किया गया है, जिसकी कमान स्वयं जिलाधिकारी के हाथों में है।

## घर से लापता हुई नाबालिग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

हरिद्वार। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में नाबालिग किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि नाबालिग दो दिनों से लापता चल रही थी। शनिवार रात को परिजनों ने उसे खोज लिया। पूछताछ के लिए उसे कोतवाली बुलाया गया और फिर परिजनों के साथ घर भेज दिया। शनिवार देर रात घर पर संदिग्ध परिस्थितियों में नाबालिग की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा है। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने कार्रवाई की बजाय किशोरी के साथ मारपीट की, जिससे उसकी तबियत बिगड़ गई। वहीं, रविवार को अस्पताल में परिजनों ने हंगामा कर दिया और पुलिस पर लापरवाही बरतने के आरोप लगाया है। संदिग्ध हालत में मौत के मामले में कांग्रेस कार्यकर्ता जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने भी परिजनों से मिलकर पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए। ज्ञात हो कि दो दिन पूर्व ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र से एक नाबालिग लड़की घर से शाम को ट्यूशन के लिए बोलकर निकली थी। देर शाम तक घर वापस नहीं आने पर परिजनों ने पुलिस को सूचित किया। बाद में परिजनों ने लड़की को ढूंढकर पुलिस को सूचित किया गया।

**जयन्त**

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा 28, न्यू डिफेंस एन्क्लेव, डांडा नूरीवाला, सहस्रधारा रोड़, देहरादून उत्तराखण्ड से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जिला मुख्यालय देहरादून, उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. UTTHIN/2005/16338

## संक्षिप्त समाचार

### ब्रिटेन : स्थानीय चुनाव हारने की प्रधानमंत्री स्टार्मर ने ली जिम्मेदारी

**लंदन, एजेंसी।** ब्रिटेन में स्थानीय परिषदों और स्कॉटलैंड-वेल्स की संसदों के लिए गुरुवार को हुए चुनावों के नतीजे शुक्रवार को आना शुरू हुए। इनमें पीएम कीर स्टार्मर की लेबर पार्टी हारी है और आप्रवासन विरोधी रिफॉर्म यूके जीती है। अब पीएम पर इस्तीफे का दबाव बढ़ गया है। पीएम स्टार्मर ने ?लेबर पार्टी की हार की जिम्मेदारी लेते हुए कहा, इससे उनके संकल्प में कमी नहीं आएगी। वेस्टमिंस्टर, साउथेम्प्टन, एक्सेटर, रेडडिच, वैंड्सवर्थ, हार्टलपूल, टैमवर्थ व टैमसाइड में लेबर हारी है।इन नतीजों को एकतरह से जनमत संग्रह माना जा रहा है।

### इंडोनेशिया : निवेश घोटालों में 210 विदेशी गिरफ्तार

**जकार्ता, एजेंसी।** इंडोनेशियाई आव्रजन अफसरों ने सिंगापुर से 20 किमी दूर बाटाम द्वीप पर ऑनलाइन निवेश घोटालों में शामिल होने के आरोप में 210 विदेशी गिरफ्तार किए हैं। इनमें से 125 वियतनाम से, 84 चीन से और एक म्यांमार से थे। गिरफ्तार किए गए लोगों में 163 पुरुष और 47 महिलाएं हैं। इनमें से अधिकांश पर्यटक या आगंतुक वीजा पर थे, जो काम करने या व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति नहीं देते हैं।

### हंतावायरस को लेकर स्पेन में अलर्ट

**मैड्रिड, एजेंसी।** स्पेन में स्वास्थ्य अधिकारियों ने हंतावायरस संक्रमण से प्रभावित क्रूज जहाज को लेकर अलर्ट जारी किया है। यह जहाज रविवार को कैनरी द्वीप समूह के टेनेरिफे पहुंचने वाला है।जहाज में 140 से ज्यादा यात्री और चालक दल के सदस्य मौजूद हैं। अब तक इस संक्रमण से तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि पांच यात्री संक्रमित पाए गए हैं। क्रूज कंपनी ने कहा है कि फिलहाल जहाज पर किसी में नए लक्षण नहीं दिखे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (ड्ड॥ह्र) ने आम लोगों के लिए खतरे को कम बताया है और कहा है कि यह वायरस आसानी से एक व्यक्ति से दूसरे में नहीं फैलता। हालांकि, एंडीज वायरस के कुछ मामलों में सीमित मानव संक्रमण की आशंका रहती है। स्पेन सरकार यात्रियों को सुरक्षित तरीके से उतारने की तैयारी कर रही है। उन्हें छोटे समूहों में अलग-अलग नावों से लाया जाएगा और सीधे सुरक्षित बसों के जरिए एयरपोर्ट पहुंचाया जाएगा। एयरपोर्ट के कुछ हिस्सों को भी आम लोगों से अलग रखा जाएगा। इस बीच कई देशों में उन यात्रियों की तलाश जारी है, जो संक्रमण की पुष्टि से पहले जहाज छोड़ चुके थे। ब्रिटेन, नीदरलैंड, दक्षिण अफ्रीका और स्पेन में संदिग्ध मामलों की जांच की जा रही है।

### अमेरिकी सैन्य कार्रवाई में संदिग्ध ड्रग बोट तबाह, दो लोगों की मौत

**न्यूयार्क, एजेंसी।** अमेरिकी सेना ने पूर्वी प्रशांत महासागर में एक संदिग्ध ड्रग तस्करी वाली नाव पर हमला किया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति बच गया। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने सोशल मीडिया पर इस कार्रवाई का वीडियो भी जारी किया है। वीडियो में समुद्र के बीच एक नाव दिखाई देती है, जिसके बाद जोरदार विस्फोट होता है और आग की लपटें उठने लगती हैं। सेना ने बताया कि घटना के तुरंत बाद अमेरिकी कोस्ट गार्ड को बचाव अभियान शुरू करने के लिए सूचना दी गई। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नई आतंकवाद-रोधी रणनीति को मंजूरी दी है। इस रणनीति में ड्रग कार्टेल्स को खत्म करना सबसे बड़ी प्राथमिकता बताया गया है। सितंबर 2025 से अमेरिका लैटिन अमेरिकी समुद्री इलाकों में संदिग्ध ड्रग बोट्स के खिलाफ लगातार सैन्य कार्रवाई कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक अब तक ऐसी कार्रवाइयों में करीब 193 लोगों की मौत हो चुकी है। उनका कहना है कि अमेरिकी सेना ने अब तक यह सार्वजनिक नहीं किया कि जिन नावों को निशाना बनाया गया, उनमें वास्तव में ड्रग्स थे या नहीं।

### पूर्व प्रिंस एंड्रयू को डराने के मामले में शख्स पर आरोप तय

**लंदन, एजेंसी।** पूर्वी इंग्लैंड में सैंड्रिंघम एस्टेट के पास पूर्व प्रिंस एंड्रयू (एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर) को धमकाने के आरोप में एलेक्स जेनकिंसन नामक व्यक्ति पर केस दर्ज किया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार एक नकाबपोश व्यक्ति ने कुत्ते टहलाते समय एंड्रयू का पीछा किया और अपशब्द कहे। आरोपी को बुधवार शाम गिरफ्तार किया गया। एंड्रयू से जेफ्री एपस्टीन के साथ संबंधों के आरोपों के बाद शाही सम्मान छीना जा चुका हैं।

### दुबई में समुद्री हादसे में भारतीय क्रू सदस्य की मौत

**दुबई , एजेंसी।** दुबई में एक दुखद समुद्री हादसे में भारतीय जहाज के एक क्रू सदस्य की मौत हो गई। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार को इस घटना की पुष्टि करते हुए गहरा दुख जताया। हालांकि, अभी तक हादसे की पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। भारतीय मिशन ने बताया कि वह जहाज के मालिकों के संपर्क में है।

# यूक्रेन: 1 मई से अब तक रूसी हमलों में, 70 लोगों की मौत, 500 से अधिक घायल

**वाशिंगटन, एजेंसी।** यूक्रेन में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार निगरानी मिशन ने बताया है कि 5 मई को रूसी सैन्य बलों के सिलसिलेवार हमलों में 28 लोगों की जान गई थी और 194 घायल हुए थे. 1 मई से 5 मई के दौरान, ड्रोन व मिसाइल हमलों में कम से कम 70 लोग मारे गए हैं और 500 से अधिक घायल हुए हैं. यूएन मिशन इन घटनाओं में हताहत होने वाले लोगों के बारे में जानकारी जुटा रहा है. रूसी सैन्य बलों ने 24 फ़रवरी 2022 को यूक्रेन में पूर्ण स्तर का आक्रमण शुरू किया था, जिसके बाद से देश एक विशाल मानवीय संकट से जूझ रहा है. लड़ाई के अग्रिम मोर्चे वाले इलाक़ों में आम नागरिकों कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है.॥ऋरूरू की प्रमुख डैनियल बैल के अनुसार, जिस स्तर पर आम नागरिक हताहत हुए हैं और कुछ ही दिनों के भीतर बड़े पैमाने पर इलाक़े प्रभावित हुए हैं, वह विशेष रूप से चिन्ताजनक बात है. '1 मई से अब तक, यूक्रेन के 14 क्षेत्रों में 570 से अधिक आम नागरिकों के मारे जाने या फिर उनके घायल होने की ख़बर है।

1 से 5 मई के बीच, रूसी सैन्य बलों ने यूक्रेन के अनेक शहरों पर कई हमले किए. 5 मई को ज़ैपोरिझझिया में स्थित एक औद्योगिक इलाक़े में हवाई बमबारी में कम से कम 12 लोग मारे गए और 46 घायल हुए. इसी दिन, क्रामातोर्स्क और दोनेत्स्क क्षेत्रों के केन्द्रीय इलाक़ों को निशाना बनाया गया, जिनमें 6 लोगों की मौत हुई और 13 घायल हुए.शुक्रवार, 1 मई के बाद से, लम्बी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलों और ड्रोन के सिलसिलेवार हमलों में यूक्रेन में बड़ी संख्या में आम नागरिक हताहत हुए हैं. ख़ारकीव ड्निप्रो, ख़ेरसॉन, पोलतावा और ओडेसा क्षेत्र सर्वाधिक प्रभावित बताए गए हैं.कुछ हमलों में, आपात कर्मचारियों और अग्रिम पंक्ति के राहतकर्मियों के मारे जाने या घायल होने की ख़बर है. पहला हमला होने के बाद जब ये राहतकर्मी वहाँ बचाव प्रयासों में जुटे थे, तभी वहाँ दूसरा हमला भी हुआ.पोलतावा क्षेत्र में, 4-5 मई की रात्रि को एक गैस निष्कर्षण केन्द्र पर हुए ऐसे हमलों में आपात सेवाओं के 2 कर्मचारियों के हताहत होने की जानकारी है.ख़ेरसॉन में, 3 मई को कुछ स्वास्थ्यकर्मी कम दूरी तक मार करने वाले एक ड्रोन की चपेट में उस समय आ गए, जब वे पहले एक अन्य ड्रोन हमले से प्रभावित लोगों को चिकित्सा सहायता पहुँचा रहे थे. नागरिकों की रक्षा का दायित्वकई हमलों में दिन के समय में शहरी इलाक़ों पर शक्तिशाली हथियारों का इस्तेमाल किया गया, जिससे हताहतों की संख्या अधिक होने की आशंका है.मानवाधिकार मिशन की प्रमुख डैनियल बैल ने कहा कि अपनी जान गँवाने वाले या घायल होने वाले अनेक आम नागरिक, अपनी दैनिक गतिविधियों में - कार्यालय जाना, कामकाज करना, ख़रीदारी, चलने-फिरने - में व्यस्त थे या पिर पहले हो चुके हमलों में प्रभावित लोगों को सहायता मुहैया करा रहे थे. 'ऐसी परिस्थितियों में, आम नागरिकों को होने वाले नुक़सान का अनुमान पहले ही लगाया जा सकता है. 'रूसी महासंघ के क़ब्ज़े वाले इलाक़ों में भी 1-5 मई के दौरान हुए हमलों में 10 लोगों के मारे जाने की जानकारी है. इनमें 5 लोगों की मौत क्राइमिया स्वायत्त गणराज्य में हुए एक ड्रोन हमले में हुई थी. इसके अलावा, रूस के चेबॉकसारी में 5 मई को कम से कम 2 लोग मारे गए थे और 35 अन्य घायल हुए थे.यूएन मानवाधिकार निगरानी मिशन ने ध्यान दिलाया है कि अन्तरराष्ट्रीय मानवतावादी क़ानून के तहत, हमला करने वाले पक्ष का यह दायित्व है कि आम नागरिकों को हताहत होने से बचाने के लिए यथासम्भव क़दम उठाए जाएं. इनमें हमले के समय और इस्तेमाल किए जाने वाले हथियारों पर विचार करना भी है

## ट्रंप का बड़ा दावा: नौ युद्ध खत्म कराए, अब रूस-यूक्रेन की बारी; ईरान और हंतावायरस को लेकर कही ये बात

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी कूटनीतिक सफलताओं का दावा करते हुए एक बड़ा बयान दिया है। ईरान के साथ जारी तनाव और रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच राष्ट्रपति ने अपनी उपलब्धियां गिनाईं। ईरान के मुद्दे पर राष्ट्रपति ट्रंप ने सकारात्मक रुख दिखाया है। उन्होंने कहा, 'हम बहुत अच्छा कर रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि ईरान के साथ चीजें अब सही रास्ते पर आ रही हैं।

**रूस और यूक्रेन के बीच शांति की पहल :** राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने कार्यकाल के दौरान युद्धों को समाप्त करने की अपनी क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'मैंने अब तक आठ युद्ध सुलझाए हैं, वास्तव में नौ युद्ध खत्म किए हैं। अब ऐसा लग रहा है कि हम 10वां युद्ध भी खत्म कर सकते हैं।' ट्रंप ने विशेष रूप से रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे लंबे संघर्ष को समाप्त करने की इच्छा जताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे इन दोनों देशों के बीच जारी भीषण युद्ध को खत्म होते देखना चाहते हैं। उनके इस बयान को वैश्विक राजनीति में अमेरिका की सक्रिय मध्यस्थता के रूप में देखा जा रहा है।

**हंतावायरस पर सरकार की सतर्कता :** स्वास्थ्य के मोर्चे पर, राष्ट्रपति ने हंतावायरस को लेकर देश को आश्वस्त किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि हंतावायरस के हालात पूरी तरह नियंत्रण में हैं। ट्रंप ने कहा, 'हमारे पास स्थिति पर काबू पाने के लिए बेहतरीन टीम है। विशेषज्ञ इस वायरस को बहुत अच्छी तरह जानते हैं।' उन्होंने कोविड-19 से इसकी तुलना करते हुए बताया कि हंतावायरस उतनी आसानी से नहीं फैलता है। सरकार के विशेषज्ञ इस पर बहुत बारीकी से नजर रख रहे हैं।

### श्रीलंकन एयरलाइंस के पूर्व सीईओ कपिला घर में मृत मिले

**कोलंबो, एजेंसी।** श्रीलंकन एयरलाइंस के पूर्व सीईओ कपिला चंद्रसेना शुक्रवार को अपने घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए। पुलिस के अनुसार उनका शव फंदा लगा हुआ मिला।

घटना भ्रष्टाचार मामले में उन्हें जमानत मिलने के कुछ ही दिनों बाद हुई है। उन पर विमानों की खरीद में रिश्वत लेने का आरोप था। हाल ही में अभियोजकों ने दावा किया था कि चंद्रसेना ने पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे को 6 करोड़ श्रीलंकाई रुपये की रिश्वत देने की बात स्वीकार की थी। हालांकि उनके वकीलों ने कहा कि यह बयान दबाव में लिया गया था।

## त्रिनिदाद और टोबैगो के दौरे पर पहुंचे जयशंकर

**त्रिनिदाद , एजेंसी।** भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर त्रिनिदाद और टोबैगो के दौरे पर पहुंच गए हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'त्रिनिदाद और टोबैगो में वापस आकर बहुत खुशी हो रही है। विदेश मंत्री शॉन सोबर्स को गर्मजोशी से स्वागत के लिए धन्यवाद। अगले दो दिनों में एक सफल यात्रा की उम्मीद है।

इससे पहले विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को गुयाना के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. फ्रैंक एंथनी से मुलाकात की। यह मुलाकात जॉर्जटाउन में उनके दौरे के दौरान हुई। दोनों नेताओं के बीच भारत और गुयाना के स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ते सहयोग पर चर्चा हुई। जयशंकर इस समय कैरेबियाई देशों के दौरे पर हैं। उन्होंने पहले जमैका और फिर सूरीनाम का दौरा किया। विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा कि भारत और गुयाना के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है और दोनों देशों के रिश्ते आगे भी बेहतर होंगे। भारत पहले से ही कई देशों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं और मेडिकल तकनीक के क्षेत्र में साझेदारी बढ़ा रहा है। गुयाना के साथ भी भारत चिकित्सा सहायता और स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास में सहयोग कर रहा है। इस मुलाकात को दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

## ट्रंप प्रशासन का क्यूबा पर शिकंजा: जीएईएसए समेत कई संस्थाओं पर लगाए प्रतिबंध, धन और खाद्य संकट गहराने की आशंका

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका ने क्यूबा पर आर्थिक दबाव बढ़ाते हुए नई पाबंदियों का एलान किया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ट्रंप प्रशासन के इस फैसले का बचाव करते हुए कहा कि प्रतिबंध क्यूबा की जनता पर नहीं, बल्कि वहां की सत्ता से जुड़े आर्थिक नेटवर्क पर लगाए गए हैं।

**पाबंदियों का सबसे बड़ा निशाना कौन :** नई पाबंदियों का सबसे बड़ा निशाना जीएईएसए बना है, जो क्यूबा की क्रांतिकारी सशस्त्र सेनाओं द्वारा संचालित विशाल कारोबारी समूह है। इसके अलावा कनाडा की कंपनी शेरिट इंटरनेशनल के साथ चल रहे संयुक्त उपक्रम मोआ निकल पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके बाद शेरिट इंटरनेशनल ने क्यूबा से अपना कारोबार समेटने की घोषणा कर दी, जिससे द्वीप देश में उसकी 32 साल पुरानी मौजूदगी समाप्त हो जाएगी।

**विशेषज्ञों ने क्या जताई चिंता :** विशेषज्ञों का मानना है कि ये प्रतिबंध क्यूबा की पहले से जर्जर अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर डाल सकते हैं। क्विंसी संस्थान से जुड़े शोधकर्ता ली श्लेंकर ने कहा कि नई कानूनी शक्तियों के तहत अमेरिका अब तीसरे देशों की कंपनियों और नागरिकों पर भी कार्रवाई कर सकेगा। इसके तहत कंपनियों की अमेरिकी संपत्तियां फ्रीज की जा सकती हैं और उनके निवेशकों तथा कर्मचारियों की अमेरिका यात्रा पर भी असर पड़ सकता है। क्यूबा मामलों के विशेषज्ञ और अर्थशास्त्री पावेल विडाल ने इन कदमों को बेहद चिंताजनक बताया। उनके अनुसार क्यूबा की अर्थव्यवस्था पहले ही लगभग ठप पड़ चुकी है और जनवरी से अमेरिका द्वारा ईंधन आपूर्ति रोके जाने के बाद हालात और खराब हुए हैं। उन्होंने कहा कि नए प्रतिबंधों के बाद जीएईएसए के साथ जुड़े विदेशी साझेदार भी दूरी बना सकते हैं क्योंकि बहुत कम कंपनियां अमेरिकी प्रतिबंधों को चुनौती देने का जोखिम उठाएंगी। विशेषज्ञों के मुताबिक जीएईएसए का क्यूबा की अर्थव्यवस्था पर बेहद गहरा प्रभाव है। यह समूह देश के खुदरा कारोबार, होटल, ट्रैवल एजेंसियों, कार रेंटल सेवाओं, वित्तीय संस्थानों और मुद्रा विनिमय नेटवर्क तक को नियंत्रित करता है। रिपोर्टों के अनुसार जीएईएसए क्यूबा की जीडीपी के करीब 40 प्रतिशत हिस्से पर प्रभाव रखता है।

**जीएईएसए का इतिहास :** 1990 के दशक में सोवियत संघ के पतन और अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद क्यूबा की सेना ने इस कारोबारी ढांचे को खड़ा किया था। लंबे समय तक इसका नेतृत्व लुइस अल्बर्टो रोड्रिगेज लोपेज-कालेजा ने किया, जो पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के दामाद थे। उनके निधन के बाद अनिया गिलर्मिना लास्त्रेस को जीएईएसए का नया प्रमुख बनाया गया, जिन्हें अब अमेरिकी ब्लैकलिस्ट में भी शामिल कर लिया गया है।

## इस्राइल-लेबनान के बीच 14-15 मई को अगले दौर की बातचीत, अमेरिकी विदेश विभाग ने दी जानकारी

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी विदेश विभाग ने जानकारी दी है कि इस्राइल और लेबनान के बीच अगले दौर की बातचीत 14 और 15 मई को होगी। इस चर्चा का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच एक व्यापक शांति और सुरक्षा समझौता करना है। साथ ही इसमें हिजबुल्लाह से जुड़े मुद्दों पर भी बात होगी। अमेरिका इस पूरी बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभाएगा।

**क्या बोले अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता :** अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता थॉमस टॉमी पिगॉट ने शुक्रवार को एक बयान जारी किया। उन्होंने बताया कि आने वाली बातचीत 23 अप्रैल को हुई बातचीत के आधार पर आगे बढ़ेगी। उस बैठक का नेतृत्व खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किया था। अमेरिका इन दो दिनों की बातचीत में दोनों देशों की सरकारों के बीच तालमेल बिठाने का काम करेगा।

विदेश विभाग के अनुसार, दोनों देशों के प्रतिनिधि शांति और सुरक्षा के ढांचे पर विस्तार से चर्चा करेंगे। इसमें सीमाओं का निर्धारण और लेबनान के लिए मानवीय सहायता जैसे विषय शामिल होंगे। अमेरिका का लक्ष्य पिछले दो दशकों के उन असफल तरीकों को बदलना है, जिनकी वजह से हिजबुल्लाह जैसे उग्रवादी गुट मजबूत हुए। इन गुटों ने लेबनान की सरकारी सत्ता को कमजोर किया और इस्राइल की उत्तरी सीमा के लिए खतरा पैदा किया।

**बातचीत का केंद्र शांति स्थापित करना :** अमेरिका ने साफ किया है कि बातचीत का केंद्र लेबनान की संप्रभुता को बहाल करना और लंबे समय के लिए क्षेत्र में स्थिरता व शांति लाना है। दोनों पक्ष अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर इस प्रक्रिया में शामिल होने के लिए तैयार हैं। अमेरिका मतभेदों को दूर करने की कोशिश करेगा ताकि इस्राइल को सुरक्षा और लेबनान को पुनर्निर्माण में मदद मिल सके। अमेरिकी विदेश विभाग ने इस बात पर जोर दिया कि शांति तभी संभव है जब लेबनान की सरकार का अपनी जमीन पर पूरा अधिकार हो। इसके लिए हिजबुल्लाह का पूरी तरह निहत्था होना जरूरी है। बता दें कि अमेरिका हिजबुल्लाह को एक विदेशी आतंकी संगठन मानता है।

**स्थायी शांति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम :** बयान में आगे कहा गया, ये चर्चाएं दशकों से चले आ रहे संघर्ष को खत्म करने और दोनों देशों के बीच स्थायी शांति स्थापित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम हैं। पिछले महीने, ट्रंप ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो, इस्राइल में राजदूत माइक हकाबी और लेबनान में राजदूत मिशेल इस्सा के साथ एक बैठक के बाद, दोनों पक्षों के बीच 10-दिन के संघर्ष विराम को बढ़ाने की घोषणा की। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर बताया कि युद्धविराम को तीन हफ्तों के लिए बढ़ाया गया है।

## युद्ध के बीच और ताकतवर हुआ ईरान? कहा- 120 फीसदी बढ़ गया मिसाइलों का स्टॉक, झुकेंगे नहीं

**तेहरान, एजेंसी।** अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध में अब डेडलॉक की स्थिति बन गई है। एक तरफ जहां दोनों पक्षों के बीच सीजफायर को लेकर बातचीत जारी है, वहीं दूसरी तरफ दोनों देश स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक दूसरे के जहाजों पर हमले भी कर रहे हैं। ऐसे में युद्ध खत्म होने की संभावना खत्म हो रही है। इस बीच ईरान ने अमेरिका को एक बार फिर बड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि वह किसी भी हालत में झुकेगा नहीं। इस दौरान ईरान ने यह भी दावा किया कि वह पहले से ज्यादा ताकतवर हो गया है और उसके मिसाइलों का स्टॉक 120 फीसदी बढ़ गया है। शुक्रवार को ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में यह बातें कही हैं। उन्होंने दावा किया कि ईरान की मिसाइल क्षमता और लॉन्चरों की संख्या काफी बढ़ गई है। अराघची ने लिखा, 'जब भी मेज पर कूटनीतिक समाधान निकल रहा होता है, अमेरिका एक लापरवाह सैन्य दुस्साहस का विकल्प चुनता है। क्या यह दबाव बनाने की घटिया चाल है या फिर अमेरिकी राष्ट्रपति को एक बार फिर किसी दलदल में धकेलने की कोशिश?

**क्या बोले अराघची :** पोस्ट में उन्होंने वाशिंगटन पोस्ट की उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि ईरान के पास अब केवल 75 फीसदी लॉन्चर और 70 फीसदी मिसाइल भंडार बचा है। अराघची ने कहा कि ईरान राष्ट्र की रक्षा के लिए 1000 फीसदी तैयार है और 28 फरवरी की तुलना में उसके मिसाइल स्टॉक 120 फीसदी ज्यादा बढ़ चुके हैं। इस बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) की नौसेना ने शुक्रवार सुबह अमेरिकी जहाजों पर हमले का दावा किया है। ईरान का दावा है कि यह कार्रवाई संघर्ष विराम के उल्लंघन और उसके एक तेल टैंकर के खिलाफ अमेरिकी सेना की आक्रामक गतिविधियों के जवाब में की गई है। ईरानी नौसेना ने बताया कि खुफिया निगरानी से पता चला है कि इस हमले में अमेरिकी सैन्य जहाजों को काफी नुकसान पहुंचा है। ईरान का दावा है कि हमले के बाद अमेरिकी सेना के तीन जहाज इस रास्ते से तेजी से पीछे हट गए हैं। वहीं अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने शुक्रवार को कहा है कि उसने दो और ईरानी टैंकरों को निष्क्रिय कर दिया है। अमेरिकी सेना ने कहा कि यह जहाज अमेरिकी नाकाबंदी को तोड़ने की कोशिश कर रहे थे।

**युद्धविराम पर अब भी जारी है चर्चा :** इस बीच युद्धविराम को लेकर बातचीत जारी है। दोनों देशों के बीच 30 दिनों के लिए युद्धविराम और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने के प्रस्ताव पर बातचीत चल रही है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक बयान में कहा है कि अमेरिका अब भी ईरान के जवाब का इंतजार कर रहा है।

# भारत के खिलाफ नेपाल के पीएम बालेन को उकसा रहे विपक्षी दल

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल में एक बार फिर लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी का मुद्दा गरमा गया है। नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी सांसदों ने गुरुवार को प्रधानमंत्री बालेन शाह की सरकार पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। विपक्ष की मांग है कि सरकार अब सिर्फ 'डिप्लोमैटिक नोट' तक सीमित न रहे और इन क्षेत्रों को 'वापस' लेने के लिए भारत और चीन के साथ उच्च स्तरीय बातचीत शुरू करे। गौरतलब है कि नेपाल इन भारतीय क्षेत्रों पर अपना दावा ठोकता रहा है। भारत इन दावों को खारिज करता रहा है।

**क्या है ताजा मामला :** भारत और चीन ने 2026 के लिए कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू करने का फैसला किया है। यात्रा जून से अगस्त तक चलेगी, जिसमें लिपुलेख दर्रे (उत्तराखंड) के रास्ते एक रूट और नाथू ला (सिक्किम) के रास्ते दूसरा रूट शामिल है। नेपाल सरकार का कहना है कि लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी उसके क्षेत्र में आते हैं और बिना उसकी सहमति के यात्रा या कोई गतिविधि नहीं होनी चाहिए। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने 1816 की सुगौली संधि का हवाला देते हुए दोनों देशों को अलग-अलग डिप्लोमैटिक नोट भेजे। भारत ने नेपाल के दावों को सिरे से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा कि लिपुलेख मार्ग 1954 से ही यात्रा के लिए इस्तेमाल होता आ रहा है और यह कोई नई बात नहीं है।

**भारत के खिलाफ नेपाल के पीएम बालेन को उकसा रहे विपक्षी दल :** नेपाली संसद के निचले सदन (प्रतिनिधि सभा) की अंतरराष्ट्रीय संबंध और पर्यटन समिति की सिंघ दरबार में बैठक हुई। इसी बैठक में विपक्षी सांसदों ने यह मुद्दा उठाया। 'कैलाश मानसरोवर यात्रा' के लिए लिपुलेख मार्ग का इस्तेमाल किए जाने को लेकर वहां के नेताओं में नई बेचैनी देखने को मिल रही है। वे नेपाल के नए पीएम बालेन शाह पर दबाव डाल रहे हैं कि भारत से सीधी बात करें।

**विपक्षी सांसदों ने क्या-क्या कहा? :** आमने-सामने हो बातचीत: नेपाली कांग्रेस के सांसद संदीप राणा ने कहा कि नेपाल को अब अपने दोनों पड़ोसियों के साथ सीधी 'टेबल टॉक' यानी आमने-सामने बातचीत करने में देरी नहीं करनी चाहिए। राणा ने एक विवादित बयान देते हुए दावा किया, 'लिपुलेख हमारी जमीन है और इसका इस्तेमाल कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए किया जा रहा है। सीपीएन (यूएमएल) की सांसद भूमिका लिंबू सुब्बा ने लिपुलेख पर भारत की प्रतिक्रिया को 'गैर-जिम्मेदाराना' करार दिया। माओवादी सेंटर के सांसद प्रमेश कुमार हमाल ने सरकार से अपील की है कि वह इस मुद्दे पर देश की अन्य राजनीतिक ताकतों को भी अपने साथ ले।

**क्या है भारत का रुख :** आपको बता दें कि जब नई दिल्ली ने कैलाश मानसरोवर यात्रा का ऐलान किया था, उसके बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय ने भारत और चीन दोनों को कूटनीतिक पत्र भेजे थे। भारत ने नेपाल द्वारा किए गए क्षेत्रीय दावों की कड़ी आलोचना करते हुए उन्हें 'एकतरफा और कृत्रिम विस्तार' करार दिया है और इसे पूरी तरह से गलत बताया है। लिपुलेख को लेकर नेपाल की आपत्तियों पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में, विदेश मंत्रालय (स्ब्र) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने भारत के पूर्व में जारी किए गए बयानों का हवाला देते हुए कहाः कैलाश मानसरोवर यात्रा 1954 से इसी मार्ग के जरिए हो रही है। यह कोई नई बात नहीं है। इसलिए स्थिति वहीं है जो पहले थी। उन्होंने आगे कहा, 'यह कोई नया घटनाक्रम नहीं है... हमने अपने बयान में स्पष्ट रूप से कहा है कि क्षेत्र का एकतरफा और कृत्रिम विस्तार करने का दावा सही नहीं है। सीमा विवाद पर बातचीत के लिए भारत का रुख नेपाल के साथ अन्य मुद्दों पर चर्चा के बारे में बात करते हुए, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि नई दिल्ली हमेशा बातचीत के लिए तैयार है। उन्होंने स्पष्ट किया, 'अगर कोई सीमा संबंधी विवाद है, तो हम उस पर भी चर्चा करने के लिए तैयार हैं। लेकिन, एकतरफा दावा करना सही तरीका नहीं है।

# रुद्राक्ष के 1 छोटे से उपाय से दूर कर सकते हैं कुंडली के दोष

रुद्राक्ष को हमारे शास्त्रों ने अत्यंत पवित्र माना है। किंवदती है कि रुद्राक्ष भगवान शिव की आंख का अश्रु है। रुद्राक्ष एक से लेकर चौदह मुखी तक पाए जाते हैं। एक मुखी रुद्राक्ष अत्यंत दुर्लभ होने के साथ-साथ साक्षात भगवान शिव का प्रत्यक्ष रूप माना जाता है। अतः उचित रुद्राक्ष धारण कर जन्मपत्रिका में बने अशुभ योगों के दुष्प्रभाव में कम कर लाभ प्राप्त किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि जन्मपत्रिका के किस दोष के लिए कौन सा रुद्राक्ष धारण किया जाना श्रेयस्कर रहेगा-

- मांगलिक योग- मांगलिक योग की शांति के लिए 11 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- ग्रहण योग- ग्रहण योग की शांति के लिए 2 एवं 8 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- केमद्रुम योग- केमद्रुम योग की शांति के लिए 13 मुखी रुद्राक्ष चांदी में धारण करना लाभप्रद रहता है।
- शकट योग- शकट योग की शांति के लिए 10 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- कालसर्प दोष- कालसर्प दोष की शांति के लिए 8 व 9 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।
- अंगारक योग- अंगारक योग की शांति के लिए 3 मुखी रुद्राक्ष धारण करना लाभप्रद रहता है।
- चांडाल दोष- चांडाल दोष की शांति के लिए 5 व 10 मुखी रुद्राक्ष का लॉकेट धारण करना लाभप्रद रहता है।

# आपकी किचन में ही छुपे हैं सफलता और असफलता के राज

वास्तु के अनुसार चीजों व्यवस्थित न हो तो यह अपशगुन का कारण बनती हैं। ऐसे में घर की रसोई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। किचन की दिशा के साथ ही साथ रसोई घर में काम आने वाले तमाम बर्तन भी शुभता और अशुभता का कारण हो सकते हैं। यदि उनका ठीक प्रकार से प्रयोग न किया जाए या फिर उसे उचित स्थान पर सही तरीके से न रखा जाए तो उसके परिणाम नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। किचन के बर्तनों का सही तरह से प्रयोग न करने पर वे दरिद्रता का भी कारण बन सकती हैं।

वास्तु के अनुसार किचन में सबसे अधिक प्रयोग आने वाले बर्तनों में तवे का बहुत ज्यादा महत्व होता है।

वास्तु के अनुसार तवा और कढ़ाई राहु का प्रतिनिधित्व करने वाले होते हैं। ऐसे में इनका प्रयोग करते समय विशेष ख्याल रखे जाने की जरूरत होती है। मसलन, तवे या कढ़ाई को कभी भी जूठा न करें ना ही उस पर जूठी सामग्री रखें। हालांकि किचन में जूठे हाथ से किसी भी बर्तन को नहीं छूना चाहिए और न ही वहां पर जूठीं सामग्री रखना चाहिए। किचन में पवित्रता का पूरा ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। घर के इस कोने में स्वच्छता का जितना ख्याल रखा जाएगा धन आगमन के रास्ते उतने ही आसान होंगे।

## किचन में वास्तु से जुड़े नियम

रात को खाना बनाने के बाद तवे को हमेशा धो कर रखें। जब तवे का उपयोग न करना हो तो उसे ऐसी जगह पर रखें जहां से वह आम नजरों में न आ पाए। कहने का तात्पर्य उसे खुले में रखने की बजाए किसी आलमारी या दराज में रखें।

- तवे या कढ़ाई को कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए क्योकि तवा को उल्टा रखने से घर में राहु की नकारत्मक उर्जा का संचार होता है।
- तवा और कढ़ाई को जहां पर खाना बनाते हों, उसकी दाईं ओर रखें क्योकि किचन के दाई ओर मां अन्नपूर्णा का स्थान होता है।
- कभी भी भूलकर गर्म तवे पर पानी न डालें। वास्तु के अनुसार ऐसा करने पर घर में मुसीबतें आती हैं।

# भगवान शिव के वाहन नंदी के कान में क्यों बोलते हैं मनोकामना

शिव मंदिर में लोग शिवलिंग के दर्शन और पूजा करने के बाद वहां शिवजी के सामने विराजित भगवान नंदी की मूर्ति के दर्शन कर उनकी पूजा करते हैं और अंत में उनके कान में अपनी मनोकामना बोलते हैं। आखिर उनके कान में मनोकामना बोलने की परंपरा क्यों है? आओ जानते हैं इस संबंध में पौराणिक कथा।
भगवान शिव के प्रमुख गणों में से एक है नंदी। भैरव, वीरभद्र, मणिभद्र, चंदिस, श्रृंगी, भृगिरिटी, शैल, गोकर्ण, घंटाकर्ण, जय और विजय भी शिव के गण हैं। माना जाता है कि प्राचीनकालीन किताब कामशास्त्र, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और मोक्षशास्त्र में से कामशास्त्र के रचनाकार नंदी ही थे। बैल को महिष भी कहते हैं जिसके चलते भगवान शंकर का नाम महेश भी है।
शिवजी के सामने नंदी क्यों हैं विराजित
शिलाद मुनि ने ब्रह्मचर्य का पालन करने का संकल्प लिया। इससे वंश समाप्त होता देखकर उनके पितर चिंतित हो गए और उन्होंने शिलाद को वंश आगे बढ़ाने के लिए कहा। तब उन्होंने संतान की कामना के लिए इंद्रदेव को तप से प्रसन्न कर जन्म और मृत्यु के बंधन से हीन पुत्र का वरदान मांगा। परंतु इंद्र ने यह वरदान देने में असमर्थता प्रकट की और भगवान शिव का तप करने के लिए कहा। भगवान शंकर ने शिलाद मुनि के कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर स्वयं शिलाद के पुत्र रूप में प्रकट होने का वरदान दिया। कुछ समय बाद भूमि जोतते समय शिलाद को एक बालक मिला, जिसका नाम उन्होंने नंदी रखा।
शिलाद ऋषि ने अपने पुत्र नंदी को संपूर्ण वेदों का ज्ञान प्रदान किया। एक दिन शिलाद ऋषि के आश्रम में मित्र और वरुण नाम के दो दिव्य ऋषि पधारे। नंदी ने अपने पिता की आज्ञा से उन ऋषियों की उन्होंने अच्छे से सेवा की। जब ऋषि जाने लगे तो उन्होंने शिलाद ऋषि को तो लंबी उम्र और खुशहाल जीवन का आशीर्वाद दिया लेकिन नंदी को नहीं।
तब शिलाद ऋषि ने उनसे पूछा कि उन्होंने नंदी को आशीर्वाद क्यों नहीं दिया? इस पर ऋषियों ने कहा कि नंदी अल्पायु है। यह सुनकर शिलाद ऋषि चिंतित हो गए। पिता की चिंता को नंदी ने जानकर पूछा क्या बात है पिताजी। तब पिता ने कहा कि तुम्हारी अल्पायु के बारे में ऋषि कह गए हैं इसीलिए मैं चिंतित हूं। यह सुनकर नंदी हंसने लगा और कहने लगा कि आपने मुझे भगवान शिव की कृपा से पाया है तो मेरी उम्र की रक्षा भी वहीं करेंगे आप क्यों नाहक चिंता करते हैं।
इतना कहते ही नंदी भुवन नदी के किनारे शिव की तपस्या करने के लिए चले गए। कठोर तप के बाद शिवजी प्रकट हुए और कहा वरदान मांगों वत्स। तब नंदी के कहा कि मैं उम्रभर आपके सानिध्य में रहना चाहता हूं। नंदी के समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने नंदी को पहले अपने गले लगाया और उन्हें बैल का चेहरा देकर उन्हें अपने वाहन, अपना दोस्त, अपने गणों में सर्वोत्तम के रूप में स्वीकार कर लिया।

# शिवलिंग पर दूध चढ़ाने का
## पौराणिक और साइंटिफिक कारण

**शिव मंदिर में शिवलिंग पर जल के अलावा दूध, घी, शहद, दही आदि क्यों अर्पित किए जाते हैं? इसके दो कारण है पहला कारण तो पौराणिक है और दूसरा कारण साइंटिफिक है। आओ जानते हैं हम दोनों ही कारणों को संक्षिप्त में।**

पौराणिक कथा के अनुसार जब समुद्र मंथन हुआ तो सबसे पहले उसमें से विष निकला। इस विष से संपूर्ण संसार पर विष का खतरा मंडराने लगा। इस विपत्ति को देखते हुए सभी देवता और दैत्यों ने भगवान शिव से इससे बचाने की प्रार्थना की। क्योंकि केवल भगवान शिव के पास ही इस विष के ताप और असर को सहने की क्षमता थी। तब भगवान शिव ने संसार के कल्याण के लिए बिना किसी देरी के संपूर्ण विष को अपने कंठ में धारण कर लिया। विष का तीखापन और ताप इतना ज्यादा था कि भोले बाबा का कंठ नीला हो गया और उनका शरीर ताप से जलने लगा। जब विष का घातक प्रभाव शिव और शिव की जटा में विराजमान देवी गंगा पर पड़ने लगा तो उन्हें शांत करने के लिए जल की शीतलता कम पड़ने लगी। उस वक्त सभी देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक करने के साथ ही उन्हें दूध ग्रहण करने का आग्रह किया ताकि विष का प्रभाव कम हो सके। सभी के कहने से भगवान शिव ने दूध ग्रहण किया और उनका दूध से अभिषेक भी किया गया। तभी से ही शिवलिंग पर दूध चढ़ाने की परंपरा चली आ रही है।
कहते हैं कि दूध भोले बाबा का प्रिय है और उन्हें सावन के महीने में दूध से स्नान कराने पर सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

### साइंटिफिक कारण

- कहते हैं कि शिवलिंग एक विशेष प्रकार का पत्थर होता है। इस पत्थर को क्षरण से बचाने के लिए ही इस पर दूध, घी, शहद जैसे चिकने और ठंडे पादार्थ अर्पित किए जाते हैं।
- अगर शिवलिंग पर आप कुछ वसायुक्त या तैलीय सामग्री अर्पित नहीं करते हैं तो समय के साथ वे भंगुर होकर टूट सकते हैं, परंतु यदि उन्हें हमेशा गीला रखा जाता है तो वह हजारों वर्षों तक ऐसे के ऐसे ही बने रहते हैं। क्योंकि शिवलिंग का पत्थर उपरोक्त पदार्थों को एब्जॉर्ब कर लेता है जो एक प्रकार से उसका भोजन ही होता है।
- शिवलिंग पर उचित मात्रा में ही और खास समय पर ही दूध, घी, शहद, दही आदि अर्पित किए जाते हैं और शिवलिंग को हाथों से रगड़ा नहीं जाता है। यदि अत्यधिक मात्रा में अभिषेक होता है या हाथों से रगड़ा जाता है तो भी शिवलिंग का क्षरण हो सकता है। इसीलिए खासकर सोमवार और श्रावण माह में ही अभिषे करने की परंपरा है।

# हत्याहरण तीर्थ सरोवर

हम आपको एक ऐसे सरोवर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें स्नान करने के बाद आपके सारे पाप समाप्त हो जाते हैं और पुनः साफ-सुथरे मन से आप आगे का जीवन जीने के लिए अग्रसर हो सकते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, इस सरोवर से जुड़ी कथाएं व यहां के लोगों की आस्था इस बात का प्रतीक है कि इस सरोवर में नहाने से लोगों के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं की पुष्टि करने के लिए जब हम उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ से लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर बने, जो हरदोई जनपद की संडीला तहसील में पवित्र नैमिषारण्य परिक्रमा क्षेत्र में स्थित है। जब हम इस सरोवर के साक्षात दर्शन करने पहुंचे तो इस सरोवर से जुड़ी लोगों की आस्थाओं को देखकर एक बार विश्वास हो चला कि हो ना हो इस सरोवर में स्नान करने के बाद कहीं न कहीं पापों से मुक्ति मिल जाती है क्योंकि सरोवर में स्नान करने वालों की अपार भीड़ थी। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं को जानने का प्रयास किया तो कई बातें सामने निकलकर आईं। सरोवर के पास पीढ़ियों से फूलमालाओं का काम करने वाले 80 साल के जगन्नाथ से इस सरोवर से जुड़ी बातों को जानना चाहा तो जगन्नाथ ने बताया की पौराणिक बातों में कितनी सत्यता है, इसकी पुष्टि तो वे नहीं करते लेकिन जो वह बताने जा रहे हैं, इसके बारे में उन्होंने अपने पिताजी से सुना था। उन्होंने कि कहा जब मैं अपने पिताजी के साथ इस सरोवर पर फूल बेचने के लिए आता था तो मैंने एक दिन अपने पिता से पूछा कि यहां पर इतने सारे लोग क्या करने आते हैं तो उन्होंने मुझे बताया कि हजारों वर्ष पूर्व जब भगवान राम ने रावण का वध कर दिया था तो उन्हें ब्रह्महत्या का दोष लग गया था। उस पाप को मिटाने के लिए भगवान राम भी इस सरोवर में स्नान करने आए थे। इस सरोवर के निर्माण के बारे में शिव पुराण में वर्णन है कि माता पार्वती के साथ भगवान भोलेनाथ एकांत की खोज में निकले और नैमिषारण्य क्षेत्र में विहार करते हुए एक जंगल में जा पहुंचे। वहां पर सुरम्य जंगल मिलने पर तपस्या करने लगे। तपस्या करते हुए माता पार्वती को प्यास लगी। जंगल में कहीं जल न मिलने पर उन्होंने देवताओं से पानी के लिए कहा तब सूर्य देवता ने एक कमंडल जल दिया। देवी पार्वती ने जलपान करने के बाद शेष बचे जल को जमीन पर गिरा दिया। तेजस्वी पवित्र जल से वहां पर एक कुंड का निर्माण हुआ और जाते वक्त भगवान शंकर ने इस स्थान का नाम प्रभास्कर क्षेत्र रखा।
यह कहानी सतयुग की है। काल बीतते रहे द्वापर में ब्रम्हा द्वारा अपनी पुत्री पर कुदृष्टि डालने पर पाप लगा। उन्होंने इस तीर्थ में आकर स्नान किया तब वे पाप मुक्त हुए। जगन्नाथ ने बताया कि तब से यहां पर मान्यता चली आ रही है की जो इस स्थान पर आकर स्नान करेगा वह पाप मुक्त हो जाएगा। हत्या मुक्त हो जाएगा। यहां पर राम का एक बार नाम लेने से हजार नामों का लाभ मिलेगा। तब से आज तक लोग यहां इस पावन तीर्थ पर आकर हत्या, गोहत्या एवं अन्य पापों से मुक्ति पा रहे हैं।

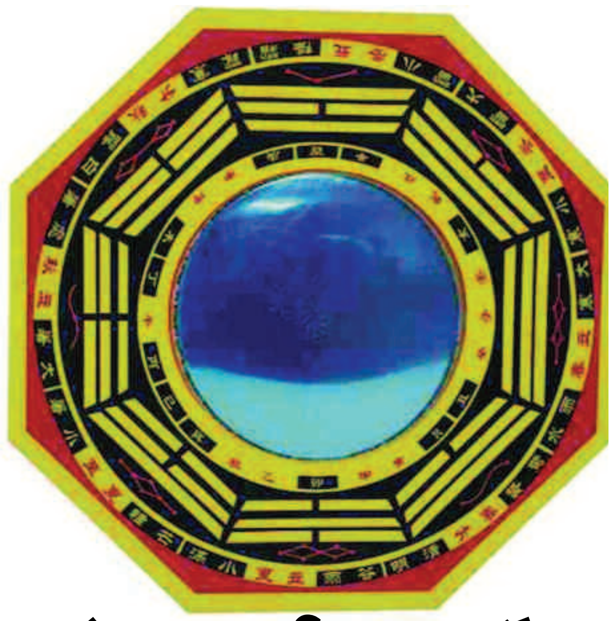

# फेंगशुई क्या है? कैसे करता है लाइफ को प्रभावित

**फेंगशुई चीन का वास्तु शास्त्र है जिसका भारत में भी बहुत ज्यादा प्रचलन हो चला है। फेंगशुई के कई आइटम आजकल बाजार में मिलते हैं। जैसे विंड चाइम, लाफिंग बुद्धा, कछुआ, तीन टांगों वाला मेंढक, मछलीघर, तीन सिक्के, क्रिस्टल-ट्री, बांस का पौधा आदि। आओ जानते हैं कि कैसे करता है लाइफ को प्रभावित फेंगशुई।**

### वायु और जल

फेंग और शुई का शाब्दिक अर्थ है वायु और जल। फेंगशुई के टिप्स घर के वायु और जल को सकारात्म दिशा देने वाले होते हैं। यह घर के वातारवण को प्रभावित करता है।

### प्रकाश

यदि घर में नकारात्मक प्रकाश कहीं से आ रहा है या घर में ही कहीं नकारात्मक प्रकाश है तो फेंगशुई उस प्रकाश को सकारात्मक प्रकाश में बदलकर हमारी लाइफ को प्रभावित करता है।

### मानसिक दशा

फेंगशुई घर के लोगों की मानसिक दशा बदलने का कार्य भी करता है। इसके लिए फेंगशुई के जो आइटम घर में रखते हैं उससे लोगों की मानसिकता बदलती है। जैसे लाफिंग बुद्धा को घर में रखने से मानसिक परेशानी दूर होती है। इसी तरह के अन्य कई आइटम हैं।

### दिशाओं के गलत प्रभाव को रोकना

फेंगशुई पूरी तरह से पांच तत्वों पानी, अग्नि, पृथ्वी, धातु, लकड़ी के तत्वों पर कार्य करती है। फेंगशुई के अनुसार इन पांच तत्वों की मदद से दिशाओं के गलत प्रभावों पर काबू पा सकते हैं।

### घर की उर्जा

घर में बिना तोड़फोड़ किए ही फेंगशुई साधनों का उपयोग कर घर को अपने अनुरूप बनाया जा सकता है। इन साधनों का उपयोग कर फेंगशुई की सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में वृद्धि की जा सकती है।

### ची ऊर्जा

फेंगशुई के अंतर्गत विभिन्न प्राकृतिक तत्वों का प्रतिनिधित्व करने वाली वस्तुओं को उचित दिशा और स्थान पर रखने से 'ची' यानी कि ऊर्जा का सकारात्मक प्रवाह सुनिश्चित किया जाता है। घर की 'ची' ऊर्जा को संतुलित करने के लिए सबसे अहम चीजों में से एक होती है उचित प्राकृतिक प्रकाश और हवा की व्यवस्था। फेंगशुई इसी संबंध में जानकारी देता है।

### रंग

घर की खूबसूरती और ऊर्जा में रंगों की बड़ा योगदान रहता है। सही स्थान पर सही प्रकार के रंग का प्रयोग उसे सुंदर भी बनाता है और साथ ही वहां की ऊर्जा का भी प्रकृति के साथ समायोजन कर देता है। फेंगशुई के प्रोडक्ट्स या आइटम न सिर्फ किसी स्थान की ऊर्जा को संतुलित करने का काम करते हैं, बल्कि यह सजावट के रूप में भी काम में लिए जा सकते हैं।

### साफ-सफाई

फेंगशुई के वास्तु के अनुसार घर की साफ सफाई का आपके घर के वातावरण और मानसिकता पर असर पड़ता है। अतः साफ-सफाई का रहना जरूरी है।

### ग्रीनरी और गार्डन

फेंगशुई के अनुसार घर की ग्रीनरी सकारात्मक प्रभाव को बढ़ाती है। इनडोर प्लांट्स घर में खुशियां लाते हैं और घर के हर कोने को आकर्षक बना देते हैं। इसीलिए फेंगशुई में बांस का पौधा बोनसाई पौधों रखने का प्रचलन है।

### रिश्ते और खुशी

फेंगशुई के अनुसार धन, सुख, सौभाग्य के साथ ही रिश्तों में मधुरता और खुशी के लिए फेंगशुई के उपाय कारगर सिद्ध होते हैं। हर कोई यदि चाहता है कि हम खुश रहें। फेंगशुई के आइटम यही कार्य करते हैं।

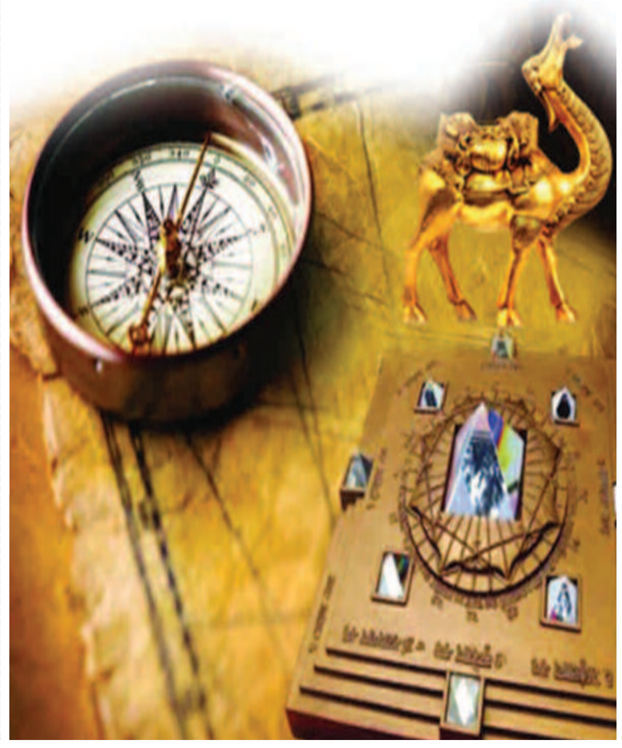

# उर्विल पटेल का अर्धशतक, चेन्नई ने लखनऊ सुपर जाइंट्स को 5 विकेट से हराया

**चेन्नई (एजेंसी)।** चेन्नई सुपरकिंग्स (CSK) ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को यहां लखनऊ सुपरजायंट्स (LSG) को पांच विकेट से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। उर्विल पटेल ने 13 गेंद में अर्धशतक पूरा कर भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्होंने 23 गेंद में आठ छक्कों और दो चौकों की मदद से 65 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। जोश इंग्लिस की 33 गेंद में 85 रन की आक्रामक पारी के बावजूद सुपरकिंग्स ने जैमी ओवरटन की शानदार गेंदबाजी के बूते सुपरजायंट्स को आठ विकेट पर 203 रन पर रोकने के बाद 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 208 रन बनाकर जीत दर्ज की।

टीम 11 मैचों में छठी जीत के बाद 12 अंक के साथ तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई, जबकि अंतिम पायदान पर काबिज सुपर जायंट्स की आठवीं हार के बाद प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो गईं। उर्विल के अलावा कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने 28 गेंद में 42 रन का योगदान दिया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 34 गेंद में 81 रन जोड़े। गायकवाड़ ने इससे पहले संजू सैमसन (14 गेंद में 28 रन) के साथ 22 गेंद में 45 रन की साझेदारी कर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। शिवम दुबे (नाबाद 15) ने एडेन मारक्रम के खिलाफ अंतिम ओवर में लगातार दो छक्के जड़े, जिससे सुपरकिंग्स ने पहली बार 200 से अधिक का लक्ष्य हासिल किया। प्रशांत वीर 17 रन पर नाबाद रहे।

इंग्लिस ने अपनी पारी में छह छक्के और 10 चौके जड़कर सुपरजायंट्स का स्कोर नौवें ओवर के बाद 112 रन तक पहुंचा दिया था। ओवरटन की अगुवाई में गेंदबाजों ने 10वें से 15वें ओवर के बीच 35 रन के अंदर चार विकेट झटककर रनगति पर अंकुश लगा दिया। ओवरटन ने चार ओवर में 36 रन देकर तीन विकेट लिए, जिसमें इंग्लिस का विकेट भी शामिल था। नूर अहमद ने चार ओवर में 24 रन देकर एक विकेट लिया, जबकि अंशुल कंबोज को दो विकेट मिले लेकिन उन्होंने 47 रन खर्च किए। आखिरी ओवरों में शाहबाज अहमद (नाबाद 43) और हिम्मत सिंह (17) ने सातवें विकेट के लिए 32 गेंद में 50 रन की साझेदारी कर बीच के ओवरों के नुकसान की भरपाई की। शाहबाज ने 25 गेंद की नाबाद पारी में तीन चौके और इतने ही छक्के लगाए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए सैमसन और गायकवाड़ ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई। सैमसन कुछ आकर्षक शॉट खेलने के बाद चौथे ओवर में राठी की गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद उर्विल पटेल ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए पावरप्ले में ही मैच का रुख पलट दिया। आवेश खान के खिलाफ लगातार तीन छक्के जड़ने के बाद राठी तीन छक्के और चौका लगाकर पावरप्ले में सुपरकिंग्स के स्कोर को एक विकेट पर 97 रन तक पहुंचा दिया। उन्होंने आक्रामक तेवर जारी रखते हुए शमी के खिलाफ छक्का लगाने के बाद एक रन साथ 13 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा कर अपनी इस उपलब्धि को अपने पिता को समर्पित किया। उन्होंने जेब से एक कागज निकाला, जिस पर लिखा था, 'यह आपके लिए है पापा।'

राठी ने आसान कैच टपकाकर उन्हें जीवनदान दिया लेकिन वह इसका फायदा उठाने में नाकाम रहे।। उन्होंने आवेश खान की गेंद पर कैच देकर अपना विकेट गंवा दिया। सुपरजायंट्स के गेंदबाजों ने इसके बाद रनगति पर अंकुश लगाना शुरू किया और शाहबाज ने गायकवाड़ को बोल्ड कर बड़ी सफलता हासिल की। कार्तिक शर्मा (20) और डेवाल्ड ब्रेविस (10) सहज नजर नहीं आए। जरूरी रनगति के बढ़ने के साथ ही ब्रेविस राठी की गेंद पर गच्चा खाकर बोल्ड हो गए। आवेश ने अगले ओवर की पहली गेंद पर कार्तिक को पवेलियन की राह दिखा दी। दो गेंद पर दो विकेट के साथ सुपरजायंट्स ने मैच में अच्छी वापसी की, लेकिन इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर आये प्रशांत ने 18वें ओवर में प्रिंस के खिलाफ छक्का जड़ा। अगले ओवर में आवेश की गेंद पर उन्हें लगातार दो जीवनदान मिले। राठी और निकोल्स पूरन ने उनका कैच टपका दिया। इस बल्लेबाज ने छक्का जड़कर इसका जश्न मनाया, जिससे टीम को आखिरी ओवर में 10 रन की जरूरत थी।

क्रीज पर बाएं हाथ के बल्लेबाजों की मौजूदगी के कारण पंत ने शाहबाज की जगह गेंद मारक्रम को सौंपी, लेकिन दुबे के दो गगनचुंबी छक्कों के साथ मैच खत्क किया। पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर इंग्लिस ने

अकील हुसैन के खिलाफ साइट स्क्रीन के ऊपर से छक्का जड़ने के बाद मुकेश चौधरी और कंबोज के खिलाफ सहजता से बड़े शॉट खेलते हुए 3.4 ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा कर दिया। यह सुपरजायंट्स का सबसे तेज अर्धशतक है। इंग्लिस ने इन दोनों तेज गेंदबाजों के खिलाफ रिवर्स स्कूप पर दो कमाल के छक्के लगाए। उन्होंने 18 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। कंबोज ने मिचेल मार्श को आउट कर 31 गेंद में 77 रन की साझेदारी को तोड़ा। इस साझेदारी में मार्श का योगदान 10 गेंद में 10 रन का था।

नूर ने पावरप्ले के बाद निकोल्स पूरन (एक) का अपनी फिरकी में फंसाकर कैच कराया। पावरप्ले में सुपरजायंट्स ने इस सत्र का अपना सर्वोच्च स्कोर एक विकेट पर 91 रन बना लिए। ओवरटन के खिलाफ 10वें ओवर में इंग्लिस एक बार फिर स्कूप करने की कोशिश में विकेटकीपर सैमसन को कैच दे बैठे। कप्तान ऋषभ पंत (15) का खराब फॉर्म जारी रहा और वह इसी ओवर में गेंद को विकेटों पर खेल गए। टीम अभी इन झटकों से उबरी भी नहीं थी कि ब्रेविस ने बाउंड्री के बाउंड्री के पास से सीधे विकेटों पर थ्रो कर मारक्रम (छह) को रन आउट कर दिया। अक्षत रघुवंशी (18) ओवरटन का तीसरा शिकार बने। हिम्मत ने क्रीज पर आते ही छक्का जड़कर आत्मविश्वास दिखाया, वहीं एक छोर से संभलकर खेलने के बाद शाहबाज ने 19वें ओवर में ओवरटन के खिलाफ दो चौके और एक छक्का जड़कर 17 रन बटोरे इस गेंदबाज के आंकड़े खराब किये। इस ब... हाथ के बल्लेबाज पारी की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर टीम के स्कोर को 200 रन के पार पहुंचा दिया।

# आईपीएल अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंची गुजरात टाइटंस

**जयपुर (एजेंसी)।** गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को 77 रनों से हराकर आईपीएल के 19 वें सत्र में लगातार चौथी जीत के साथ ही अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। यह गुजरात की रनों को देखते हुए आईपीएल में अब तक की सबसे बड़ी जीत है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 229 रन बनाये। जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की टीम 16.3 ओवर में ही केवल 152 रनों पर ही सिमट गयी।

इस मैच में शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 118 रन बनाये। सुदर्शन ने 36 गेंदों में 55 रन बनाए, जबकि शुभमन ने 44 गेंदों पर 84 रन बनाये। वहीं अंत में, वॉशिंगटन सुंदर ने 20 गेंदों में नाबाद 37 रन और राहुल तेवतिया ने नाबाद 14 रन बनाकर टीम को 229 के लक्ष्य तक पहुंचाया। गुजरात टाइटंस की ओर से बृजेश शर्मा ने सबसे अधिक 2 विकेट लिए।

इसके बाद 230 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। यशस्वी जायसवाल सिर्फ 3 रन बनाकर सस्ते में पवेलियन लौट गए। वैभव सूर्यवंशी 36 रन पर ही आउट हो गये। ध्रुव जुरेल 24 और शिमरोन हेटमायर 6 रनों पर ही आउट हो गये। रवींद्र जडेजा ने 25 गेंदों में 38 रन बनाये। शुभम दुबे 15 और जोफ्रा आर्चर 5 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। दासुन शनाका ने 16 रन बनाये।

दूसरी ओर गुजरात से राशिद खान ने 33 रन देकर 4 विकेट लिए। जेसन होल्डर ने भी कमाल की गेंदबाजी करते हुए 2.3 ओवर में महज 12 रन खर्च कर 3 विकेट लिए। वहीं कगिसो रबाडा को दो और सिराज को एक विकेट मिला। यह गुजरात टाइटंस की रनों के हिसाब से आईपीएल में सबसे बड़ी जीत है, जिसने उनके 2023 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 62 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। वहीं, राजस्थान रॉयल्स को यशस्वी जायसवाल की कप्तानी में अपनी चौथी सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ ही गुजरात 11 मैचों में 14 अंक लेकर दूसरे स्थान पर आ गयी है, जबकि राजस्थान को 11 मैचों में अपनी 5वीं हार झेलनी पड़ी और वह अंक तालिका में वह 5वें पायदान पर फिसल गई है। यह गुजरात की इस सत्र की सातवीं जीत थी। सनराइजर्स हैदराबाद 14 अंक और बेहतर रन रेट होने के कारण पहले स्थान पर है, वहीं पंजाब किंग्स 13 अंक लेकर तीसरे जबकि रॉयल चैलेंजर्स और राजस्थान रॉयल्स 5-5 अंक लेकर चौथे और पांचवे नंबर पर है।

# शुभमन लगातार सात आईपीएल सत्र में 400 रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने

**जयपुर (एजेंसी)।** गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इतिहास में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। शुभमन ने इस मैच में 44 गेंदों पर ही 84 रनों की पारी के साथ ही अपने 400 आईपीएल रन पूरे किये। इसी के साथ ही शुभमन लगातार सात आईपीएल सीजन में 400 या उससे अधिक रन बनाने वाले विश्व के केवल तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। शुभमन ने साल 2020 के सत्र से ही लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं साल 2026 के सत्र में भी यह सिलसिला बना रहा। उन्होंने साल 2020 और 2021 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से खेलते हुए ये उपलब्धि हासिल की थी। इसके बाद साल 2022 में गुजरात टाइटंस से जुड़ने के बाद से ही वह लगातार रन बनाते आये हैं। आईपीएल में उनसे पहले केवल दो खिलाड़ियों के नाम ही ये रिकार्ड है।

वहीं इससे पहले सुरेश रैना ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से साल 2008 से 2014 तक लगातार सात आईपीएल सीजन में 400 से अधिक रन बनाए थे। रैना ने इस दौरान सीएसके के आधार बने रहे। उनके बाद सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने भी यह रिकार्ड अपने नाम किया। धवन ने साल 2016 से 2022 तक लगातार सात आईपीएल सत्र में 400 या उससे अधिक रन बनाए। इस अवधि में उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद (2016-2018), दिल्ली कैपिटल्स (2019-2021) और पंजाब किंग्स (2022) का प्रतिनिधित्व करते हुए जमकर रन बनाये। अब शुभमन भी इस विशेष क्लब में शामिल हो गये हैं। गिल की व्यक्तिगत उपलब्धियों के साथ-साथ, उनकी कप्तानी में गुजरात टाइटंस ने इस मैच में रॉजस्थान रॉयल्स को 77 रनों से हरा दिया।

# दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी पंजाब

**धर्मशाला (एजेंसी)।** पंजाब किंग्स की टीम सोमवार को धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स पर जीत के इरादे से उतरेगी। पंजाब किंग्स की टीम लगातार तीन हार के बाद अंकतालिका में तीसरे स्थान पर फिसल गयी है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में सत्र की शुरुआत से ही बेहतर प्रदर्शन कर रही पंजाब का प्रदर्शन पिछले कुछ मुकाबलों में गिरा है। ऐसे में उसे जीत के लिए अपने क्षेत्ररक्षण को भी बेहतर करना होगा। हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच में टीम ने काफी कैच छोड़े थे जिससे उसके हाथ से मैच निकल गया था। इसके अलावा उसके गेंदबाज भी पिछले मैच में असफल रहे थे। उसे अब ये कमी भी दूर करनी होगी। पंजाब की बल्लेबाजी प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह के अलावा श्रेयस पर भी निर्भर करेगी। गेंदबाजी में उसके पास तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के अलावा स्पिनर यजुवेन्द्र चहल भी हैं। पंजाब के अभी 13 अंक हैं और उसे प्लेऑफ में पहुंचने दो जीत चाहिये। ऐसे में टीम का लक्ष्य इस मैच में जीत के साथ ही लय हासिल करना रहेगा। वहीं दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स की टीम 8 अंक लेकर आठवें स्थान पर है और उसकी प्लेऑफ की उम्मीदें तकरीबन समाप्त हो गयी हैं पर वह

पंजाब का खेल जरुर बिगाड़ सकती है।

अक्षर पटेल की कप्तानी में कैपिटल्स का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। टीम अपने पिछले छह मुकाबलों में से पांच हारी है और अंक तालिका में आठवे नंबर पर है। टीम के बल्लेबाज ओर गेंदबाज उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। बल्लेबाजी में केवल केएल राहुल ही रन बना पाये हैं। गेंदबाजी में उसके पास मिचेल स्टार्क और टी नटराजन भी हैं। स्टार्क भी वापसी के बाद से ही प्रभावित नहीं कर पाये हैं जिससे भी टीम का प्रदर्शन खराब हुआ है। अब तक दोनो टीमों के बीच 36 मैच हुए हैं जिसमें से पंजाब ने 18 जबकि दिल्ली ने 17 जीते हैं।

**पंजाब किंग्स संभावित टीम**

श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, निहाल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसेन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्युसन, हरप्रीत बरार, विजयकुमार वैशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, प्रवीण दुबे, पायला अविनाश और विशाल निषाद।

**दिल्ली कैपिटल्स संभावित टीम**

अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, लोकेश राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, दुष्मंता चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, आकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी शॉ, काइल जेमिसन, अजय जाधव मंडल, माधव तिवारी, साहिल पारख, करुण नायर और टी नटराजन।

# चहल को ई-सिगरेट सेवन के लिए होनी चाहिये जेल : शिवरामकृष्णन

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय स्पिनर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने पंजाब किंग्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल के उड़ान के दौरान ई सिगरेट (वेप) का सेवन करने को लेकर कड़ी फटकार लगायी है। शिवरामकृष्णन के अनुसार इस प्रकार के गलत काम के लिए चहल पर जुर्माना ही काफी नहीं होगा। उन्हें जेल भी भेजा जाना चाहिये। शिवरामकृष्णन ने इस मामले को लेकर चहल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की है। चहल पर हैदराबाद की फ्लाइट में वेप सेवन का आरोप है। इसका एक वीडियो भी तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने जारी किया था। चहल आईपीएल 2026 के दौरान वेप का सेवन करने के मामले में फंसे दूसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग भी पंजाब किंग्स के ड्रेसिंग रूम में वेप का सेवन करते पकड़े गये थे। इस कारण उनपर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगा था पर शिवरामकृष्णन का मानना है कि चहल का मामला अलग है उन्होंने लोगों की सुरक्षा को खतरे में डाला है उन्हें इसके लिए जेल भेजा जाए। शिवरामकृष्णन ने सोशल मीडिया में लिखा, ' 'भारत में वेप पर प्रतिबंध है। उन्हें जेल में होना चाहिए। कानून बनाकर अगर उन्हें लागू नहीं किया जाए तो उसका क्या लाभ। मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना तो बहुत कम है। साथ ही सवाल किया कि अगर कोई आम आदमी ऐसा करता तो उसके खिलाफ भी क्या यही कार्रवाई होती?' वहीं बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने अपनी सलाह में लिखा, 卐ड्रेसिंग रूम और टूर्नामेंट वेन्यू के अन्य प्रतिबंधित क्षेत्रों में वेपिंग के मामले बीसीसीआई की नजर में आए हैं।

# धोनी को खेलते रहना चाहिए, उनके जैसा विकेटकीपर कोई नहीं : माइकल क्लार्क

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने भारतीय क्रिकेट के दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि उम्र बढ़ने के बावजूद उन्हें प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहिए। क्लार्क का मानना है कि धोनी का खेल पर प्रभाव आज भी बेहद खास है और टी20 क्रिकेट में उनसे बेहतर विकेटकीपर कोई नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि जिस दिन धोनी क्रिकेट से संन्यास लेंगे, उसके बाद शायद वह किसी भी रूप में खेल से जुड़े नजर नहीं आएंगे। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 शुरू होने से पहले महेंद्र सिंह धोनी को पिंडली में खिंचाव की समस्या हो गई थी। इसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से जानकारी दी गई थी कि 44 वर्षीय धोनी शुरुआती कुछ मुकाबले ही मिस करेंगे। हालांकि टीम अब तक 10 मैच खेल चुकी है, लेकिन धोनी मैदान पर वापसी नहीं कर पाए हैं। वह लगातार नेट्स में अभ्यास जरूर कर रहे हैं, लेकिन मैचों के दौरान टीम के साथ यात्रा नहीं कर रहे। उनकी गैरमौजूदगी ने प्रशंसकों को निराश किया है, लेकिन माइकल क्लार्क का मानना है कि धोनी और चेन्नई सुपर किंग्स एक-दूसरे से अलग नहीं हो सकते। एक पॉडकास्ट' में बातचीत के दौरान माइकल क्लार्क ने कहा कि महेंद्र सिंह धोनी ही चेन्नई सुपर किंग्स की असली पहचान हैं। उन्होंने कहा कि जब भी चेन्नई का मैच होता है तो स्टेडियम में ज्यादातर दर्शक नंबर 7 वाली पीली जर्सी पहनकर पहुंचते हैं। यहां तक कि टीम के साथ जुड़ने वाले प्रायोजक भी चाहते हैं कि धोनी टीम का हिस्सा बने रहें। क्लार्क ने कहा कि भारत और चेन्नई सुपर किंग्स दोनों के लिए धोनी का महत्व बेहद बड़ा है और उम्र को उनकी क्षमता का पैमाना नहीं माना जाना चाहिए। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि कोई भी उन्हें यह समझा नहीं सकता कि वर्तमान समय में टी20 क्रिकेट में धोनी से बेहतर विकेटकीपर मौजूद है। उनके अनुसार धोनी की विकेटकीपिंग कौशल, मैच को पढ़ने की क्षमता और दबाव में शांत रहने का अंदाज उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाता है। उन्होंने प्रशंसकों और क्रिकेट विशेषज्ञों से अपील की कि वे धोनी के संन्यास की मांग करना बंद करें और उन्हें जितना चाहें उतना क्रिकेट खेलने दें।

# वैभव सूर्यवंशी टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

**जयपुर (एजेंसी)।** राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) लीग में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में अपनी 36 रनों की पारी में तीन छक्के लगाने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है।अपनी इस पारी के साथ ही वैभव ने टी20 क्रिकेट में एकसाथ कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं।

वैभव अब टी20 क्रिकेट में सबसे तेज और सबसे कम उम्र में 100 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। वैभव ने केवल 29 टी20 पारियों में हासिल की, जो अपने आप में एक बड़ा रिकार्ड है। वैभव ने केवल 514 गेंदों में अपने 100 टी20 छक्के पूरे कर लिए हैं, जो इससे पहले किसी भी बल्लेबाज ने इतनी कम गेंदों में नहीं किया था।

वहीं इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज करणबीर सिंह ने 813 और वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेर कीरोन पोलार्ड ने 843 गेंदों में 100 टी20 छक्के लगाए थे।

वैभव ने पावरप्ले में सबसे अधिक छक्के लगाने का नया रिकॉर्ड भी बनाया है। उन्होंने मौजूदा सीजन में पावरप्ले के भीतर कुल 30 छक्के लगाये हैं, जिससे उन्होंने 2024 सीजन में अभिषेक द्वारा बनाए गए 29 छक्कों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। अभिषेक शर्मा ने 2026 सीजन में भी 27 छक्के लगाए हैं, जबकि सनथ जयसूर्या (2008), ट्रेविस हेड (2024) और यशस्वी जायसवाल (2025) जैसे दिग्गजों ने अपने-अपने सीजन में 22-22 छक्के लगाए थे। अगर देखा जाये तो वैभव ने अबतक के आईपीएल सीजन में 40 छक्के लगाए हैं, जो किसी एक आईपीएल सीजन में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले भारतीयों की सूची में अभिषेक शर्मा (42 छक्के, 2024) के बाद दूसरे स्थान पर है। श्रेयस अय्यर (39 छक्के, 2025), विराट कोहली (38 छक्के, 2016 और 2024) और सूर्यकुमार यादव (38 छक्के, 2025) जैसे नाम भी इस विशिष्ट सूची में शामिल हैं, जो वैभव की उपलब्धियों को और भी खास बनाते हैं।

# फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में दिखेगा नोरा फतेही का जलवा

**– अंतरराष्ट्रीय मंच पर बिखेरेंगी भारतीय प्रतिभा की चमक**

**मुंबई (एजेंसी)।** बॉलीवुड की मशहूर डांसर और ग्लोबल स्टार नोरा फतेही एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन करने जा रही हैं। नोरा अब फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में अपनी शानदार परफॉर्मेंस और सिंगिंग का जलवा बिखेरेंगी। यह भव्य आयोजन कनाडा के टोरंटो शहर में आयोजित किया जाएगा। नोरा का इस प्रतिष्ठित मंच पर शामिल होना भारतीय मनोरंजन जगत के लिए बेहद गर्व की बात माना जा रहा है। दुनियाभर में अपनी डांस परफॉर्मेंस और स्टेज प्रेजेंस के लिए पहचान बना चुकीं नोरा अब वैश्विक स्तर पर एक बार फिर भारतीय कला और संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती नजर आएंगी।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी 12 जून को टोरंटो के प्रसिद्ध बीएमओ फील्ड स्टेडियम में आयोजित होगी। इस खास कार्यक्रम में नोरा फतेही के साथ कई बड़े अंतरराष्ट्रीय कलाकार भी मंच साझा करेंगे। इनमें माइकल बुबले, एलानिस मॉरिसेट, एलेसिया कारा, एलियाना, जेसी रेयेज, संजॉय, वेगेड्रीम और विलियम प्रिंस जैसे लोकप्रिय नाम शामिल हैं। वहीं अमेरिका में आयोजित होने वाली दूसरी ओपनिंग सेरेमनी में अनीता, फ्यूचर, कैटी पेरी, लिसा, रेमा और टायला जैसे ग्लोबल सुपरस्टार्स अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इस तरह फीफा वर्ल्ड कप 2026 सिर्फ फुटबॉल का महाकुंभ नहीं बल्कि संगीत, संस्कृति और मनोरंजन का भी विशाल उत्सव बनने जा रहा है।

फीफा की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, कनाडा में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी के जरिए देश की संस्कृति, विविधता और परंपराओं को दुनिया के सामने पेश किया जाएगा। समारोह में कनाडा की खूबसूरत लोकेशनों और सांस्कृतिक विरासत को विशेष प्रस्तुति के माध्यम से दिखाया जाएगा। आयोजकों के मुताबिक यह कार्यक्रम एकता, उत्साह और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक होगा। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा कि टोरंटो में होने वाली यह ओपनिंग सेरेमनी कनाडा की पहचान और फुटबॉल के प्रति वहां के लोगों के उत्साह को दुनिया के सामने पेश करेगी।

# भारतीय महिला टीम ने तीरंदाजी विश्व कप में चीन को हराकर स्वर्ण जीता

**शंघाई (एजेंसी)।** दीपिका कुमारी, अंकिता भकत और युवा कुमकुम मोहोद वाली भारतीय महिला रिकर्व टीम ने यहां हुए तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में चीन को हराकर स्वर्ण पदक जीता है। दीपिका, अंकिता और कुमकुम ने मेजबान चीनी खिलाड़ियों को फाइनल शूट-ऑफ मुकाबले में 5-4 (28-26) से हराया। इसी के साथ ही भारतीय महिला रिकर्व टीम ने साल 2021 के बाद विश्व कप में पहला स्वर्ण पदक जीता है।

भारतीय टीम ने पहले सेट में 54-53 के अंतर से जीत हासिल की। इसके बाद चीनी टीम ने जबरदस्त वापसी करते हुए अगले दो सेट (55-52 और 57-56) जीते और 4-2 की बढ़त बना ली, जिससे भारतीय खेमे पर दबाव बढ़ गया। भारतीय टीम ने चौथे सेट में मुकाबला 4-4 से बराबर कर दिया, जिससे जीत का फैसला शूट-ऑफ पर आ टिका।

निर्णायक शूट-ऑफ में, भारतीय तीरंदाजों ने जबरदस्त खेल दिखाया। अंकिता भकत ने सटीक नौ अंक हासिल किये। इसके बाद कुमकुम मोहोद ने दबाव के बीच सीधा 10 का स्कोर किया। जीत के लिए भारत को केवल आठ अंक की आवश्यकता थी, और अनुभवी दीपिका कुमारी ने नौ अंक हासिल कर भारतीय टीम को जीत दिला दी। इससे आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए भी टीम का मनोबल बढ़ा है।

भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में 10 बार की ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया और फिर, चीन को उसके घरेलू मैदान पर हराया था। ये जीत इसलिए भी अहम है क्योंकि टीम बिना किसी राष्ट्रीय कोच के खेल रही थी। शंघाई विश्व कप में भारत के लिए यह दूसरा पदक है। इससे पहले, कंपाउंड तीरंदाज साहिल जाधव ने कांस्य पदक जीतकर देश का खाता खोला था।

# राशिद आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले विदेशी स्पिनर बने

जयपुर। गुजरात टाइटंस के स्पिनर राशिद खान ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल मैच में अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। राशिद ने इस मैच में चार विकेट लेकर राजस्थान रॉयल्स को 152 रनों पर आउट करने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की है। राशिद अब आईपीएल इतिहास में विदेशी स्पिनर के तौर पर सबसे ज्यादा बार तीन या उससे अधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इसी के साथ ही कोलकाता नाइटराइजर्ड (केकेआर) के अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन को भी पीछे छोड़ दिया है। यह ये 18 वीं बार है जब राशिद ने आईपीएल मैच में तीन या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं। इस उपलब्धि के साथ ही अब वह अमित मिश्रा और रवींद्र जडेजा जैसे प्रमुख स्पिनरों से

आगे निकल गए हैं। अब केवल स्पिनर युजवेंद्र चहल ही उनसे आगे हैं, जिन्होंने 23 बार यह कारनामा किया है। अगर हम तेज गेंदबाजों को भी शामिल कर लें, तो राशिद से अधिक विकेट केवल जसप्रीत बुमराह के नाम 25, भुवनेश्वर कुमार के 21 और लसिथ मलिंगा के नाम 19 विकेट हैं। मैच के बाद अपनी गेंदबाजी पर बात करते हुए राशिद खान ने बताया कि पहली गेंद फेंकते ही उन्हें पिच से मदद मिलने का एहसास हो गया था। उन्होंने कहा, मुझे बस अपनी गेंदों की गति को लगातार बदलते रहना था। मैं सही जगह पर गेंद डालने और स्टंप्स को निशाना बनाने की कोशिश कर रहा था। मुझे लगा कि अगर मैं स्टंप्स से दूर गेंद डालूंगा, तो बल्लेबाज के लिए रन बनाना या चौका मारना आसान हो जाएगा। उन्होंने आगे जोर दिया कि उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण सही लेंथ और लाइन पर ध्यान देना था, ताकि गेंद तीनों स्टंप्स के बीच ही रहे। राशिद ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने फरेरा को आउट करने के बारे में पहले ही सोच लिया था और उनके दिमाग में पूरी योजना तैयार थी। जैसे ही गेंद उनके हाथ से निकली, उन्हें यकीन हो गया था कि विकेट मिलने वाला है।

# इटेलियन ओपन में सबालेंका और पाओलिनी की सनसनीखेज हार

रोम। इटेलियन ओपन में कई चौंकाने वाले नतीजे देखने को मिले, जिसमें महिलाओं की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी आर्यना सबालेंका और गत चैंपियन जैस्मीन पाओलिनी दोनों बाहर हो गईं। दिन का सबसे बड़ा झटका महिलाओं के सिंगल्स के

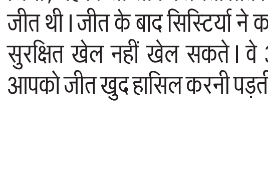

राउंड ऑफ़ 32 में लगा, जहां दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी सबालेंका ने एक सेट की बढ़त गंवा दी और रोमानिया की सोराना सिस्टिर्या से 2-6, 6-3, 7-5 से हार गईं। सिस्टिर्या ने बेसलाइन से सबालेंका के साथ जोरदार मुकाबला किया और नेट की ओर आक्रामक रुख अपनाकर बेलारूस की इस खिलाड़ी को बार-बार परेशान किया, जिससे उन्हें दूसरे सेट के आठवें गेम में एक महत्वपूर्ण 'ब्रेक' हासिल हुआ। सबालेंका को सिस्टिर्या के खेल की विविधता का सामना करने में मुश्किल हुई और उन्होंने लगातार 'अनफोर्स्ड एरर' (बिना दबाव के की गई गलतियां) करना शुरू कर दिया। निर्णायक सेट के पांचवें गेम में सिस्टिर्या ने अपने चौथे 'ब्रेक पॉइंट' के मौके को भुनाते हुए एक और 'ब्रेक' हासिल किया और फिर अपनी सर्विस के साथ मैच जीत लिया; यह किसी शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के खिलाफ उनके करियर की पहली जीत थी। जीत के बाद सिस्टिर्या ने कहा, 'शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ आप सिर्फ़ सुरक्षित खेल नहीं खेल सकते। वे आपको जीत थाली में परोसकर नहीं देंगी। आपको जीत खुद हासिल करनी पड़ती है।'